ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गृह मंत्री डॉ.जी.परमेश्वर का विभाग बदलने को लेकर चर्चा तेज @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 25 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-145

121 सांसद प्रत्याशी अनपढ़, 359 5वीं और 647 8वीं तक पढ़े

एलएलपीपी होंगे संसद के चमनमोती, तो चमन का क्या होगा..!

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। अयोध्या के रहने वाले प्रसिद्ध शायर शौक बहराइची ने लिखा था, बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी है, हर शाख पर उल्लू बैठा हो तो अंजामे गुलिस्तां क्या होगा! यह मशहूर शेर भारत के मौजूदा लोकतंत्र पर कितना सटीक है, यह भारत की संसद में जाने के लिए आमादा अनपढ़ लोगों की जमात को देखने से ही जाहिर हो जाता है। जिन्हें लोकतंत्र के बारे में कोई ज्ञान नहीं, जिन्होंने भारतीय संविधान को पढ़ा नहीं, जिनका विधायिका के महत्व और उसकी मर्यादा का कोई शिक्षण नहीं, वह संसद में आसीन होता है। आज संसद का जो नुक्कड़छाप दृश्य देखने को मिलता है, वह शौक बहराइची के इसी शेर का रिफ्लेक्शन है।

अभी लोकसभा चुनाव लड़ रहे 8,360 उम्मीदवारों में से 8,337 उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता की वीभत्स तस्वीर आपके समक्ष प्रस्तुत है। इनमें करीब 121 उम्मीदवार तो पूरी तरह लिख लोढ़ा पढ़ पत्थर (एलएलपीपी) हैं। इन उम्मीदवारों ने खुद ही शपथपत्र में यह बताया है कि वे अनपढ़ हैं। 359 प्रत्याशियों ने खुद स्वीकार किया है कि वे महज 5वीं कक्षा तक पढ़े हैं। 647 उम्मीदवारों की अधिकतम शिक्षा का स्तर 8वीं कक्षा है। देश का संचालन और नेतृत्व ऐसे ही लोगों के हाथों में रहता है, फिर लोकतंत्र से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं! चुनावों पर नजर रखने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के जरिए लोकसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की शिक्षा का यह घटिया स्तर सामने आया है। अनपढ़, 5वीं और 8वीं कक्षा तक पढ़े 1127 उम्मीदवारों में उन्हें भी जोड़ दीजिए जो किसी तरह खींचतान करके 12वीं तक पढ़ गए। 12वीं कक्षा तक पढ़े ▶9 पर

मौजूदा 69 सांसद नॉन-मैट्रिक, 5 अनपढ़, 1 निरक्षर

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। मौजूदा लोकसभा में 25 प्रतिशत सांसद ऐसे हैं जो 12वीं से कम पढ़े-लिखे हैं। मौजूदा सांसदों में 69 सांसद मैट्रिक पास भी नहीं हैं। मौजूदा पांच सांसद तो कभी स्कूल गए ही नहीं।

गनीमत है कि उन्हें अक्षर ज्ञान है। मौजूदा लोकसभा में एक सांसद को बिल्कुल ही निरक्षर है। इन्हें मिलाकर 8वीं पास सांसदों की संख्या 21 है, जो कुल सांसदों का 3.88 प्रतिशत है। 19.40 प्रतिशत सांसदों ने 8वीं से लेकर 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई की है।

आंकड़ों के विस्तार में चलें तो मौजूदा सांसदों में 1 सांसद निरक्षर, 5 सांसद सिर्फ साक्षर, 6 सांसद 5वीं पास, 9 सांसद 8वीं पास, 48 सांसद 10वीं पास, 57 सांसद 12वीं पास, ग्रैजुएट सांसद 116, प्रोफेशनल ग्रैजुएट 106, पोस्ट ग्रैजुएट 150 और पीएचडी डिग्री प्राप्त सांसद 33 हैं।

केसरिया पगड़ी बांध कर पीएम ने किया पंजाब बांधने का जतन

पंजाब की विरासत मेरा गर्व पंजाब की प्रगति मेरी गारंटी

जहां कांग्रेस है समस्याएं हैं जहां भाजपा है समाधान है

वीर बाल दिवस और करतारपुर साहब हमारी प्रतिज्ञा थी

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के जालंधर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सिख गुरुओं के अपूर्व बलिदान के प्रति सम्मान जताया और कहा कि भाजपा सीना ठोककर विरासत पर गर्व करती है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने साहिबजादों की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बालदिवस मनाने की शुरुआत की। हमने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाने की शुरुआत की। हमारी सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर बनवाया। हमने करतारपुर साहब का दर्शन करने और शीश नवाने के लिए रास्ता खोला। यह हमारी प्रतिज्ञा थी। पहले हरमंदिर साहिब में विदेशों से चंदे पर रोक थी। वह रोक हमने हटाई। हमारी सरकार ने गुरुओं के प्रकाश पर्व को पूरी श्रद्धा से देश-विदेश में मनाया। पीएम मोदी ने कहा कि पंजाब हमारी आस्था है, पंजाब की प्रगति मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को जैसे ही जालंधर के पीएपी मैदान में पहुंचे। उनके आते ही पंडाल मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा। केसरिया पगड़ी पहनकर आए मोदी ने पंजाबी से अपना संबोधन शुरू किया। पीएम ने कहा, पंजाब हमारे भारत की पहचान है, ▶9 पर

तिहाड़ जेल ऑर्डर लेने जाते थे मान, फिर जाएंगे

जालंधर, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गुरदासपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, देश में 5 चरणों का चुनाव हो चुका है, कल छठे चरण का चुनाव होने वाला है। जो लोग कल तक भाजपा के खिलाफ गुब्बारे फुला रहे थे उनका गुब्बारा फूट चुका है। अब कांग्रेस और इंडी गठबंधन को कोई वोट नहीं देना चाहता। कश्मीर से कन्याकुमारी तक यह तय हो चुका है कि फिर एक बार मोदी सरकार।

पीएम मोदी पंजाब की वर्तमान आम आदमी पार्टी की सरकार और सीएम भगवंत मान पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से पंजाब को रिमोट कंट्रोल से चलाया जा रहा है। दिल्ली के दरबारी पंजाब पर शासन कर रहे हैं। पंजाब के सीएम अपने दम पर एक भी फैसला नहीं ले सकते। ▶9 पर

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने सीमा की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

हमें लंबे समय तक सातों दिन चौबीसों घंटे सतर्क रहना है

सीमाएं अधिक सुरक्षित होतीं तो विकास और तेजी से होता

सीमा सुरक्षा और विकास दोनों पर बराबर ध्यान देना होगा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा कि अगर भारत की सीमाएं और सुरक्षित एवं स्पष्ट होतीं तो भारत ने अधिक तेजी से तरक्की की होती। डोभाल ने कहा कि पिछले 10 साल में देश की ताकत तेजी से बढ़ी है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 21वें अधिष्ठापन समारोह पर आयोजित रुस्तमजी मेमोरियल व्याख्यान में अपने संबोधन में अजित डोभाल ने ये बातें कहीं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा, निकट भविष्य में मुझे नहीं लगता कि हमारी सीमाएं उतनी सुरक्षित होंगी जितना हमें तेज आर्थिक विकास के लिए चाहिए।

विकास और सीमा की सुरक्षा दोनों को साथ-साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। इसलिए सीमाओं की रक्षा करने वाले बलों पर जिम्मेदारी बहुत ज्यादा है। उन्हें चिरकाल तक सातों दिन चौबीसों घंटे सतर्क रहना है। उन्हें यह देखना है कि हमारा राष्ट्रीय हित और देश सुरक्षित है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि सीमाएं अहम हैं, क्योंकि वे हमारी संप्रभुता पारिभाषित करती हैं। जमीन पर जो कब्जा है वो अपना है, ▶9 पर

सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रीय पुलिस संगठनों को एक करना जरूरी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ण सुरक्षा और सुरक्षित सीमा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) को एक साथ जोड़ना जरूरी है। अजित डोभाल ने कहा कि सभी केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) की संयुक्तता बेहतर संचालन सुनिश्चित करेगी और इससे अधिक अखंडता भी आएगी। यहां तक कि राज्य पुलिस भी सीमा बलों की सहायता कर सकती हैं। हालांकि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कई सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अजित डोभाल के इस प्रस्ताव पर अपनी आपत्ति जताई। बीएसएफ के एक सेवानिवृत्त महानिरीक्षक ने कहा कि अगर सभी बलों को एक साथ ▶9 पर

48 घंटे में मतदान का डाटा वेबसाइट पर डालने की मांग सुप्रीम कोर्ट में खारिज

कुछ स्वार्थी तत्व कामकाज में अड़ंगा डालने के लिए ऐसी हरकतें करते हैं: आयोग

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वेबसाइट पर आकंड़े अपडेट करने के लिए कर्मचारियों को लगाना चुनाव आयोग के लिए मुश्किल है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी एक एनजीओ द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग प्रत्येक चरण की वोटिंग के 48 घंटे के भीतर मतदान का डाटा वेबसाइट पर अपलोड करे। साथ में याचिका में यह भी मांग की गई थी कि इस बारे में शीर्ष अदालत चुनाव आयोग को निर्देश दे।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अवकाश पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह फिलहाल ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं कर सकते क्योंकि पांच चरणों के मतदान सम्पन्न हो चुके हैं और दो चरण के मतदान बाकी हैं। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग के लिए अपनी वेबसाइट पर मतदान डाटा अपलोड करने के लिए कर्मचारियों को लगाना मुश्किल होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई को चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि याचिका पर जवाब देने के लिए चुनाव आयोग को कुछ समय दिया जाना चाहिए। इसके बाद चुनाव आयोग ने एक हलफनामा दाखिल किया।

आयोग ने अदालत से याचिकाकर्ता के हलफनामे को खारिज करने की मांग की और कहा कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व कामकाज को बदनाम करने के लिए और उसमें अड़ंगा लगाने के लिए आयोग पर झूठे आरोप लगाते रहते हैं।

ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य में जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है। इस फैसले से नाराज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को ऐलान किया कि उनकी सरकार हाईकोर्ट के आदेश कोस सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।

दक्षिण चौबीस परगना जिले के सागर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार गर्मी की छुट्टियों के बाद ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा, हम ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द करने के आदेश को स्वीकार नहीं करते हैं। हम गर्मी की छुट्टियों के बाद आदेश के

खिलाफ ऊपरी अदालत जाएंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिया गया अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा बुधवार को रद्द कर दिया था। इससे लोकसभा चुनाव के बीच में राजनीतिक बहस छिड़ गई। अदालत ने कहा था कि मुसलमानों के 77 वर्गों को पिछड़ा वर्ग श्रेणी की सूची में शामिल करना उनके साथ वोट बैंक की तरह बर्ताव करना है। ममता बनर्जी ने चुनावी रैली में अपने संबोधन में मतदाताओं से आग्रह किया कि वे तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर भाजपा या किसी अन्य पार्टी को एक भी वोट न दें।

हाईकोर्ट ने साफ किया था कि इस फैसले के दिन से ही रद्द प्रमाणपत्रों का किसी भी रोजगार प्रक्रिया में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इससे करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र अमान्य हो जाएंगे। जस्टिस तपोव्रत चक्रवर्ती और जस्टिस राजशेखर मंथा की पीठ ने हालांकि यह भी कहा था कि इन प्रमाणपत्रों से जिन उम्मीदवारों को पहले मौका मिल चुका है, उन पर फैसले का असर नहीं होगा। हाईकोर्ट का आदेश सिर्फ तृणमूल सरकार में जारी ओबीसी प्रमाणपत्रों पर प्रभावी होगा। हाईकोर्ट का आदेश 2012 के मामले में आया। पीठ ने कहा था कि 2010 के बाद जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र बनाए गए, वे कानून के मुताबिक नहीं हैं। विधानसभा को तय करना है कि अन्य पिछड़ा वर्ग में कौन होगा। प. बंगाल पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ओबीसी की सूची निर्धारित करेगा। सूची को विधानमंडल को भेजा जाना चाहिए। जिनके नाम विधानसभा से अनुमोदित किए जाएंगे, उन्हें भविष्य में ओबीसी माना जाएगा।

शेयर मार्केट

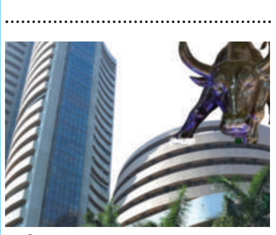

बीएसई : 75,410.39
-7.65 -0.01% ↓

एनएसई :22,957.10
-10.55 (-0.05%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

छठे चरण का मतदान आज — मेनका से महबूबा तक और बब्बर से खट्टर तक कई हैं मैदान में

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पांच चरण के मतदान की प्रक्रिया पूरी हो गई है। छठे दौर में आठ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों के लिए 25 मई को वोटिंग होनी है। इन प्रदेशों से कुल 889 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। छठे चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 15 है। जिन उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर है उनमें मेनका गांधी, मनोहर लाल खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान, महबूबा मुफ्ती, राज बब्बर, दिनेश लाल निरहुआ, मनोज तिवारी समेत कई हाई-प्रोफाइल चेहरे शामिल हैं। इनके साथ ही राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर जैसे मंत्रियों की किस्मत भी शनिवार को ईवीएम में कैद हो जाएगी।

मेनका गांधी के कारण उत्तर प्रदेश की सुल्तानपुर लोकसभा सीट चर्चित सीट बनी हुई है। शुरुआत में मेनका गांधी को लेकर संशय बना हुआ था कि

सुल्तानपुर से भाजपा मेनका को ही मौका देगी या किसी अन्य चेहरे को। पीलीभीत में मेनका के बेटे वरुण गांधी का टिकट काट दिया गया था। इस चुनाव में भाजपा नेता के सामने सपा ने पूर्व विधायक रामभुआल निषाद को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं बसपा ने जिला पंचायत सदस्य उदयराज वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भाजपा से मेनका गांधी जीती थीं। उस चुनाव में यहां 56.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। यूपी में आजमगढ़ सीट फिल्म अभिनेता दिनेश यादव निरहुआ बनाम धर्मेंद्र यादव के कारण चर्चा में है। देश की हॉट सीटों में शामिल आजमगढ़ में भी छठे चरण में मतदान है। यहां मुलायम सिंह यादव के भतीजे और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव सपा के टिकट पर मैदान में हैं। वहीं, भाजपा ने भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ पर भरोसा जताया है जो आजमगढ़ के मौजूदा सांसद भी हैं। बसपा ने मशहूद अहमद को मैदान में उतारकर मुकाबले को रोमांचक बनाने की कोशिश की है। सपा हर हाल में इस सीट पर काबिज होना चाहती है, तो भाजपा 2022 के उपचुनाव में मिली जीत को बरकरार रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। नाक की लड़ाई बन चुकी इस सीट पर दो बड़े चेहरों की भिड़ंत है। 2019 के चुनाव में आजमगढ़ सीट पर सपा के अखिलेश यादव जीते थे लेकिन 2022 में विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्होंने सांसदी से इस्तीफा दे दिया था। 2019 में आजमगढ़ में 57.56 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। मनोज तिवारी बनाम कन्हैया कुमार के कारण उत्तर पूर्वी दिल्ली की लोकसभा सीट चर्चा में है। ▶9 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,120/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,200/-
(प्रति किलोग्राम)

जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स 2024 में खिलाड़ियों का उमड़ा हुजूम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में शानदार आगाज के साथ देश भर से आए खिलाड़ियों का हुजूम उमड़ पड़ा। माहौल उमंग, आशा और आश्चर्य से भरा हुआ था। खिलाड़ियों का चेहरा पादुकोण अकादमी देख खिल गया। सभी अपने-अपने पसंदीदा खेल के मैदान पर दौड़े जा रहे थे। कहीं एक गेंद उछल रही है तो कहीं एक ओर स्कोर के बाद जयकार और कराह उठती दिखी। हंसी की किलकारियां गूंज रही थी। यह रौनक दिखी जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ एवं केकेजी जोन के तत्वावधान में आयोजित जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स 2024 में। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की मेजबानी में नेशनल का सपना पूरा हो रहा है। एपेक्स के पदाधिकारी इस बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले खेल उत्सव का हिस्सा बने। जीतो एपेक्स के चेयरमैन सुखराज नाहर ने सभी सदस्यों के कार्य शैली की हौंसलाफजायी की और कहा कितने-कितने कार्यकर्ता लगते है तब कोई सफल आयोजन हो पाता है। बहुत सौभाग्य की बात है की सभी जीतो के लिए कदम से कदम बढ़ाकर कार्य कर रहे है। सभी बधाई के पात्र है। सभी खिलाड़ियों को स्वस्थ प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएँ दी। जीतो एपेक्स अध्यक्ष कांतिलाल ओसवाल ने सभी खिलाड़ी बच्चों से कहा कि एक ऐसा सशक्त मंच मिला है जहां आपको अपनी प्रतिभा को उजागर करने का मौका मिलेगा। श्रमण आरोग्यम के चेयरमैन विनोद दूगड़ ने खेल को खूब मस्ती-मौज के साथ खेलने की प्रेरणा दी। बेंगलूरु जीतो के संस्थापक तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि हार या जीत मायने नहीं रखती, खेल में भाग लेना ही बड़ी बात है। बेंगलूरु चैप्टर सदा सबके लिए प्रेरणा रहा है और अपने हर कार्य से नंबर वन रहा है और रहेगा। जीतो एपेक्स स्पोर्ट्स संयोजक विक्रम जैन, विशाल चण्डालिया, विक्की ओसवाल एवं विजय गोलचा ने कहा कि खेलो इंडिया के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को खेलने के लिए प्रेरणा मिलेगी। बच्चे खेलेंगे तो स्वस्थ रहेंगे और अच्छा पढ़ेंगे तथा देश की सेवा करेंगे। मुख्य ध्येय हमारा सपना-ओलम्पिक्स में मेडल हो अपना। यह सपना साकार इन खिलाड़ियों के माध्यम से होगा। खेलों से नियम पालन के स्वभाव का विकास होता है और मन एकाग्र होता है। जीतो एपेक्स के वाइस चेयरमैन राजेंद्र छाजेड ने भी विचार व्यक्त किए। केकेजी जोन के चेयरमैन अशोक सालेचा ने कहा कि बेंगलूरु नॉर्थ की मेजबानी में नेशनल का सपना पूरा हो रहा है। इस बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले खेल जीतो के 17 वर्ष के इतिहास में बेंगलूरु में पहला जीतो राष्ट्रीय खेल आयोजित होने जा रहा है। बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए इस आयोजन में जुड़े सभी प्रायोजकों का अभिनंदन किया। नेशनल स्पोर्ट्स संयोजक राजेश मेहता ने सभी प्रायोजकों का स्वागत-सत्कार किया एवं सभी का स्मृति चिन्ह द्वारा अभिनंदन किया। स्पोर्ट्स संयोजक टर्म ने नेशनल स्पोर्ट्स में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, चेस, लॉन टेनिस, स्विमिंग आदि मिलाकर छ: खेल प्रतियोगिता में 7 जोन के 40 से अधिक चैप्टर, लगभग 450 से अधिक खिलाड़ियों का मार्च पास्ट करवाया। महामंत्री सुधीर गादिया एवं सिद्धार्थ पटवा ने संचालन करते हुए खिलाड़ियों के चयन पर प्रकाश डाला। ज्ञातव्य है कि नेशनल स्पोर्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखराज नाहर ग्रुप द्वारा पॉवर्ड बाई, इस खेल के टाइटल प्रायोजक एस्टेट्स-संभव-सम्राट के बोहरा परिवार, जर्सी प्रायोजक अरिहंत ग्रुप ऑफ कंपनिस, ओसवाल ग्रुप द्वारा भोजन, रमेश हरण द्वारा अवार्ड, स्वामित्व द्वारा बैडमिंटन पवेलियन, शाह ग्रुप द्वारा चेस एवं टेबल टेनिस पवेलियन, अदिश्वर द्वारा टेनिस पवेलियन, सामर कैमिकल द्वारा स्विमिंग पुल पवेलियन, आरपीपीएल द्वारा एथलेटिक्स गेम्स पवेलियन प्रायोजित है। इसके अलावा के के अलायंस मीडिया प्रायोजक, एटम न्यूट्रीशन प्रायोजक, हेल्थ और वेलनेस के प्रसन्ना ग्रुप, वैभव ग्रुप द्वारा स्पोर्ट्स किट प्रायोजित है। कार्यक्रम का स्थान पदुकोण - द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस है।

इनकी रही उपस्थिति

इस मौके पर आयोजन टीम से विक्की ओसवाल, संजय सिसोदिया, राजेश एस मुथा, सुधीर गादिया, विजय सिंघवी, विमलेश भंडारी, सिद्धार्थ पटवा, राजन जैन, बिंदु एम रायसोनी एवं खेल आयोजन की टीम सिद्धार्थ बोहरा, अमित मेहता, नितेश गांधी, अरुण भंसाली, शेकर चाणोदिया, अरविंद तपरावत, टिना खांटेड़, अक्षय दक, महावीर जैन, आशीष तपरावत, भोजन, हेल्थ वेलनेस समिति में अशोक भंडारी, राजकुमार सोलंकी, महेंद्र सोलंकी, मिश्रीमल कटारिया उपस्थित थे। प्रारंभ ने तिरंगे को सलामी देते हुए सभी ने राष्ट्रगान के साथ खेल का उद्घाटन किया। नवकार मंत्र का संगान हुआ। खेल संयोजक विमलेश भंडारी ने व्यवस्था कार्यभार सम्भाला। सुबह से ही खिलाड़ियों का आवागमन जारी रहा। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर भीड़ का ताँता लगा रहा। हर एक खिलाड़ी एक दूसरे से उत्साह के साथ मील रहे थे। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध संचालक प्रियंका लाल ने किया। धन्यवाद महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने व्यक्त किया।

मोटिवेशनल स्पीकर ने खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व प्रसिद्ध कहानीकार एवं मोटिवेशनल स्पीकर शांतिलाल गोलेछा-मुंबई ने जीतो नेशनल स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों को जीवन मूल्यों पर प्रेरणादायी कहानियाँ एवं तथ्य बता कर प्रोत्साहित किया। गोलछा ने कई विश्व विजेता खिलाड़ियों की कहानी साझा की। विशेषकर ब्रुसली, माइक फिलिप्स, क्रिस्टियनों रोनाल्डों के सफल सफर की कहानियों को सुनाते हुए बच्चों को नैतिक मूल्य सिखाए। उन्होंने सहायक मानसिकता विकास, सहयोग, साहस, जिम्मेदारी, दृढ़ता, आत्मसम्मान, उदारता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की प्रेरणा दी। इस मौके पर जीतो एपेक्स के वाइस चेयरमैन राजेंद्र छाजेड और केकेजी जोन के चेयरमैन अशोक सालेचा ने भी विचार व्यक्त किए। बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए इस आयोजन में जुड़े सभी प्रायोजकों का अभिनंदन किया। उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक राजेश मुथा ने रजिस्ट्रेशन काउंटर, खेल व्यवस्था, मंच व्यवस्था, आवास-निवास व्यवस्था, मंच, भोजन आदि विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं सहयोगी टीम को अलग-अलग पवेलियन का कार्यभार दिया। स्पोर्ट्स संयोजक विमलेश भंडारी ने स्वागत-सत्कार किया। कार्यक्रम संचालन महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी एवं धन्यवाद अरविंद टपरावत ने व्यक्त किया। द्वितीय सत्र का आयोजन नेशनल खेल प्रतियोगिता महाकुंभ से प्रारंभ हुआ। बैडमिंटन में 9 वर्ष की आयु से लेकर 20 वर्ष की आयु के 140 लड़के, 40 लड़कियों ने एकल एवं डबल श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की। जिसमें रियान जैन का प्रदर्शन शानदार रहा।

लॉन टेनिस में 12 वर्ष की आयु से लेकर 18 वर्ष की आयु तक के 50 खिलाड़ी लड़के एवं 18 लड़कियों के बीच कड़ी प्रतियोगिता चल रही है। 12 वर्ष से 20 वर्ष की आयु वाले शतरंज में 94 लड़के और 46 लड़कियों ने प्रतिस्पर्धा की। दिव्यांग श्रेणी में नेशनल चैंपियन शतरंज की खिलाड़ी 14 वर्षीय 9वीं कक्षा की छात्रा मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी नामक रोग से ग्रसित उज्जैन की चार्वी मेहता ने अपने संघर्ष की कहानी साझा की। उसका सपना है की भारत का तिरंगा और राष्ट्रगान विश्व के हर कोने में गुंजायमान हो।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एआईटी बॉयज द्वारा नागरभावी स्थित खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता पुनीत राजकुमार कप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

राज्य भर में पूर्वी मानसून का प्रकोप

उत्तरी कर्नाटक में बिजली गिरने से दो की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य भर में प्री-मानसून बारिश जारी रहने के बीच, उत्तरी कर्नाटक में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। बेलगावी जिले में गुरुवार शाम से गरज के साथ भारी बारिश हुई। इसी बीच रायभागा शहर में एक खेत में गन्ना बोते समय बिजली गिरने से शोभा कृष्ण कुलगोडे (45) नामक एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। खबर सुनने के तुरंत बाद, रायभागा पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। एक अन्य घटना में, हुक्केरी तालुक के हेब्बल गांव में बिजली गिरने से किसान गुरु पुंडालीका (35) की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका बेल-गावी शहर में एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बिजली गिरने से एक पेड़ के नीचे खड़े 12 भेड़ों की मौत हो गई। यादगिरी जिले में ओलावृष्टि के साथ भारी बारिश हुई और शहर में सैकड़ों विशाल पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। कस्बे के माता मणिकेश्वरी बरंगे में बिजली के खंभे गिरने से घर की छत उड़ गई, बिजली कनेक्शन कट गया और पूरी रात अंधेरे में गुजरी। यादगिरी पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर में पानी घुस गया और यह कीचड़ के गड्ढे में तब्दील हो गया। हुब्बल्ली, धारवाड़, बीजापुर, रायचूर, यादगिरी, हम्पी, कोप्पल और अन्य स्थानों पर भारी बारिश हो रही है और नाले उफान पर हैं। एक तरफ अन्नदाता खुश हैं तो दूसरी तरफ बारिश ने भारी आफत मचा दी है। खड़ी फसलें पानी में डूब गई हैं और किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है।

व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र होगा ग्रोथ समिट : दिनेश बोहरा

ग्रोथ समिट हेतु समस्त जैन समाज के संघ संस्थाओं की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा आगामी 8-9 जून को आयोजित होने वाले जीतो ग्रोथ समिट में समस्त जैन समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये बेंगलूरु की समस्त जैन संघ संस्थाओं की एक बैठक आयोजित की गई। संभवनाथ भवन में आयोजित इस बैठक में संघ-संस्थाओं के लगभग 200 गणमान्यों ने भाग लिया। जीतो पदाधिकारियों एवं जैन समाज के गणमान्यों ने दीप प्रज्वलित कर बैठक की विधिवत शुरुआत की।

जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने सभी गणमान्यों का स्वागत किया। उन्होंने जीतो ग्रोथ समिट में सभी संघ-संस्थाओं को आमंत्रित करते हुए समिट के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीतो संपूर्ण जैन समाज का है और ग्रोथ समिट मुख्य रूप से व्यापार पर केंद्रित होगी।

भविष्य में तकनीक का उपयोग करके कैसे व्यापारिक बदलाव लाया जा सकता है इसकी झलक वहां देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि घर पर बनाये उत्पादों के प्रोत्साहन हेतु साधर्मिकों को दी जाने वाली निःशुल्क स्टालो का विवरण भी रखा। बोहरा ने बताया कि समिट में युवा व महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम, तकनीक का उपयोग कर जैन मंडप, सीए-डाक्टर-वकील आदि पेशेवरों के अलग-अलग मंडपों द्वारा पेशेवरों को एक मंच पर लाने के प्रयास भी होंगे। जीतो एपेक्स एडवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि कोरोना जैसे कठिन समय में जीतो ने ही आगे आकर 1000 से अधिक साधक परिवारों का हाथ थामा, तब से आजतक सैकड़ों परिवारों को निरंतर सहायता पहुँचाई जा रही है। उन्होंने समाज के गणमान्यों से आवास निवास जैसे जनहितैषी कार्यक्रमों में शामिल होकर समर्थन करने का आग्रह किया, जिसमें साधक परिवारों के लिए 875 फ्लैट बनाए गए हैं। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचंद सिंघवी ने जीतो के प्रशिक्षण केंद्रों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें 500 छात्र उत्तीर्ण हुए और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार में विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया।

उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में लड़कों, लड़कियों और यूपीएससी केंद्र के लिए जेएटीएफ छात्रावास की सुविधा है, जो छात्रों के मामले में भारत में सबसे बड़ा है। श्रमण आरोग्यम जैसी जीतो की पवित्र परियोजना जिसमें 14500 से अधिक गुरुवंत और साध्वीजी को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा उपचार का भी उन्होंने विवरण रखा। जीतो बेंगलूरु साउथ के महामंत्री दीपक श्रीश्रीमल ने शिखर सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2030 की प्रवृत्ति को प्रदर्शित करना के शिखर सम्मेलन का विषय तथा प्रौद्योगिकी और भविष्य में हमारे व्यवसाय में कैसे बदलाव आएगा, इस बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने गणमान्यों को जानकारी दी कि शिखर सम्मेलन में हम भविष्य 2030 का मंडप, जेएफपी राष्ट्रीय सम्मेलन, जीतो युवा महोत्सव, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, जैन मंडप और जैन गॉट टैलेंट आदि शामिल होंगे। उन्होंने सदस्यों को इस आयोजन के लिए गठित 15 कार्य समितियों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर श्री आदिनाथ श्वेताबर जैन संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने जीतो की पहल, विशेषकर श्रमण आरोग्यम और जीतो द्वारा की गई वैयावच्छ सेवा की सराहना की। अखिल भारतीय श्वेताबर स्थानव-ासी जैन कॉन्फ्रेंस के मुख्य सचिव सुरेन्द्र आंचलिया ने ग्रोथ समिट पहल की सराहना की और इस आयोजन के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। तेरापथ विजयनगर के अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने गुरु भगवंत और साध-वीजी की सेवा हेतु अधिक विहार धाम बनाने पर जोर दिया, जो 15 से 17 किलोमीटर की दूरी पर होने चाहिए। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक सेठी ने ग्रोथ समिट के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। जेवाईएस उपाध्यक्ष महावीर मूणोत ने ग्रोथ समिट आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इन लोगों की रही उपस्थिति

इस अवसर जीतो के शीर्ष निदेशक विनोद जैन, हितेश पा-लरेचा, साउथ उपाध्यक्ष उदय जैन, सचिव संजय भंडारी व श्रीपाल बछावत, प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ साउथ महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी, उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी, युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता, महामंत्री संदीप पगारिया, जैन समाज कनेक्ट के समिति सदस्य सीए राजेश मेहता, सज्जाराज मेहता, महावीर दांतेवाडिया, महेंद्र दांतेवाडिया, विनोद नंदावत, अमित जैन, रूपचंद कुंभट, मदन मूणोत, रितेश पालरेचा, सुश्रुत चेलावत, महेंद्र बैद और महावीर गुन्देचा भी उपस्थित थे।

वैशाख पूनम मेला आयोजन हुआ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में वैशाख पूनम मेला का आयोजन किया गया। जिसमें दुर दराज से पधारे श्रद्धालुओं की भीड उमड़ी। सादडी निवासी हाल कडुर वासी मंजुलाबाई स्व. पोपटलाल तलेसरा परिवार ने संपूर्ण मेले का लाभ लेते हुए संघ यात्रा का आयोजन किया। प्रात कुंभ स्थापना के पश्चात प्रारंभ हुए कार्यक्रम में तुषार गुरु ने पार्श्व भैरव महापूजन पढाई। संभव संगीत मंडल के मधुर संगीत के बीच सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ स्थानीय हेमा कोठारी ने भक्ति गीतों की लहर फैलाकर उपस्थित जन सैलाब को झुमाते हुए नाचने पर मजबूर किया। मेला परंपरागत लाभार्थी परिवारों द्वारा भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाने का कार्य बड़े हर्षोल्लास के साथ जयकारों के बीच किया। इस अवसर पर बेंगलूरु से राष्ट्रीय पार्श्व भैरव भक्त परिवार ने रेल यात्रा का आयोजन किया। आयोजन के समापन पर ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना, मांगीलाल मेहता, रमेश कटारिया एवं डॉ.विजय कुमार सुराना ने मेला लाभार्थी परिवार का बहुमान कर उन्हे धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर रमेश परमार, अमृतलाल मेहता, मदनलाल, महावीर पीपाडा, संपतराज बंबकी, प्रवीण परमार, महेंद्र जीरावला, विनोद मुणोत, श्रीपाल गांधी, चेतन बलगट सहित अनेक गणमान्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भाजपा 28 मई को बेंगलूरु में अराजकता के खिलाफ करेगी विरोध प्रदर्शन: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि भाजपा 28 मई को बेंगलूरु में अराजकता के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। उन्होंने बेंगलूरु के मुद्दों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में अपने नेतृत्व में आयोजित एक बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर की समस्याओं के समाधान के लिए वह हर वार्ड में भाजपा की ओर से संघर्ष करेंगे। भाजपा बेंगलूरु शहर के लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल नाम-पुकारने का संघर्ष नहीं है। समस्या का समाधान चाहिए, संघर्ष जीतना चाहिए। उन्होंने समझाया कि इस संबंध में संघर्ष किया जायेगा। शहर के सभी विधायकों, पूर्व विधायकों और पूर्व पार्षदों की बैठक हुई। हमने बेंगलूरु शहर में हो रही अराजकता पर चर्चा की। जब सिर्फ दो दिनों की बारिश हुई तो बेंगलूरु की सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए अवरुद्ध हो गईं। बेंगलूरु शहर में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले लोग हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में नई सरकार आने के बाद एक साल में बेंगलूरु शहर के विकास के लिए एक रुपया भी नहीं दिया गया है। इस राज्य सरकार ने संपत्ति कर, मोटर वाहन कर सहित सभी करों में वृद्धि की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के लोगों को कोई फायदा नहीं मिल रहा है। सड़कें गड्ढों से भरी हैं। कूड़ा निस्तारण भी ठीक से नहीं होता। उन्होंने कहा कि हालांकि बेंगलूरु में सबसे ज्यादा मंत्री हैं, लेकिन यह वाकई त्रासदी है कि कोई भी इस शहर के विकास के बारे में नहीं सोच रहा है। इस मौके पर विपक्षी नेता आर. अशोक, पूर्व मुख्यमंत्री डी. वी. सदानंद गौड़ा, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री के. गोपालैय्या, प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री बैराती बसवराज, सांसद पीसी मोहन, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया, विधायक एस. मुनिराजू, सी.के. राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, प्रदेश संगठन महासचिव जी.वी. राजेश उपस्थित थे।

राज्य की कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु शहर के विकास के लिए एक पैसा भी जारी नहीं किया: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु शहर के विकास के लिए एक पैसा भी जारी नहीं किया है। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने फोटो शो करने के अलावा कुछ नहीं किया है। करीब एक माह पहले कमिश्नर ने बयान दिया था कि उन्होंने बारिश से संबंधित हर काम कर लिया है। अगर निगम ने सारी तैयारियां कर ली थीं तो सीएम को वहां का दौरा करने का विचार क्यों आया। क्या राज्य सरकार दिवालिया हो गयी है? इससे पहले येदियुरप्पा ने एक साल में 7 हजार करोड़ का विशेष अनुदान दिया था। बसवराज बोम्मई द्वारा 6,700 करोड़ जारी किए गए। उन्होंने उन्हें यह बताने की चुनौती दी कि उन्होंने कितना योगदान दिया है। उन्होंने सवाल किया कि राजकुलावे की मरम्मत और लाखों गड्ढों की मरम्मत के लिए आपने कितना पैसा दिया है। ठेकेदार को बिल चुकाने के लिए पैसे न मिलने पर ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने पूछा कि इस स्थिति में राज्य सरकार की क्या भूमिका है। राज्य सरकार कितना पैसा जारी करेगी? गड्ढा कब बंद करोगे? उन्होंने कहा कि पीने के पानी के बिना बेंगलूरु की गरिमा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीलाम हो गई है। आपने ब्रांड बेंगलूरु के नाम पर कितना भुगतान किया? बिना बिल मिले कूड़ा बीनने वालों को परेशानी हो रही है। कूड़े के ढेर लगे हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोग भी पूछ रहे हैं कि बेंगलूरु टैक्स हमारा अधिकार है। उन्होंने पूछा कि क्या बेंगलूरु ब्रांड खत्म हो गया है या नहीं और मांग की कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा इसके खिलाफ 28 तारीख को फ्रीडम पार्क में बड़ी लड़ाई लड़ेगी।

एमयूवी के पलट जाने से चार की मौत, छह घायल

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए तीन परिवारों को हावेरी से तिरूपति ले जा रहा एक मल्टी-यूटिलिटी वाहन (एमयूवी) गुरुवार की आधी रात हावेरी जिले में रानेबेन्नूर के पास पलट गया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। यह दुर्घटना हेल अंतरावल्ली अंडरपास के पास हुई जब कथित तौर पर चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप एमयूवी पलट गई और सर्विस रोड पर जा गिरी।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की राणेबेन्नूर के एक अस्पताल में मौत हो गई। दो घायल व्यक्तियों का इलाज राणेबेन्नूर में किया जा रहा है, जबकि चार अन्य को आगे के इलाज के लिए दावणगेरे स्थानांतरित कर दिया गया है। मृतकों में 48 वर्षीय सुरेश वीरप्पा जड़ी, 22 वर्षीय ऐश्वर्या इरप्पा बरकी, 7 वर्षीय चेतना समांगडी और 28 वर्षीय पवित्रा प्रभुराज समांगडी हैं, जो सभी हावेरी के अश्विनी नगर के निवासी हैं। जादी, समांगडी और बरकी परिवार गुरुवार रात करीब 11 बजे हावेरी से चले थे। घायलों में से एक होनप्पा बर्की द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, ड्राइवर चन्ना-वीरेश जादी ने झपकी आने के बाद वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप एमयूवी सड़क से उतर गई और पलट गई। दुर्घटना के तुरंत बाद, वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों के चालकों ने घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। राणेबेन्नूर ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

राज्य में कानून-व्यवस्था अच्छी है

भाजपा सरकार के दौरान उत्पीड़न के कारण निवेशकों ने छोड़ा राज्य : शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था अच्छी है, भाजपा सरकार के दौरान उत्पीड़न के कारण निवेशकों ने राज्य छोड़ दिया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को अपने इन आरोपों पर शर्म आनी चाहिए कि कारोबारी कर्नाटक के बजाय पड़ोसी राज्यों में निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने चुनौती दी है कि पहले दस्तावेजों का सत्यापन किया जाए। देखिए, भाजपा राज में कितने बिजनेसमैन प्रताड़ना के कारण राज्य छोड़कर चले गए, कांग्रेस सरकार आने के बाद खूब निवेश हुआ। हमारी सरकार के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे,

इन दोनों ने अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव आचार संहिता खत्म होने के बाद हम दिखाएंगे कि प्रदेश में कितने लोगों ने निवेश किया है। कर्नाटक राज्य विश्व स्तर पर विकास और शांति के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से बेंगलूरु का अपना विशेष दर्जा है, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने प्रज्वल रेवन्ना को एक खुला पत्र लिखा और उन्हें भारत लौटने का सुझाव दिया, जो कि एक पारिवारिक मामला है। उन्होंने कहा मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई द्वारा की गई आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्हें जो चाहिए वह आलोचना करने दें। उन्होंने कहा कि हम जनता के साथ हैं और जनता हमारे साथ है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने चेतावनी देते हुए कहा था कि प्रज्वल रेवन्ना जहां भी हों आएं, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करें और मुकदमे का सामना करें। इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले गौड़ा ने कहा मैं यह बात बिना किसी बहाने या अनुमति के कह रहा हूं। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि यह मेरी उन्हें चेतावनी है। यदि वह इस चेतावनी पर ध्यान नहीं देते हैं, तो उन्हें सख्त चेतावनी दी जाती है कि उन्हें मेरे और पूरे परिवार के क्रोध का सामना करना पड़ेगा। प्रज्वल द्वारा की गई कथित गलतियों का निर्धारण करने के लिए कानून मौजूद है। लेकिन अगर उन्होंने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया, तो निस्संदेह वह अपने परिवार की नजरों में अकेले हो जाएंगे। यदि उनके मन में मेरे लिए कोई सम्मान है तो उन्हें तुरंत वापस आना चाहिए। उन्होंने कहा जब मैं 18 मई को मंदिर के लिए निकला तो मैंने प्रज्वल रेवन्ना के बारे में बात की। उन्होंने मुझे, मेरे परिवार, मेरे सहयोगियों, दोस्तों और पार्टी कार्यकर्ताओं को जो सदमा और दर्द दिया है, उससे बाहर आने और बात करने में मुझे कुछ समय लगा। यदि वह कानून के अनुसार दोषी है, जैसा कि मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है, तो उन्हें बहुत कड़ी सजा दी जानी चाहिए। मेरे इस रुख का मेरे बेटे और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने समर्थन किया है। पिछले कुछ हफ्तों में लोगों ने मेरे और मेरे परिवार के बारे में बहुत अपमानजनक बातें की हैं। मैं ये सब जानता हूं। मैं उन्हें बात करने से रोकने की कोशिश नहीं करता। मैं उनकी आलोचना भी नहीं करने जा रहा हूं। इसमें कोई दो राय नहीं कि उन्हें इस घोटाले के सारे तथ्य सामने आने तक धैर्यपूर्वक इंतजार करना चाहिए था।

राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर खड़े हो रहे सवाल

गृह मंत्री डॉ.जी.परमेश्वर का विभाग बदलने को लेकर चर्चा तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं और गृह मंत्री डॉ.जी.परमेश्वर का विभाग बदलने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पिछले एक साल से एक के बाद एक अप्रिय घटनाएं हो रही हैं। बेलगावी में सरकार गठन की शुरुआत में अंतरजातीय प्रेम के मामले में युवक के परिवार की महिला को निर्वस्त्र कर उसके साथ मारपीट की गयी। इसके बाद तट समेत कुछ जगहों पर दंगे के कुछ मामले सामने आए, लेकिन ये ज्यादा बड़ी समस्या नहीं बनी। मेंगलूरु में विधायक हरीश पूंजा पहले भी वन अधिकारियों से खुलेआम भिड़ चुके हैं। हाल ही में, उन्होंने पुलिस स्टेशन में धावा बोला और अवैध पत्थर खनन में अपनी पार्टी के कार्यकर्ता की संलिप्तता का बचाव करते हुए पुलिस को धमकी दी। हासन का पेन ड्राइव मामला सरकार की क्षमता के लिए चुनौती है। आम धारणा है कि विदेश में मौजूद प्रज्वल रेवन्ना को नियमों की आड़ में जानबूझकर बचाया जा रहा है। एक उदाहरण है जहां पहले राज्य पुलिस विदेश में छिपे एक अंडरवर्ल्ड अपराधी को गिरफ्तार करके ले आई थी। वहीं पेन ड्राइव मामले में गृह मंत्री ने यह कहकर लाचारी जताई कि एसआईटी अधिकारियों को विदेश जाने की इजाजत नहीं है। हुब्बल्ली में नेहा हिरेमथ और अंजलि और कोडागु में एसएसएलसी छात्रा

मीना की हत्या के मामलों ने नागरिक समाज को झकझोर कर रख दिया है। जनभावना पर कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं है कि आरोपियों को अधिकतम सीमा तक सजा मिलनी चाहिए। इसके अलावा आत्महत्या के भी कई मामले चर्चा में रहते हैं। अभिनेत्री और कांग्रेस कार्यकर्ता विद्या की मैसूरु में उनके पति ने बेरहमी से हत्या कर दी। सरकार कह रही है कि वह नशा मुक्त कर्नाटक बनाएगी। इसका मजाक उड़ाने के लिए, बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी में जन्मदिन की पार्टी के नाम पर सिंथेटिक दवाओं का उपयोग करके एक रेव पार्टी आयोजित की गई थी। डबासपेट में गुरुवार को एक टैंकर चालक ने केएसआरटीसी चालक को चाकू मार दिया। प्रदेश में ऐसा माहौल बना है, जहां चाकू-छुरी रखना और उपयोग करना बहुत आसान है। बेलगावी में क्रिकेट दंगे के मुद्दे पर दो गुटों के बीच संघर्ष शुरू हो गया, पथराव और सिर काटने की घटनाएं हुईं। आजकल मोबाइल और सीसीटीवी फुटेज की आसान उपलब्धता के कारण दंगे के मामले महिमामंडित हो रहे हैं। वे लोगों में चिंता पैदा कर रहे हैं। बेंगलूरु के चिक्कपेट में मारपीट का मामला और गदग में एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या समेत कई मामलों ने लोगों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है। आलोचनाएँ सुनी गई हैं कि सरकार हर चीज के लिए कानूनी मानदंडों पर व्याख्यान देने में समय बर्बाद कर रही है, और पुलिस मानवाधिकारों को बनाए रखने की आड़ में नरम रुख अपना रही है।

सरकार गठन की शुरुआत में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक ली और कुछ निर्देश दिये। इसके बाद आरोप लग रहे हैं कि कानून व्यवस्था मजबूत होने की बजाय कमजोर होती जा रही है। पुलिस अधिकारियों के तबादले में भ्रष्टाचार हो रहा है। गृह सचिव को बिना बताये अवांछित व्यक्ति हस्तक्षेप कर रहे हैं।

कड़क मंत्री को सौंपे जिम्मेदारी

विपक्ष इस बात की आलोचना कर रहा है कि पैसे देकर चौकी पर आने वाली पुलिस उसे वसूलने को प्राथमिकता दे रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की परवाह नहीं कर रही है। एक के बाद एक चल रहे मामले विपक्ष के आरोपों को बल देते नजर आ रहे हैं। इससे पहले भी आपराधिक कृत्य होते रहे हैं। लेकिन उन्हें रिकॉर्ड नहीं किया गया। सरकार ने हर पंजीकरण प्रणाली को सरल बनाया है। तकनीकी औचित्य चाहे जो भी हों, दरअसल लोगों में चिंता कम नहीं हो रही है। इसलिए, कांग्रेस के बाहरी इलाकों में मांग सुनी जा रही है कि परमेश्वर को गृह विभाग के बजाय अन्य जिम्मेदारियां दी जानी चाहिए और गृह विभाग के लिए एक कड़क मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए।

यौन उत्पीड़न मामला

एसआईटी हेल्पलाइन पर प्रज्वल रेवन्ना की 30 पीड़ितों के आए कॉल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स वीडियो मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) से 30 से अधिक पीड़ितों ने संपर्क किया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हालांकि, इस संबंध में कोई भी पीड़ित पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को तैयार नहीं है। पीड़ित इतने डरे हुए हैं कि सुरक्षा के आश्वासन के बाद भी वे औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी अधिकारी इस पर विचार कर रहे हैं कि इस संबंध में कैसे आगे बढ़ना है। एसआईटी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ितों के लिए एक हेल्पलाइन स्थापित की है। इस बीच, एसआईटी ने भवानी रेवन्ना (प्रज्वल रेवन्ना की मां) के ड्राइवर अजित को नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों को संदेह है कि अजित ने पीड़ितों में से एक का वीडियो बनाया था, जिसे जद (एस) विधायक एचडी रेवन्ना (प्रज्वल रेवन्ना के पिता) ने कथित तौर पर अपहरण कर लिया था, जो उसे यह बयान देने के लिए मजबूर कर रहा है कि उसका यौन उत्पीड़न नहीं किया गया था। एसआईटी सूत्रों ने दावा किया कि एसआईटी के अधिकारियों द्वारा उसे बचाए जाने से पहले अजित ने वीडियो रिकॉर्ड किया था और बाद में इसे वायरल कर दिया गया था। हालांकि एसआईटी ने उन्हें अपने सामने पेश होने के लिए दो नोटिस जारी किए थे, लेकिन वह पूछताछ के लिए नहीं आए। अब, अधिकारियों ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। हाल ही में, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक और पत्र लिखकर हासन के मौजूदा सांसद प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने की मांग की थी, जो सेक्स वीडियो मामले में मुख्य आरोपी हैं। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एफआईआर में बलात्कार, यौन उत्पीड़न, महिलाओं को निर्वस्त्र करने और पीड़ितों को धमकी देने के लिए यौन कृत्यों की जबरन वीडियोग्राफी करने के आरोप शामिल हैं। इस बीच पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने गुरुवार को अपने भगोड़े पोते को कड़ी चेतावनी दी है। देवेगौड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा था मैंने प्रज्वल रेवन्ना को चेतावनी जारी की है कि वह जहां भी हैं वहां से तुरंत लौट आएं और खुद को कानूनी प्रक्रिया के अधीन कर लें। उन्हें मेरे धैर्य की और परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।

स्वाति मालीवाल पर हमले का मामला

अभियुक्त विभव कुमार जेल भेजे गए

दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मामले में शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी विभव कुमार की दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में पेशी हुई। पेशी से पहले विभव कुमार का मेडिकल हुआ। सुनवाई के दौरान विभव कुमार को कोर्ट ने चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब उसे 28 मई तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। बीती 18 मई को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।

बीती 19 मई को स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में तीस हजारी अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार को पांच दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया था। विभव कुमार के वकील ऋषिकेश कुमार ने बताया था कि पुलिस ने सात दिनों की रिमांड मांगने के लिए आवेदन दायर किया था जिसमें से पांच दिनों की रिमांड दी गई। अदालत ने बीते शनिवार को कहा था कि राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमला करने के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका निरर्थक हो गई है, क्योंकि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। विभव कुमार को सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के दो दिन बाद शनिवार की शाम को गिरफ्तार किया गया।

आम आदमी पार्टी (आपा) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास पर हुए कथित हमले और बदसलूकी मामले पर सीएम अरविंद केजरीवाल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि वह मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं। न्याय होना चाहिए। इससे एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल एक साक्षात्कार में अपने साथ हुई 13 मई की घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि घटना के दिन अरविंद केजरीवाल दूसरे कमरे में थे। मेरी पिटाई हुई मैं चीखती रही लेकिन वह बाहर नहीं आए। यही नहीं आज तक अरविंद केजरीवाल ने मुझे एक फोन भी नहीं किया। स्वाति ने एक साक्षात्कार में कहा, 13 मई को सुबह करीब 9 बजे मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके आवास पर गई। स्टाफ ने मुझे ड्राइंग रूम में बैठने के लिए कहा और बताया कि अरविंद घर पर हैं और वह मुझसे मिलने आ रहे हैं। इसके बाद अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार आक्रामक स्थिति में आए।

पहलगाम में हाउसफुल हाउसबोट

आतंकियों के मुंह पर तमाचा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 मई।

पांच दिन पहले जब आतंकियों ने पहलगाम में जयपुर से आए पर्यटकों पर हमला कर दो को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया तो कश्मीरियों को लगने लगा था कि उन्हें फिर से बुरे और भूख से भरे दिन देखने होंगे। लेकिन डल झील में हाउसफुल चल रहे हाउसबोटों और शिकारों ने उनके इस डर को काफूर कर दिया है। यह आतंकियों के मुंह पर करारे तमाचे की तरह है।

जम्मू कश्मीर में बढ़ते तापमान के बीच कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में तेजी देखी जा रही है। डल झील और आस-पास के इलाकों में सभी हाउसबोट खचाखच भरे हुए हैं। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से पर्यटकों को लगभग हर दिन डल झील और आस-पास के इलाकों में आनंद लेते देखा जा सकता है, जो यहां पर्यटकों की संख्या में वृद्धि का संकेत देता है। शिकारा एसोसिएशन के अध्यक्ष वली मोहम्मद ने बताया कि कश्मीर में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, लेकिन आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या में और बढ़ौतरी की उम्मीद है।

वे कहते हैं कि भीड़ बढ़ेगी क्योंकि बाहर के लोग चुनाव में व्यस्त हैं और जल्द ही यहां पहुंचने वाले हैं। उनका यह भी दावा था कि कश्मीरी अब आतंकियों से डरने वाले नहीं हैं क्योंकि पेट की भूख के आगे वे उनसे भी अब दो दो हाथ करने को तैयार हैं।

कश्मीर हाउसबोट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजूर अहमद पख्तून कहते हैं, यह पर्यटन के लिए अहम मौसम है क्योंकि बाहरी राज्यों में छुट्टियां होती हैं और लोग विशेष रूप से इस अवधि के दौरान कश्मीर का दौरा करते हैं, जो मई से शुरू होता है। पख्तून भी कहते हैं कि हमारे हाउसबोटों में पर्यटकों की अच्छी भीड़ है और हमें उम्मीद है कि यह और बढ़ेगी।

एक हाउसबोट के मालिक गौहर अहमद ने कहा कि वर्तमान में सभी हाउसबोट खचाखच भरे हुए हैं। जिन लोगों को हाउसबोट बुक करनी है, उन्हें एक महीने पहले इसकी पुष्टि करनी होगी, क्योंकि इस बार सभी हाउसबोट पैक हो चुके हैं। जम्मू और कश्मीर, विशेष रूप से घाटी में पिछले कुछ वर्षों से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है और सरकार ने कहा है कि इस वर्ष भी रिकार्ड तोड़ पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

लेफ्टिनेंट जनरल के बेटे को प्रत्याशी बना कर किया सुरक्षा बलों का सम्मान

सेनाधिकारी के बेटे को जिता कर देश का सम्मान करें : योगी

पथरदेवा में देवरिया लोकसभा क्षेत्र के लिए जनसभा को किया संबोधित

देवरिया, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज अयोध्या में रामलला अपने दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान हो गये हैं। वहीं कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। समाजवादी पार्टी ने अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थी। कांग्रेस के एक बुद्धिदाता कहते हैं कि भारत में राम मंदिर का निर्माण नहीं होना चाहिये। ये सब रामद्रोही और राष्ट्रद्रोही हैं। इनको जवाब देने का वक्त आ गया है क्योंकि देश में बिना प्रभु श्रीराम के कोई काम ही नहीं होता है। पिछले दस वर्षों में देश में जो विकास और विरासत का सम्मान हुआ है, उसके असली हकदार जनता जनार्दन है। आपके वोट की ताकत से ही आज दुनिया नये भारत का दर्शन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंच प्रण में सुरक्षाबलों के सम्मान की बात भी कही थी। इसी के तहत मोदी सरकार ने देवरिया लोकसभा क्षेत्र से लेफ्टिनेंट जनरल प्रकाश मणि त्रिपाठी के पुत्र शशांक मणि त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया है। अब आप इनको जीता कर सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाना है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पथरदेवा के देवरिया लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले देवरिया को लेकर पिछली सरकारों की सोच संकुचित थी। यही वजह था कि उन्होंने देवरिया के विकास को लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन आज देवरिया विकास की नई गाथा लिख रहा है। यहां पूज्य देवराहा बाबा के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। वहीं बगल में कृषि विश्वविद्यालय बना रहा है। पहले जून समाप्त होते ही इंसेफेलाइटिस को लेकर हर घर में एक विचलन पैदा होती थी, लेकिन हमने इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। सीएम योगी ने कहा कि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास के तहत काम कर रही है। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन अनर्थकारी है क्योंकि जब यह बनता है तो देश और प्रदेश में आतंकवादी घटनाएं होती है। यह हर बार नया ब्रांड लेकर आ जाते हैं, लेकिन माल पुराना ही है। इनसे सावधान रहना है। यह झूठ बोलकर आपको गुमराह कर रहे हैं कि भाजपा आरक्षण खत्म कर देगी। सीएम योगी ने कहा कि आपको बता दें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान किया है। उनके पंच तीर्थ का निर्माण मोदी सरकार में हुआ है। भाजपा के समर्थन से ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न से नवाजा गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है कि भाजपा के रहते अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के आरक्षण को कोई समाप्त नहीं कर सकता है। वहीं कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के कारनामे जनता जनार्दन से छिपे नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में इंडी गठबंधन की प्रमुख घटक टीएमसी ने वहां ओबीसी आरक्षण में सेंधमारी कर मुसलमानों को दे दिया। इस पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने उसे रोक दिया और सभी प्रमाण पत्र खारिज कर दिये हैं। यह कोई पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कांग्रेस यह प्रयास कर चुकी है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के विरोध के चलते सफल नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि यह देश विरोधी हैं। इन्होंने पहले देश के संविधान के साथ खिलवाड़ किया फिर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को चुनाव हरा कर उनका अपमान किया। इतना ही नहीं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सम्मान के विरुद्ध जा करके कश्मीर में धारा 370 लगाई। इसके बाद भारत के संविधान का गला घोंटने के लिए 1975 में देश में इमरजेंसी लगा दी।

कांग्रेस राज में सुबह भ्रष्टाचार, शाम को होते थे आतंकी धमाके : योगी

बांसगांव लोकसभा सीट के लिए हुई चुनावी जनसभा

देवरिया, 24 मई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस के राज में सुबह भ्रष्टाचार की खबरों से होती थी ओर शाम होते होते कहीं आतंकी धमाके हो जाते थे। उन्होंने इंडी गठबंधन को रामद्रोही बताते हुए कहा कि ये लोग देश में गोकशी की छूट देना चाहते हैं। इन्हें वोट देने का मतलब पाप का भागीदार बनना होगा। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को बरहज में बांसगांव लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी कमलेश पासवान के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह पूरे देश में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और एक ही आवाज हर तरफ सुनाई दे रही है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। कांग्रेस और सपा की हालत 400 पार का नारा सुनकर जलेबी जैसी हो गई है।

मुख्यमंत्री ने अनंत महाप्रभु बाबा राघवदास जी की पावन भूमि को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि देश कह रहा है कि रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर'। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत के सम्मान, सुरक्षा की चिंता करने वाले, विकास और गरीब कल्याणकारी योजना से जोड़ने वाले पीएम मोदी हैं तो दूसरी ओर राम का विरोध करने वाले, आतंकवाद और नक्सलवाद का समर्थन करने वाले वे लोग हैं, जिन्हें विकास से कोई लेना देना नहीं है। ये भारत को कमजोर करना चाहते हैं और हमारी आस्था पर चोट करने वाले हैं। पांच चरण ने तय कर दिया है कि रामभक्त एक तरफ हैं और रामविरोधी दूसरी ओर।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस और सपा के लोग कहते हैं कि राममंदिर बेकार बना है। राममंदिर नहीं बल्कि इनकी बुद्धि बेकार है। आज अयोध्या में हर रोज लाखों लोग पहुंच रहे हैं। राममंदिर मोदी जी के नेतृत्व में जरूर बना है, मगर इसके पुण्य के भागीदार आप बनेंगे। क्योंकि आपने कमल चुनाव चिह्न दबाकर मोदी जी और मुझे ताकत दी है। सीएम ने कहा कि हमारा देश बदल चुका है। 10 साल में कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। पाकिस्तान को भी पता है कि आज का भारत छेड़ता नहीं है, और किसी ने छेड़ने की कोशिश की तो उसे छोड़ता भी नहीं है। हमें मजबूत हिन्दुस्तान के लिए मजबूत सरकार चाहिए और मजबूत सरकार के लिए मोदी जी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सपा के समय गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। युवा पलायन करता था। कांग्रेस ने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का बार बार अपमान किया। कांग्रेस का मेनिफेस्टो कहता है कि सत्ता में आएंगे तो मिलकर लूटेंगे। सत्ता में आएंगे तो एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाएंगे। सत्ता में आएंगे तो पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इसका मतलब बेटी स्कूल नहीं जा पाएंगी, महिलाएं बुर्का पहनकर रहेंगी। हम भारत का तालिबानीकरण नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों को गोकशी की छूट देना चाहती है। कांग्रेस और सपा के बहकावे में नहीं आना है। इन्होंने पहले देश बांटा, फिर क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटा और अब जाति के नामपर बांटकर आरक्षण में सेंध लगाना चाहते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 4 जून को फिर एक बार मोदी सरकार बनेगी तो 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए हर वर्ष उपचार की सुविधा मिलेगी। जिनके पास कच्चा मकान है या झोंपड़ी है उन्हें एक एक मकान भी मिलेगा। इस अवसर पर विधायकगण जयप्रकाश निषाद, राजेश त्रिपाठी, दीपक मिश्रा, विमलेश पासवान, एमएलसी प्रांशुदत्त द्विवेदी, रतनपाल सिंह, विधानसभा प्रभारी उपेन्द्र सिंह, कामेश्वर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

जमीन में गाड़ दिए गए माफिया, गुर्गे जेल की हवा खा रहे : जेपी नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कुशीनगर में जनसभा को किया संबोधित

कुशीनगर, 24 मई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को साखोपार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कुशीनगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार दूबे के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित भारत बनाने के लिए भाजपा पूरी ताकत से मैदान में है। कहा कि कभी यही उत्तर प्रदेश माफिया सरगनाओं के आतंक से परेशान था, दिन दहाड़े हत्याएं होती थीं, व्यापारी और बेटी असुरक्षित थे। आज यही यूपी है जहां प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में माफिया सरगनाओं को जमीन में गाड़ दिया गया है और उनके सहयोगी जेलों में हैं। आज व्यापारी अपना व्यापार कर रहे हैं और बेटियां अपने भविष्य को संवार रही हैं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ यूपी को अग्रणी राज्य बनाने में दिन रात जुटे हैं।

नड्डा ने कहा कि कोरोना काल में अमेरिका, यूरोप, जापान आदि दुनिया के बड़े बड़े देश भी यह तय नहीं कर पाए कि इससे कैसे निपटा जाए, अर्थव्यवस्था बचाई जाए या जीवन, मगर प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ा फैसला लिया और जान है तो जहान है मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि इन्सेफलाइटिस की वैक्सीन भारत आने में 100 साल लग गए, जबकि कोरोना काल में मात्र 9 महीने में एक नहीं बल्कि दो-दो वैक्सीन भारत को दी गइ। 220 करोड़ डोज और बाद में बूस्टर देकर जनता की जान बचाई गई। आज भारत दुनिया में दूसरे नंबर का दवा एक्सपोर्टर हो चुका है। ऑटोमोबाइल में भारत जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे नंबर का देश बन गया है। इस्पात के मामले में भारत दूसरे नंबर का देश बन चुका है। बदलता भारत आज हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। आज भारत की अति गरीबी 1 प्रतिशत से भी नीचे आ चुकी है। ये नीति आयोग और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड कह रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से आपका बिजली का बिल जीरो हो जाएगा। कहा कि 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा। विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। 11 करोड़ परिवारों को हर घर नल योजना का लाभ दिया जा रहा है। नेशनल हाईवे 10 साल में 55 हजार किलोमीटर बन चुका है। योगी जी का प्रयास और मोदी जी का आशीर्वाद है कि गोरखपुर में एम्स आ गया है। उन्होंने कहा कि आपका वोट सही जगह पड़ता है तो विकास होता है, गलत जगह पड़ता है तो बहन बेटियों की इज्जत पर खतरा बढ़ता है। कांग्रेस ने भारत की जनता को अनपढ़ बताया था, मोदी जी ने देश के सामर्थ्य को पहचाना और आज सब्जीवाला भी डिजिटल ट्रांजेक्शन करता है। हमें 10 साल पहले का भारत और आज के भारत और 7 साल पहले का यूपी और आज के यूपी का अंतर समझना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक घोटाला किया। लालू, अखिलेश, ममता बनर्जी, डीएमके सबने घोटाला किया। ये सारे भ्रष्टाचारी एक हो गये हैं। राहुल, सोनिया, लालू, चिदंबरम, संजय सिंह, अरविंद केजरीवाल, आजम खां, के कविता या तो बेल पर हैं या जेल में हैं।

इस साल अनंतनाग में चार और राजौरी-पुंछ में हुए तीन आतंकी हमले

अनंतनाग लोकसभा सीट के लिए आज होगा मतदान

शुभ लाभ ब्यूरो
जम्मू, 24 मई।

चार महीनों में जिस संसदीय क्षेत्र में सात आतंकी हमलों ने सभी को चौंकाया, वहां कल यानी 25 मई को संसदीय सीट के लिए मतदान होने जा रहा है। यह संसदीय क्षेत्र अनंतनाग-राजौरी-पुंछ के नाम से जाना जाता है जो कश्मीर और जम्मू संभाग का हिस्सा है। अनंतनाग में मतदान पहले 7 मई के लिए निर्धारित था, लेकिन भाजपा, अपनी पार्टी और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) सहित कई पार्टियों के अनुरोध के बाद प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण इसे 25 मई तक के लिए टाल दिया गया था।

अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र को 2022 में परिसीमन आयोग द्वारा पुनर्गठित किया गया था, पुलवामा और शोपियां के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जबकि अधिकांश राजौरी और पुंछ जिलों को शामिल किया गया था। और इस संसदीय क्षेत्र के प्रति चिंताजनक बात यह है कि अनंतनाग में पिछले 30 दिनों में चार आतंकी हमले हो चुके हैं। जबकि राजौरी व पुंछ के जिलों में इस साल अभी तक 3 हमले हो चुके हैं।

वर्ष 2023 में, राजौरी, पुंछ और पड़ौसी रियासी जिले में मुठभेड़ों की एक श्रृंखला देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप 54 मौतें हुईं, जिनमें 19 सुरक्षाकर्मी और 28 आतंकवादी शामिल थे। और अब राजौरी और पुंछ के जुड़वां सीमावर्ती जिलों में, विशेष रूप से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर, अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा, जहां 25 मई को मतदान होना है, बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने दावा किया कि इन उपायों में सुरक्षा कर्मियों की बढ़ती तैनाती, पहाड़ी क्षेत्रों में क्षेत्र प्रभुत्व, अतिरिक्त चौकियां और क्षेत्र में और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर चौबीसों घंटे निगरानी शामिल है। वैसे भी जम्मू कश्मीर में चल रहे लोकसभा चुनाव के लिए जोर-शोर से चल रहा चुनाव प्रचार कल शाम को समाप्त हो गया, क्योंकि शाम को अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव प्रचार बंद हो गया।

दक्षिण कश्मीर-पीर पंजाल क्षेत्र में नवगठित लोकसभा सीट पर शनिवार को मतदान होना है, जो जम्मू कश्मीर में मतदान के समापन का प्रतीक है क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश के चार अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में पहले ही मतदान हो चुका है। अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र में 20 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती भी शामिल हैं, जो 2019 के लोकसभा चुनावों में अपनी हार के बाद संसद में लौटने की उम्मीद कर रही हैं।

श्रीनगर और बारामुला में रिकार्ड उच्च मतदान के साथ, राजनीतिक पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि दक्षिण कश्मीर निर्वाचन क्षेत्र में भी उम्मीद से अधिक मतदान होगा। हालांकि इस संसदीय क्षेत्र में आतंकी हमलों का डर जरूर बना हुआ है। अनंतनाग निर्वाचन क्षेत्र में 18.30 लाख से अधिक पात्र मतदाता हैं, जिनमें 8.99 लाख महिलाएं और 81,000 से अधिक पहली बार मतदाता हैं। वे मैदान में उतरे 20 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, नेशनल कांफ्रेंस के मियां अल्ताफ और अपनी पार्टी के जफर इकबाल खान मन्हास शामिल हैं, जिन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। डीप-ीएपी नेता मोहम्मद सलीम पार्रे और 10 निर्दलीय भी मैदान में हैं।

टीएमसी ने संविधान के खिलाफ जाकर मुसलमानों को दिया आरक्षण : योगी

महाराजगंज लोकसभा के लिए फरेंदा में हुई जनसभा

महाराजगंज, 24 मई (एजेंसियां)। देश को सबसे ज्यादा क्षति कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों ने पहुंचायी है। इन्होंने सत्ता के लिए पहले देश का विभाजन किया, फिर देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया। ये कहते हैं कि हम संविधान बदलकर ओबीसी के आरक्षण में सेंधमारी करके मुसलमानों को दे देंगे। ये देश के खिलाफ गहरी साजिश रच रहे हैं, जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते हैं। इसी के तहत पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की सहयोगी तृणूल कांग्रेस पार्टी ने ओबीसी का सारा आरक्षण मुसलमान को दे दिया था। इस पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए इसे खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि देश में मुसलमान आरक्षण पाने के अधिकारी नहीं हैं। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने भी कहा था कि संविधान के तहत अनुसूचित जाति, जनजाति और मंडल कमीशन के तहत ओबीसी जातियों को ही आरक्षण पाने का अधिकार है। यह आरक्षण धार्मिक आधार पर नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण देश के विभाजन की नींव डालने जैसा है। वर्ष 1947 में भारत का विभाजन हो चुका है, अब दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महराजगंज लोकसभा क्षेत्र की फरेंदा विधानसभा में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री और लोकसभा प्रत्याशी पंकज चौधरी के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अयोध्या में रामलला अपने दिव्य मंदिर में विराजमान हैं। यह डबल इंजन की सरकार की वजह से साकार हो सका है। यह आपके वोट की ताकत से हुआ है।

ऐसे में आपको अपने वोट की ताकत से हिंदू और सनातन विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब देना है। वहीं सपा और कांग्रेस की सरकार में सारा पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री के लिये दिया जाता था।

उस दौरान गांव में गरीब की जमीन पर चार लोग टोपी पहनकर पहुंचते थे और जबरन बाउंड्री बना करके कब्रिस्तान का बोर्ड लगा देते थे। वहीं आज यह पैसा भारत की विरासत और भारत के देवालयों को सजाने में खर्च होता है। इसके साथ ही यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा में खर्च हो रहा है। एक-एक करके हर एक स्थान को भव्य स्वरूप देने के साथ आम जनमानस की भावनाओं का सम्मान किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी, राजद, आप समेत अन्य पार्टियां बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की विरोधी रही हैं। उन्होंने बाबा साहब को चुनाव हराया था। इंडी गठबंधन में शामिल सपा ने अपनी सरकार में प्रदेश में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, कांशीराम के नाम पर जो संस्थान बने थे, उन सभी नाम को हटा दिया था। सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि वह कहते थे कि राजधानी लखनऊ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, साहू जी महाराज, सावित्रीबाई फुले जैसे जितने भी महापुरुषों के स्मारक बने हैं, उन सभी को तोड़ देंगे। अपने स्वार्थ के लिए संविधान के साथ छेड़छाड़ करना, देश में इमरजेंसी लगाना, भारत की भावना के साथ खिलवाड़ करना आदि ये सब कांग्रेस और इंडी गठबंधन की फितरत रही है। कांग्रेस आज भी वही शरारत पर उतारू है। इनके मेनिफेस्टो में खतरनाक घोषणा इसका प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज महराजगंज विकास के नये आयाम गढ़ रहा है। इसी के तहत आनंदनगर से सिसवा तक पूरी रेल लाइन की स्वीकृत हो चुकी है। जल्द ही कार्य प्रारंभ होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के पहले महाराजगंज की सड़कें सबसे खराब मानी जाती थी जबकि आज हाइवे और चकाचक सड़कें देखने को मिलती है। यह आपके सही जगह दिए वोट से संभव हो पाया है। यहां मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो गया है। महाराजगंज और गोरखपुर में एम्स बन गया है। यहां फर्टिलाइजर फैक्ट्री भी चालू हो गयी है। सिद्धार्थनगर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो गया है।

उन्होंने कहा कि इसी महराजगंज के वनटांगिया गांव में 18 बस्तियों के लोग दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर थे। आज उन्हें रिवेन्यू विलेज के रूप में मान्यता दे दी गई है। ऐसे में उन्हे आजादी के बाद पहली बार एहसास हुआ है कि वह भी आजाद भारत के नागरिक हैं। वह आज सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं, उनके मकान बन रहे हैं। घरों में बिजली की सप्लाई हो रही है। सड़कें उनके घर तक जा रही हैं। वहां डबल इंजन की सरकार उन्हे सारी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सीएम ने यहां कार्बनिक और इंटीग्रेटेड फार्मिंग करने वालों की सराहना की। सीएम ने कहा कि आज प्रदेश से इंसेफेलाइटिस और माफिया को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। अब इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौत नहीं होती है।

कोरोना काल में गायब हो गए थे कांग्रेस और सपा के लोग : योगी

सीएम योगी ने कुशीनगर में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

कुशीनगर, 24 मई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जब कोरोना कालखंड में देश परेशान था तब कांग्रेस और सपा के लोग जनता की मदद करने की जगह गायब हो गये थे। यूपी के दो लड़कों में से एक इंग्लैंड तो दूसरा इटली भाग गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के शासन में गरीब मुसहर भूखों मरता था, तब हम सब सड़क पर उतर कर उनके हक की लड़ाई लड़ते थे। आज पीएम के नेतृत्व में हमने मुसहर जाति के परिवार को एक-एक आवास, जमीन का पट्टा और राशन कार्ड प्रदान किया है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को साख-ेपार में कुशीनगर लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी विजय कुमार दूबे के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। हमारे लिए देश पहले है। कोरोना कालखंड में हमारे प्रधानमंत्री ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को सेवा ही संगठन का नारा दिया था। फ्री में टेस्ट, फ्री में उपचार और फ्री में वैक्सीन के साथ ही 80 करोड़ जनता को फ्री में राशन दिया देने का कार्य मोदी जी के कार्यकाल में किया गया। वहीं दूसरी तरफ यही राशन सपा और कांग्रेस के समय में सत्ता के दलाल खा जाते थे।

सीएम योगी ने कहा कि बीते 10 साल में देश का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है, हमारी सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद नेस्तनाबूद हुआ है। अब तो जोर से पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। उसे पता है कि भारत को छेड़ना नहीं है, क्योंकि किसी ने छेड़ा तो भारत छोड़ेगा नहीं। मगर इंडी गठबंधन वाले कह रहे हैं कि पाकिस्तान को छेड़ो मत, ऐसे लोगों को भारत पर बोझ बनने की जगह पाकिस्तान जाकर भीख मांगना चाहिए।

सीएम योगी ने बताया कि जब हमने इंसेफलाइटिस के खिलाफ अंतिम प्रहार किया था, तब जेपी नड्डा स्वास्थ्य देश के स्वास्थ्य मंत्री थे और उन्होंने कहा था कि जितना धन चाहिए उतना लीजिए। कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज कभी एक कल्पना थी। आज ये मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार होने जा रहा है। यहां एयरपोर्ट भी बन गया है। यहां महात्मा बुद्ध के नाम पर कृषि विश्वविद्यालय का निर्माण होने जा रहा है। पहले जब यहां आता था तो पता ही नहीं चलता था कि सड़क है या गड्ढा। पहले यहां कार भी ट्रॉली की रफ्तार से चलती थी, आज बुलेट ट्रेन की तरह गाड़ियां चलती हैं।

सीएम ने कहा कि देश में विकास के बड़े बड़े कार्य हो रहे हैं। हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, उच्च शिक्षण संस्थान बन रहे हैं। इस क्षेत्र में बाढ़ से बचाव की पुख्ता व्यवस्था हुई है। मोदी जी ने यहां अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र का निर्माण कराया है। कोरोना कालखंड न आया होता तो कुशीनगर थाईलैंड और सिंगापुर की तरह चमकता दिखता।

उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में एक ही नारा है, फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। सपा और कांग्रेस के लोग पूछते हैं कि 400 पार कैसे तो जनता की ओर से आवाज आती है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

अनर्थकारी हैं कांग्रेस और सपा का गठबंधन : सीएम योगी

रवि किशन के समर्थन में गोरखपुर संसदीय क्षेत्र के पिपराइच में हुई रैली

गोरखपुर, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत से आतंकवाद और भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है। जबकि कांग्रेस और सपा के शासन में सुबह की शुरुआत घोटाले से होती थी और शाम होते-होते कहीं न कहीं आतंकी विस्फोट हो जाता था। आज तो पटाखा भी कहीं फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देते फिरता है कि इसमें मेरा हाथ नहीं है। यह नया भारत है जो किसी को छेड़ता नहीं है लेकिन किसी ने छेड़ा तो उसे छोड़ता भी नहीं है।

सीएम योगी शुक्रवार शाम पिपराइच में गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा और दोनों के कार्यकाल और साथ को कटघरे में खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश का नाम और मान दुनिया में बढ़ाने वाली मोदी सरकार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस और सपा का अनर्थकारी गठबंधन। इन दोनों के बीच जब भी गठबंधन हुआ तो अनर्थ ही हुआ है। याद करिए जब केंद्र में कांग्रेस और यूपी में सपा की सरकार थी तो अयोध्या में आतंकी हमला हुआ, वाराणसी में आतंकी हमला हुआ। इनके शासन में रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं। हर तरफ अराजकता का तांडव था।

सीएम ने कांग्रेस और सपा के चुनावी घो-षणा पत्रों पर भी करारा हमला बोला। कहा कि अब यह अनर्थकारी गठबंधन अपने घो-षणा पत्र में कह रहा है कि अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग का आरक्षण मुसलमानों में बांट देंगे। यह गठबंधन भारत में पर्सनल रूल यानी तालीबानी शासन लागू करने की फिराक में है। तालीबानी शासन यानी महिलाएं घरों से नहीं निकल सकतीं, बेटियां स्कूल नहीं जा सकतीं। पर, भाजपा किसी भी दशा में देश में तालीबानी शासन नहीं आने देगी। भाजपा का स्पष्ट कहना है कि यह देश शरीयत से नहीं संविधान से चलेगा। कांग्रेस और सपा की मंशा गोकशी की छूट देने की है। हिन्दू गाय को माता मानता है और कांग्रेस-सपा की मंशा कभी पूरी नहीं होने दी जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोगों को सबक सिखाने की आवश्यकता है।

सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग पाकिस्तान का राग आलापते हैं। ऐसे लोगों को भारत पर बोझ बनने की बजाय पाकिस्तान में ही चले जाना चाहिए। एक तरफ पाकिस्तान है जहां के लोग भूखों मर रहे हैं तो दूसरी तरफ मोदी जी के नेतृत्व वाला भारत है जो अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है। पाकिस्तान का राग अलापने वालों को वहां भीख भी नहीं मिलेगी।

सीएम योगी ने कहा कि जब सही मत पड़ता है तो विकास, सुरक्षा, सम्मान और गरीब कल्याण की गारंटी होती है। जैसा कि जनता ने सही मत देकर मोदी सरकार बनाई तो आज देश में अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये तक के इलाज के लिए आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। अब तो तीसरी बार मोदी सरकार में 70 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक बुजुर्ग को आयुष्मान का लाभ मिलने जा रहा है। मोदी सरकार में किसान को सम्मान निधि मिल रही है जबकि सपा की सरकार में किसान आत्महत्या करता था। सपा के शासन में गरीब के हक पर डकैती पड़ती थी जबकि आज हर गरीब का शौचालय बन गया है, उज्जवला योजना के तहत 10 करोड़ परिवारों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन मिल गया है। पहले जहां रसोई गैस के लिए लाठी पड़ती थी तो वहीं अब यूपी में होली और दिवाली में गैस सिलेंडर मुफ्त दिया जा रहा है। मोदी सरकार ने चार करोड़ गरीबों के मकान बनवाए हैं। तीसरी बार मोदी सरकार बनने पर जो गरीब बच गए हैं, उनके भी मकान बन जाएंगे। सीएम ने गोरखपुर में हुए विकास कार्यों में एम्स, खाद कारखाना, आयुष विश्वविद्यालय आदि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब सही मत पड़ने की वजह से संभव हुआ। आज मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। देश में कहीं फोरलेन तो कहीं सिक्सलेन सड़कें बन रही हैं। एम्स, ट्रिपल आईटी, बन रहे हैं। वंदे भारत, अमृत भारत, मेट्रो चल रही है। आईटीआई, पॉलिटेक्निक व विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर से राम मंदिर के आंदोलन की शुरुआत होने का उल्लेख करते हुए कहा कि पांच सौ वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया है। रामलला विराजमान हो गए हैं। अब तो हर जगह जनता यही कह रही है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। सीएम योगी ने सवालिया लहजे में पूछा कि क्या कांग्रेस और सपा से अयोध्या में मंदिर बनवाने की उम्मीद की जा सकती थी? समवेत आवाज गूंजी-नहीं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते थे, राम हुए ही नहीं। सपा रामभक्तों पर गोली चलाती थी। आज भी सपा के नेता कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेकार तो राम के विरोधी हैं। राम तो जगत नियंत हैं, परमपिता परमेश्वर हैं। सदियों से हिन्दू कहता रहा कि राम लाल आएंगे और आज रामलला आ भी गए। सीएम योगी ने कहा कि हमने जो कहा वह करके दिखा भी दिया लेकिन राम मंदिर बनवाने का पुण्य, गरीबों को योजनाओं का लाभ मिलने का पुण्य, विकास का पुण्य सबको आपको (जनता को) जाता है क्योंकि आप ने ही मोदी और योगी को चुना है। उन्होंने कहा कि एक तरफ रामलला विराजमान हो गये हैं तो दूसरी तरफ माफिया का राम नाम सत्य हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जिधर देखो विकास ही विकास नजर आता है। सात साल पहले पिपराइच क्षेत्र की सड़कों को देखकर लगता ही नहीं था कि सड़क है या गड्ढा। आज जिधर नजर फेरिये उधर फोरलेन-टूलेन की चमचमाती सड़कें हैं। उन्होंने बताया कि पिपराइच को गोरखपुर से जोड़ने को फोरलेन बनाने के लिए एक हजार करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिया गया है। इस फोरलेन के बन जाने से गोरखपुर और पिपराइच के बीच की दूसरी सात मिनट में तय हो जाएगी। यही नहीं पिपराइच से पीपीगंज या नेपाल की तरफ जाना हो तो रिंग रोड बन रही है। पिपराइच के चारों तरफ बाईपास बन जाएगा और जाम की समस्या नहीं होगी। सीएम ने कहा कि पिपराइच से सोनबरसा जाने वाले मार्ग पर ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसकी डिजाइन ऐसी होगी कि हनुमान जी का मंदिर भी बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिपराइच एक ऐसा विधानसभा क्षेत्र है जहां दो विश्वविद्यालय हैं, आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय हैं। यहां के आयुष विश्वविद्यालय के सामने तो दुनिया के कई बड़े विश्वविद्यालय फेल नजर आएंगे। यहां की जिस बंद चीनी मिल को सपा बेचना चाहती थी और हमें आंदोलन करना पड़ता था, आज वह प्रदेश की सुंदर चीनी मिलों में शामिल होकर चल रही है। उसे देखकर लोगों की आंखें चौंधिया जाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए एक भी पैसा नहीं देती थी।

सीएम योगी ने कहा कि क्षेत्र का विकास भी होगा और किसानों को भरपूर क्षतिपूर्ति भी मिलेगी। होगा क्षतिपूर्ति भरपूर मिलेगा।

धर्म के आधार पर आरक्षण देने वालों को बेनकाब करना जरूरी : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले का किया स्वागत

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओबीसी-मुस्लिम आरक्षण को लेकर आए कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान किसी को भी धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार ने राजनीतिक तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर चलते हुए 2010 में 118 मुस्लिम जातियों को जबरन ओबीसी में डाल कर ये आरक्षण दिया था। इंडी गठबंधन द्वारा देश की कीमत पर राजनीति की जो ये नीति चल रही है, इस होड़ को खारिज और बेनकाब किया जाना चाहिए। सीएम योगी शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ओबीसी का हक जबरदस्ती हड़प रही थीं। इसी असंवैधानिक कृत्य पर माननीय उच्च न्यायालय ने टीएमसी सरकार के फैसले को पलटा है और एक जोरदार तमाचा मारा है। यह कार्य असंवैधानिक था, इसे अनुमति नहीं दी जा सकती है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में इसे बार बार कहा था। उन्होंने बताया कि भारत में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए और मंडल कमीशन के बाद ओबीसी की सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। धर्म के आधार पर आरक्षण की इजाजत भारत का संविधान कभी नहीं देता। बाबा साहब ने इसके लिए बार बार देश को आगाह किया था कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ था और हमें ऐसी कोई स्थिति नहीं पैदा करना चाहिए जो देश को विभाजन की ओर धकेले।

मुख्यमंत्री ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को नजीर बताते हुए कहा कि कर्नाटक के अंदर भी कांग्रेस सरकार ने ओबीसी के अधिकार पर इसी प्रकार की सेंधमारी करते हुए मुसलमानों को आरक्षण देने का काम किया है। साथ ही आंध्र प्रदेश में भी इसी प्रकार की शरारत की गई थी। इन सबका जोरदार विरोध करना जरूरी है। किसी भी उसंवैधानिक कार्य को, जो भारत के विभाजन की आधारशिला रखने वाला हो, भारत को कमजोर करने वाला हो उसे कतई स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

चंदन की खुशबू से महकेगी ब्रज भूमि

मथुरा में वन विभाग लगाएगा चंदन के 400 पौधे

मथुरा, 24 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार कान्हा की नगरी का द्वापर कालीन वैभव लौटाने का हर संभव प्रयास कर रही है। अब कान्हा की भूमि ब्रज जल्द ही चंदन की खुशबू से महकेगी। यहां वन विभाग मानसून सत्र में चंदन के पौधे लगाने जा रहा है। इसके लिए जगह चिह्नित की जा रही है। चंदन के पौधे लगाने के लिए विभाग ने इसकी पौध तैयार कर ली है।

मथुरा में चंदन के पौधे लगाने के लिए वन विभाग ने फरवरी महीने से ही तैयारी शुरू कर दी थी। वन विभाग ने फरवरी में चंदन के पौधे ब्रज में लगाने के लिए बीज रोपित किए थे। इनकी देखभाल और सही

रखरखाव का नतीजा रहा कि अब 4 महीने बाद पौधों का रूप लेना शुरू कर दिया है। उप क्षेत्रीय वन अधिकारी राधे श्याम ने बताया कि चंदन के पौधों को लगाने के लिए सबसे जरूरी है 25 से 30 डिग्री तापमान रहे। लेकिन मथुरा में तापमान 47 डिग्री से ज्यादा पहुंच रहा है। इसके बावजूद विभाग ब्रज के लता पताओं के स्वरूप को बचाने के लिए इन चंदन के पौधों की बारीकी से देखभाल कर रहा है। पौधों को बचाने के लिए नेट लगाई गई है इसके अलावा दिन में 3 बार सिंचाई की जा रही है।

उप क्षेत्रीय वन अधिकारी ने बताया कि इसका पौधा रोपित करते समय सबसे जरूरी है इसकी उचित देखभाल। इसमें सामान्य खाद लगाई जाती है। इसके अलावा कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जाता है। चंदन का पौधा शुरू में परजीवी होता है। लेकिन जब यह डेढ़ से 2 फीट का हो जाता है तब यह अपना खाना स्वयं बनाने लग जाता है।

क्या करें जब आए नाक से खून

नाक से खून आने की समस्या गर्मियों में ज्यादा बढ़ जाती है। नाक के बीच की हड्डी के आगे के भाग में खून की कई नसें आपस में मिलकर एक जाल-सा बनाती हैं, जिसे लिटिल्स एरिया- कहते हैं। अधिकतर मरीजों में नाक से खून इसी जगह से ज्यादा आता है। सांस लेने में गर्म हवा जब इस भाग से टकराती है, तो वहां पर सूखापन आ जाता है और पपड़ी पडने लगती है। जैसे ही जब कोई व्यक्ति इस पपड़ी को नाक में उंगली डालने की आदत के कारण निकालता है, तब खून निकलने लगता है।

कुछ प्रमुख कारण

- बहुत गर्म वातावरण में रहना।
- हाई ब्लडप्रेशर में भी नाक से खून आता है।
- नाक में चोट लगना।
- नाक में कोई बाहरी चीज चली जाए।
- नाक में किसी तरह का संक्रमण होना,
- बैक्टीरिया या वाइरस का प्रकोप।

प्राथमिक उपचार

- मरीज को बैठाकर उसकी नाक के अगले हिस्से को कुछ मिनट के लिए दबाकर रखना चाहिए। दबाब पड़ने से खून रुक जाता है।
- नाक पर बर्फ रखें।
- जब खून निकल रहा हो, उस वक्त मरीज को लिटाना नहीं चाहिए। इससे खून गले से होकर पेट में जाने लगता है और मरीज को उल्टियां व पेट में दर्द हो सकता है। ज्यादातर मरीजों में प्राथमिक उपचार के बाद रक्त आना बंद हो जाता है। यदि खून आना बंद न हो या बार- बार आए, तो किसी नाक, कान व गला विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि खून आने की वजह का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा खून रोकने के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं।

ध्यान दें

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से निकलकर सीधे एयर कंडीशन वाले कमरे में या फिर कूलर वाले कमरे में न जाएं। थोड़ी देर रुकने के बाद ही कमरे में प्रवेश करें।

ब्रेन ट्यूमर अब नहीं रहा लाइलाज

मस्तिष्क ट्यूमर (ब्रेन ट्यूमर) मस्तिष्क में या मस्तिष्क के किसी भाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि से संबंधित रोग है। ये असामान्य कोशिकाएं मस्तिष्क में एक गांठ के रूप में बन जाती हैं। ब्रेन ट्यूमर एक जानलेवा रोग है, लेकिन आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण अब समय रहते इस रोग का इलाज संभव है.... ब्रेन ट्यूमर के कई प्रकार हैं। जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में ही उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। वहीं जो ट्यूमर शरीर के अन्य भागों से शुरू होकर मस्तिष्क तक भी फैल जाते हैं, उन्हें मेटास्टैटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, जिन्हें बिनाइन कहा जाता है और कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर ग्रस्त होते हैं, जिन्हें मैलिग्नेंट (घातक) कहा जाता है। अलग-अलग प्रकार के ब्रेन ट्यूमर की वृद्धि की रफ्तार अलग-अलग होती है। प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर अनेक तरह के होते हैं। जैसे...

ग्लीओमा

ये ट्यूमर मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी से शुरू होते हैं। एकास्टिक न्यूरोमा कैंसर रहित (बिनाइन) ट्यूमर हैं, जो शारीरिक संतुलन और सुनने की शक्ति को संचालित करने वाली तंत्रिका (नर्व)पर विकसित होते हैं।

पिट्यूटरी एडेनोमा

ये ज्यादातर बिनाइन ट्यूमर होते हैं और इनमें से ज्यादातर मस्तिष्क के आधार पर स्थित पिट्यूटरी ग्रंथि में विकसित होते हैं। ये पिट्यूटरी ग्रंथि के हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है।

मेडुलोब्लास्टोमा

ये बच्चों में होने वाले सबसे सामान्य किस्म के कैंसरजन्य मस्तिष्क ट्यूमर हैं। वयस्कों को ये ट्यूमर होते हैं।

जर्म सेल ट्यूमर

ऐसे ट्यूमर बचपन से ही विकसित होते हैं। ऐसे कैंसर मस्तिष्क के अलावा शरीर के अन्य भागों पर शुरू होते हैं, लेकिन बाद में मस्तिष्क को अपनी चपेट में ले लेते हैं। जोखिम वाले कारण उम्र- ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ती उम्र से संबंधित है। उम्रदराज लोगों में ब्रेन ट्यूमर अधिक होते हैं। हालांकि कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकते हैं।

विकिरण से संपर्क

कुछ प्रकार के विकिरण (रेडिएशन) के संपर्क में आने वाले लोगों में ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

पारिवारिक इतिहास

कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर ऐसे लोगों में होते हैं, जिनके परिवार में ब्रेन ट्यूमर या जेनेटिक बीमारियों का इतिहास रहा हो।

डायग्नोसिस

इसके अंतर्गत एमआरआई, कंप्यूटराइड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन और पेट स्कैन शामिल हैं। शरीर के अन्य भागों में कैंसर का पता लगाने के लिए भी परीक्षण कराए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर फेफड़े के कैंसर का पता लगाने के लिये सीने का सीटी स्कैन।
वहीं बायोप्सी परीक्षण भी कराया जाता है। सुई का इस्तेमाल करके भी बायोप्सी की जा सकती है। बायोप्सी से लिए गए नमूने का परीक्षण माइक्रोस्कोप के जरिए किया जाता है ताकि यह पता चल सके कि यह कैंसरजन्य है या कैंसररहित। यह जानकारी डायग्नोसिस और रोग के इलाज के लिये महत्वपूर्ण है।

इलाज

ब्रेन ट्यूमर का उपचार ट्यूमर के प्रकार, आकार और स्थान पर निर्भर करता है। जैसे... सर्जरी अगर ब्रेन ट्यूमर ऐसे स्थान पर है, जहां तक ऑपरेशन के लिए सुलभता से पहुंचा जा सकता है, तब न्यूरो सर्जन ब्रेन ट्यूमर के यथासंभव अधिक से अधिक हिस्से को हटाने की कोशिश करते हैं। ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए की जाने वाली सर्जरी के कुछ खतरे होते हैं।

विकिरण चिकित्सा

इस चिकित्सा में ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए एक्स- रे या प्रोट्रॉन जैसी उच्च ऊर्जा किरणों का इस्तेमाल किया जाता है। विकिरण चिकित्सा आपके शरीर से बाहर रखी एक मशीन (एक्सटर्नल बीम रेडिएशन) से दी जा सकती है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन आपके मस्तिष्क के सिर्फ उन क्षेत्रों पर फोकस करता है, जहां पर ट्यूमर स्थित है या इसे आपके पूरे मस्तिष्क पर फोकस किया जा सकता है।

रेडियो सर्जरी

इसके अंतर्गत स्टीरियोटैक्टिक रेडियो सर्जरी को अंजाम दिया जाता है। ब्रेन ट्यूमर के इलाज में विकिरण देने के लिए रेडियो सर्जरी में गामा नाइफ जैसी कई आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। रेडियो सर्जरी में आम तौर पर पीड़ित व्यक्ति उसी दिन घर जा सकता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी के तहत ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट यह ट्रीटमेंट कैंसर कोशिकाओं के अंदर मौजूद विशिष्ट असामान्यताओं पर केंद्रित होता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट इन असामान्यताओं को रोककर सिर्फ कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं का ही इलाज करता है। कैंसरग्रस्त भाग के निकट के अन्य स्वस्थ भागों पर इसका प्रभाव नहीं

स्वस्थ रखता है केला

केला खाने में स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन्स, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें थाइमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। एक शोध से पता चला है कि केला खाने से स्वास्थ्य सही रहता है। साथ यह सुंदरता भी बढ़ाता है। केला खाने से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मासिक धर्म के समय होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। शुगर और फाइबर से भरपूर होने के साथ ही केला कई बीमारियों से बचाता है। इसके कुछ प्रमुख फायदे इस प्रकार हैं। केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। यह एक ऐसा फल है जिसको खाने पर तुरंत एनर्जी मिलती है। यह तनाव कम करने में भी मददगार है। इसमें ट्राइप्टोफान नामक एमिनो एसिड होता है जिससे मूड सही होता है। पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे अनेक तत्वों के कारण यह डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों को दूर रखने में कारगर है। दिल के मरीजों के लिए भी केला बहुत फायदेमंद होता है। पोटेशियम से भरपूर इस फल में नमक की मात्रा कम होती है जिसके कारण यह उच्च रक्तचाप में फायदेमंद साबित होता है। यदि आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है तो केले का सेवन करना शुरू कर दें। केला याददाश्त बढ़ाने में काफी सहायक होता है।

आज के समय प्रदुषण इतना बढ़ गया है कि लोगों को त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पढ़ता है। सब लोग चाहते हैं कि उनकी त्वचा देखने में अच्छी और अट्रैकटिव दिखाई दे। कई वजह से आपको चेहरे पर भारीपन लगता है। लोग चाहते हैं कि त्वचा पर कुछ ऐसा लगाएं जिससे उनकी स्कीन में फ्रेशनेस लगे। सभी लड़कियां यही चाहती हैं कि उनके पास कुछ ऐसा हो जिससे उनको आराम मिले और उनका चेहरा चमक उठें। आज हम आपको यह बताएंगे कि कैसे आप अपनी स्कीन को फ्रेश कर सकते हैं। ये सभी चीजें प्राकृतिक होंगी, जो आपको आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी। इन चीजों का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को फ्रेश कर सकते हैं।

बनाएं अपनी त्वचा को फ्रेश

बर्फ का पानी: फ्रीजर में से चिल्ड वॉटर निकालकर उससे चेहरा धो लें। इससे आपको फ्रेशनेश आवश्य मिलेगी। यह सबसे सस्ता स्कीन टोनर है, जो आपकी त्वचा को मिनट भर में ही फ्रेश कर देता है।

दूध: फ्रिज में रखे हुए दूध को निकालकर उससे चेहरे को धो लें या कॉटन बॉल में लगाकर चेहरे को साफ कर लें। इससे चेहरे के छिद्र खुलने के साथ साथ आपके चेहरे पर प्राकृतिक चमक आ जाएगी।

गुलाब जल: गुलाब जल बहुत सस्ता होता है और घरों में आसानी से मिल जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं जो चेहरे पर पिपंल नहीं होने देते । गुलाब जल से स्कीन को कोई नुकसान नहीं होता।

ग्रीन टी: ग्रीन टी के तत्व चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ग्रीन टी को पानी के साथ मिलाकर चेहरा धोने से आपको अच्छा महसूस होगा। इससे चेहरे में चमक आ जाएगी।

एलोवेरा जूस: चेहरे के लिए एलोवेरा के पत्तों का गूदा बहुत फायदेमंद होता है। इसके पत्तों का रस भी चेहरे के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसको चेहरे पर लगाने से चेहरा साफ तो होता ही है, दमकने भी लगता है। प्रतिदिन सोने से पहले इसको चेहरे पर लगाने से आपका चेहरा शाइन करने लगेगा।

अब मिलेगा गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा

गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं। विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त। इससे उनका आत्मविश्वास घट जाता है। इस प्रकार उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इलाज

गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और कुछ विधियों के द्वारा अतिरिक्त चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट किया जाता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निपल के एरिया के निचले हिस्से में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला को भीतर डाला जाता है। कितनी चर्बी निकालनी है, इस आधार पर सर्जरी में एक से दो घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थेसिया देकर सर्जरी करने पर रोगी को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

नवीनतम इलाज

मिनिमली इनवेसिव सर्जरी एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान शेष नहीं रहता। इस सर्जरी के बाद तेजी से रोगी स्वास्थ्य लाभ करता है और कम से कम निशान दिखाई पड़ते हैं। रोगी को सर्जरी वाले स्थान पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन जैसा अनुभव होगा, किंतु यह सब कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है। रोगी को कुछ दिनों के लिए काम से छुत्री लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है। इस समस्या से परेशान पुरुषों को इस सर्जरी के बाद बहुत संतुष्टि और खुशी प्राप्त होती है और वे अपने शरीर के संदर्भ में पहले से कहीं ज्यादा सहज व स्वाभाविक महसूस करते हैं।

समोसे को बोलें बाय सलाद को कहें हाय

जब भी हम तनाव में होते हैं या कुछ खाए काफी देर हो जाती है तो तेज भूख लगती है। पहली इच्छा कुछ सेहतमंद चीज खाने की जगह एक्स्ट्रा चीज वाले पिज्जा, समोसा या फिर क्रीमयुक्त पेस्ट्री खाने की होती है। बहुत कम ही लोग होते है, जिसने तनाव की स्थिति में खाने की इच्छा होने पर उसने सलाद या फल खाना चाहा हो।

ऑफिस में लेट हो जाएं

ऐसी स्थिति में लो फेट दूध से बनी कोल्ड कॉफी और गेहूं से बना सैंडविच खाएं। इसमें सोया और चीज फिलिंग कर सकते हैं। तनाव की स्थिति में सेरोटोनिन रसायन कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन होता है। सैंडविच से आपको प्रोटीन और कॉम्लैक्स काबरेहाइड्रेट दोनों मिल जाते हैं, जिससे आप एलर्ट रहते हैं। पर, ध्यान रहे, अधिक कॉफी तनाव बढ़ा भी सकती है।

नींद नहीं आती हो

दलिया और केला खाएं। तनाव नींद बढ़ाने वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन से कम हो जाता है। मेलाटोनिन जई, मक्का, ब्राउन राइस, अदरक, पका टमाटर, सोया और खजूर आदि में होता है। दलिया, दूध के साथ खाएं। इससे कॉम्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर दोनों मिलते हैं। यह मस्तिष्क पर असर करता है, आप अच्छी नींद ले पाते हैं। केले में मेलाटोनिन और मैग्नीशियम दोनों होते हैं। मैग्नीशियम प्राकृतिक तरीके से मांसपेशियों को राहत पहुंचाता है। रात को सहज नींद आ जाती है।

इंटरव्यू के दौरान

ग्रीन सलाद खाएं। शाकाहारी हैं तो इसमें सोयाबीन, अलसी के बीज और अखरोट की गिरी मिला सकते हैं। मांसाहारी ग्रिल्ड चिकन या सैलमन मछली ले सकते हैं। ग्रीन सलाद विटामिन बी-12 का अच्छा स्रोत है। इससे मूड अच्छा करने वाले सेरोटोनिन और डोपामाइन रसायन मिलते हैं, जिसकी कमी से थकावट और झुंझलाहट होती है।

संपादकीय

नाबालिग हत्यारा भी मासूम!

पुणे में एक बेहद त्रासद हादसा हुआ है, जिसने समाज, कानून और मान्यताओं को बेनकाब कर दिया है। बड़े बाप की औलाद होना पाप नहीं है, लेकिन बिगड़ैल और हत्यारा तक होना आपराधिक है। पुणे में एक 17 वर्षीय नाबालिग, बिगड़ैल किशोर ने दो होनहार साफ्टवेयर इंजीनियरों को 2 करोड़ रुपए की कार से कुचल कर मार डाला। करीब 25 वर्षीय जिंदगियों पर एकदम विराम लग गया। दो घरों के चिराग बुझ गए, लिहाजा उनके दुख और सदमे को महसूस ही किया जा सकता है, लेकिन समाज, जेल, कानून उस नाबालिग को 'मासूम' ही मान रहे हैं, क्योंकि वह 18 साल का नहीं था। जेल में उस 'हत्यारे नाबालिग' से सडक़ दुर्घटना पर 300 शब्दों का निबंध लिखवाया जाता है और करीब 15 घंटे में अदालत से उसकी जमानत भी हो जाती है! संविधान के किस पन्ने पर और किस अनुच्छेद में यह लिखा है कि कोई किसी की जान लेने का जघन्य अपराध करे, लेकिन निबंध लिखवा कर ही उसे जमानत दे दी जाए? कानून वाकई अंधा होता है, क्योंकि वह सिर्फ सबूत देखता है, हकीकत को नहीं जानता! नबालिग हत्यारे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, कार का पंजीकरण नहीं था, लेकिन वह एक बेशकीमती कार दनदनाते हुए चला रहा था, क्योंकि वह 600 करोड़ रुपए की कंपनी के मालिक, बिल्डर का बेटा था! क्या कानून के सामने ये साक्ष्य नहीं थे? क्या अमीर, बिल्डर बाप बराबर का दोषी नहीं है, जिसने 2 करोड़ रुपए की कार नाबालिग बेटे को खरीद कर दी? उस उच्छृंखल बालक ने सार्वजनिक सडक़ को 'बंगले का आंगन' समझ लिया और दो युवाओं को कुचल कर मार दिया। नाबालिग आरोपित को हिरासत में पिज्जा, बर्गर और बिरयानी आदि भोज परोसे गए, तो वह खातिरदारी भी 'बड़े बाप की औलाद' होने के कारण की गई। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि नाबालिग अपराधी ने कार से दो युवा इंजीनियरों को कुचलने से पहले पब, बार में करीब दो घंटे तक, दोस्तों के साथ, खूब शराब पी, जिसका बिल 48,000 रुपए आया और भुगतान भी नाबालिग के क्रेडिट कार्ड से किया गया। क्या बैंक नाबालिगों के क्रेडिट कार्ड भी बनाते हैं? गंभीर सवाल तो यह है कि मेडिकल परीक्षण में शराब पीने का सच क्यों नहीं सामने आया? क्या डॉक्टर भी बड़े बाप के सामने 'बिक' गए? उस त्रासद हादसे के बाद यह तथ्य सामने आया है कि उस नाबालिग ड्राइवर ने शराब पी रखी थी, लिहाजा दोस्तों और पब वालों को भी हिरासत में लिया गया है। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के न्याय पर तरस आता है कि उसने हत्या की सजा निबंध लिखना ही तय की! क्यों न इसे भी संविधान में जोड़ लिया जाए? यही कारण है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस को हस्तक्षेप कर पुलिस आयुक्त को निर्देश देने पड़े। अब उच्च न्यायालय में नाबालिग पर केस बालिग मान कर ही चलाया जाएगा। हमें भी अदालत के आदर्श न्याय का इंतजार रहेगा। यह कोई इकलौता मामला नहीं है। एक मामले में बीएमडब्ल्यू कार से तीन पुलिसकर्मी मार दिए गए थे। अपराधी की अमीरी ने चश्मदीदों को 5-5 करोड़ रुपए की घूस देकर उनकी सच्चाई ही खरीद ली थी, लेकिन बाद में किसी परम शक्ति ने ही सारे भेद खोल दिए और उन ऐयाश अमीरों को सजा हुई। राजधानी दिल्ली में नशेडियों ने कार फुटपाथ पर सोए 'बेचारों' पर ही चढ़ा कर उन्हें कुचल दिया। अदालत में ये दलीलें भी दी गईं कि क्या फुटपाथ सोने के लिए होता है? बहरहाल देश में लाखों सडक़ दुर्घटनाएं होती हैं और लाखों ही जिंदगी गंवाते हैं, लेकिन ऐसे मामले बेशुमार दौलत, नव अमीरी और गरीबों को कीड़े-मकौड़े समझने की संस्कृति की देन ही हैं। जब तक देश में आर्थिक असमानता, विलासिता मौजूद रहेंगे और कानूनों में संशोधन नहीं किया जाएगा, तब तक घरवालों को अचानक दुखद समाचार सुनने को विवश होते रहना पड़ेगा। होनहार भी ऐयाश लापरवाहियों के शिकार होते रहेंगे। इस मामले में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि समाज को एक सख्त संदेश जाए, अन्यथा इस तरह की घटनाओं को रोकना मुश्किल हो जाएगा। लापरवाही पर सजा होनी चाहिए।

> पुणे में एक 17 वर्षीय नाबालिग, बिगड़ैल किशोर ने दो होनहार साफ्टवेयर इंजीनियरों को 2 करोड़ रुपए की कार से कुचल कर मार डाला। करीब 25 वर्षीय जिंदगियों पर एकदम विराम लग गया। दो घरों के चिराग बुझ गए, लिहाजा उनके दुख और सदमे को महसूस ही किया जा सकता है, लेकिन समाज, जेल, कानून उस नाबालिग को 'मासूम' ही मान रहे हैं, क्योंकि वह 18 साल का नहीं था। जेल में उस 'हत्यारे नाबालिग' से सडक़ दुर्घटना पर 300 शब्दों का निबंध लिखवाया जाता है और करीब 15 घंटे में अदालत से उसकी जमानत भी हो जाती है! संविधान के किस पन्ने पर और किस अनुच्छेद में यह लिखा है कि कोई किसी की जान लेने का जघन्य अपराध करे, लेकिन निबंध लिखवा कर ही उसे जमानत दे दी जाए? कानून वाकई अंधा होता है, क्योंकि वह सिर्फ सबूत देखता है, हकीकत को नहीं जानता! नबालिग हत्यारे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, कार का पंजीकरण नहीं था।

आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेजी से घट रही

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

ललित गर्ग

> तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है।

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेजी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दाफाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने ख़ुद को पार्टी विद डिफ़रेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षों में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है।

दृष्टि कोण

औसत से ज्यादा वोटिंग क्यों नहीं होती, इस विडंबना की ये है वजह

मौजूदा लोकसभा चुनाव में औसत मतदान 60 प्रतिशत के आसपास रहना निर्वाचन आयोग ही नहीं, राजनेताओं के लिए भी चिंता का विषय है। इससे लोकतंत्र के मूल उद्देश्य पूरे होते नहीं दिखते। स्थिति यह है कि कुल पंजीकृत मतदाताओं के एक चौथाई हिस्से से भी कम का समर्थन पाकर पार्टियां सरकार बना लेती हैं और फिर पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। उत्तर और पश्चिम इलाकों में, जहां इस समय प्रचंड गर्मी है, वहां तो कम मतदान हो ही रहे हैं, पर्वतीय क्षेत्रों और दक्षिण राज्यों, जहां गर्मी नहीं है, में भी मतदाताओं में उत्साह नहीं नजर आता है। इसकी एक वजह राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग भी हो सकता है। निर्वाचन आयोग और राजनीतिक दलों की तरफ से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के तमाम प्रयास किए जाते हैं। लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रेरित किया जाता है, लेकिन इससे बहुत फर्क नहीं पड़ता। कुछेक अपवादों को छोड़ दें, तो कभी वोटिंग औसत से ज्यादा नहीं बढ़ी। सिर्फ 2014 और 2019 में मतदाताओं ने उत्साह दिखाया था और औसतन 66 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था। सवाल यह है कि ऐसे में क्या उपाय किए जाएं कि मतदाता मतदान करने के लिए प्रेरित हों। कम वोटिंग भारत ही नहीं, दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों के लिए चिंता का विषय है। कई देशों ने मताधिकार का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया, तो कुछ देशों ने मतदान नहीं करने पर अलग-अलग तरह से दंड लगाने के कानून बनाए। हालांकि कुछ देशों ने बाद में व्यावहारिक परेशानियों के चलते इसे रद्द कर दिया। सबसे पहले बेल्जियम ने 1892 में वोटिंग अनिवार्य करने का कानून बनाया। फिर अर्जेंटीना ने 1914 में और ऑस्ट्रेलिया ने 1924 में ऐसा ही कानून लागू किया। उसके बाद ऑस्ट्रिया, ब्राजील, मिस्र, फिजी, बुल्गारिया, बोलीविया, इटली, ग्रीस, फ्रांस (सिर्फ सीनेट), अमेरिका (कुछ राज्य), मैक्सिको, फिलीपीन, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, स्पेन, तुर्किये, वेनेजुएला, पेरू, पनामा आदि ने भी कानून बनाए। इनमें कुछ देशों ने कानून को आंशिक या पूर्ण रूप से रद्द कर दिया। भारत की स्थिति कुछ भिन्न है। यहां कई बार वोटिंग अनिवार्य करने को लेकर लोकसभा में चर्चा हुई। यही निष्कर्ष

निकला कि ऐसा करना व्यावहारिक नहीं होगा। इस संबंध में सबसे पहले चर्चा 1950 में तब शुरू हुई, जब जनप्रतिनिधित्व अधिनियम लागू किया जा रहा था। डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान सभा के कई सदस्यों ने इसे सिरे से नकार दिया। 1990 में दिनेश गोस्वामी कमेटी ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के उपायों पर विचार करने के दौरान इसे अनिवार्य किए जाने पर भी गौर किया और अंततः इसे नामंजूर कर दिया। वर्ष 2001 में कंसल्टेशन पेपर ऑफ नेशनल कमीशन रिव्यू द वर्किंग ऑफ द कंस्टीट्यूशन ने इस मुद्दे पर विचार करने के बाद कहा कि वोट नहीं देने पर दंड का प्रावधान रखने से कई जटिलताएं पैदा होंगी। चुनावी खर्च को लेकर गठित तारकुंडे कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा कि वोटिंग अनिवार्य करने से मतदाताओं में रोष पैदा होगा और इसके दुरुपयोग की आशंका रहेगी। बेहतर होगा कि वोटरों को मतदान के लिए उत्साहित किया जाए। लोकसभा में 2004, 2009, 2012 एवं 2014 में प्राइवेट बिल पेश किए गए, लेकिन हर बार प्रस्ताव का विरोध हुआ। वर्ष 2009 में इस पर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई, जिसमें मताधिकार का उपयोग नहीं करने वाले के घर की बिजली, पानी आदि काटने और आर्थिक दंड लगाने की मांग की गई। कोर्ट ने इसे बेहद अमानवीय बताकर याचिका खारिज कर दी। देश में चुनावों में अशिक्षित और अल्पशिक्षित मतदाताओं में मतदान को लेकर जितना उत्साह दिखता है, उतना प्रबुद्ध वर्ग में नहीं। प्रबुद्ध वर्ग का एक बड़ा हिस्सा आलस और अरुचि की वजह से घर से नहीं निकलता। वोटिंग लिस्ट में गड़बड़ी होना भी कम मतदान का एक कारण है। चुनाव से पहले मतदाता सूची को ठीक से अपडेट नहीं किया जाता और किया भी जाता है, तो उनमें कई त्रुटियां दिखती हैं। लोगों को शिकायत रहती है कि नाम शामिल करने, संशोधन आदि का फॉर्म बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) को समय पर देने के बाद भी कुछ नहीं होता। यह विडंबना ही कही जाएगी कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में पंजीकृत वोटरों में से 40 प्रतिशत वोट ही नहीं देते।

कुछ अलग

नाकाबिल ही नाकाबिल

क्या कभी वे दिन भी आ जाएंगे, जबकि भरपूर मेहनत करने वाला अपमानित, लांछित और निर्वासित होकर किसी विरोधी धरना प्रदर्शन करने के काबिल भी नहीं रह जाएगा? पहले की तरह ही छुटभैये सभी अदब कायदे तोड़ कर पहचान के शिखर पर बैठ कर अब भी मुस्कराते रहेंगे। ऐसा सवाल पूछने वाले आजकल उजबक कहलाते हैं। वे दिन बीत गए, जब आत्मविश्वास से भरे हुए दृढ़-प्रतिज्ञ लोग रुक कर अजनबी धरती के किसी भी कोने पर पांव टिका कर कह देते थे कि 'हम जहां खड़े हो गए, कतार वहां से ही शुरू हो जाती है।' आज अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थानों से लेकर भ्रष्टाचार को मापने वाली ट्रांस्पेरेंसी अंतरराष्ट्रीय संस्थान जैसी संस्थाएं भी आह भर कर उद्दाम जोश से भरे इन लोगों को कह देती हैं कि 'होगी जनाब, आप में कोई भी नई कतार शुरू करने की ताकत, परन्तु पहले यह बताइए कि आपके सिर पर यह कतार शुरू करने के लिए किसी गॉड फादर का हाथ है?' हमने 'मारिया पिजो' के उपन्यास का नाम 'गॉडफादर' सुना था कि जिसके एक इशारे पर एक नई कतार ही शुरू नहीं होती थी, पूरी चलती बिसात ही उलट कर नई बिसात बिछा दी जाती थी। हम जानते थे कि गॉडफादर एक अंग्रेजी शब्द है। 'आप हिन्दी में लिखने का दम भरते हैं, इसका हिन्दी में सटीक और समानार्थक शब्द तलाश करके लाइए', हमें कहा गया। हम ठहरे मेहनती आदमी, समानार्थक शब्द की तलाश में जुट गए, लेकिन इसी अंग्रेजी शीर्षक के पितृसंरक्षकों ने इस बीच हमें खेल के वृत्त से बाहर कर दिया। उधर कतार शुरू हो गई, जुम्मा-जुम्मा आठ दिन के प्रवेश वाले भद्र चहेतों से, जिन्हें हथेली पर सरसों जमाने की आदत हो गई है। भ्रष्टाचार मापक संस्थानों के मापकों या मसीहाओं ने हमारी नादानी का मातम मनाते हुए समझाया, 'अरे भई, इतना भी नहीं जान पाए कि यहां पर एक ही स्थान पर खड़े-खड़े तरक्की की घोषणा हो जाती है।' लोग जहां से चलते हैं, उसी वृत्त में घूमते हुए फिर उसी बिन्दू पर ठिठक जाते हैं, और घोषणा हो जाती है कि देखो, इस बीच जमाना कयामत की चाल चल गया। महामारियों के विकट प्रकोप में तुम आम आदमी की दुर्दशा का रोना रोते रहे, और उससे हुई एक प्रतिशत लोगों की तरक्की का तनिक जिक्र भी नहीं किया कि जिनकी आय इस बीच सौ प्रतिशत बढ़ गई है। अब भला आम आदमी का जिक्र करके अपना मुंह कसैला क्यों करते हो, क्यों न चुनिंदा लोगों की बातें करें? आम लोग तो पहले जैसे थे, आज भी वैसे ही हैं। पहले भी भूखे, बेघर और बेकार थे, आज भी वैसे ही हैं। उनके अपमानित और लांछित हो जाने की चिंता क्यों करते हो? इस भाग्यवादी देश में नियति भी तो एक अकाट्य सत्य है। यह दीगर बात है कि उसके भाग्य के फूटा होने का विवरण ही इन आम आदमियों को मिलता है और अभिनंदन का तरन्नुम किन्हीं शार्टकट गलियों में से निकलता हुआ दूसरों के गले में वरमाला पहना जाता है। उन लोगों के गले में जो कभी तीन में नहीं थे और अब तेरह में भी नहीं हैं। फिर भी कुर्सी पा गए। लेकिन इस सच्चाई से चौंकना कैसा? जब दौड़ हुई ही नहीं, तब उस दौड़ में पीछे रह जाने से अपमानित और लांछित महसूस करने का क्या तुक? यह तुक भी बड़ी चीज है बन्धु! अगर वही भिड़ानी आपको आज तक आ गई होती तो आज हमें तुक से बेतुका हो जाने का अर्थ समझाने की जरूरत आपको न पड़ती। 'होता है तमाशा दिन-रात मेरे आगे' की तरह हमने हर दिन बेतुके लोगों को संगीत, कला, जीवन और समाज की सुर्खियां जीत लेने की घटनाओं में सिरमौर बनते देखे हैं। अकादमिक रूप से भी इस सत्य का परिचय बहुत से भ्रष्टाचार सर्वेक्षण के आंकड़े हमें बता देते हैं।

देश दुनिया से

मोको कहां दूंढे रे बंदे...

> जैन धर्म के अनुयायी इस दिन एक-दूसरे को 'मिच्छामि दुक्कड़म' बोलते हैं। अगर यह सिर्फ एक औपचारिकता ही न हो तो इससे रिश्तों की मजबूती का इससे बढ़िया और कोई साधन है ही नहीं। जब हम मानसिक रूप से इस बात के लिए तैयार हों कि बिना किसी वजह के माफी मांग लेनी है कि शायद कोई गलती हुई हो, और हम सब इतने विनम्र हो जाएं तो सारे झगड़े ही खत्म। मिच्छामि दुक्कड़म प्राकृत भाषा का शब्द है। संस्कृत के एक वाक्यांश से यह बना है, जो है 'मिथ्या मे दुष्कृतम्' जिसका मतलब है कि यदि मैंने कोई दुष्कृत्य किया हो, कुछ भी बुरा किया है तो वह मिथ्या हो जाए, खत्म हो जाए, बीजरहित हो जाए, ताकि दोबारा कभी न हो।

जैन धर्म का क्षमा-वाणी पर्व एक ऐसा नियम है जो सचमुच बहुत अच्छा है। पूरे साल भर में जाने-अनजाने हमने कभी कोई गलती की हो, किसी का अपमान हो गया हो, किसी को चोट पहुंचाई हो, किसी का नुकसान हो गया हो तो इस पर्व वाले दिन बिना शर्त माफी मांगने का प्रावधान है। कितना सुंदर, कितना बढिया। सामने वाले ने चाहा या नहीं चाहा, पर हमने विनम्र होकर माफी मांग ली। गलती हुई या नहीं हुई, चाहे अनजाने में ही हो गई हो, तो भी माफी मांग ली, दोनों का दिल साफ हो गया, रिश्ते सुधर गए, दिल हल्का हो गया और प्रेम बना रहा। जैन धर्म के अनुयायी इस दिन एक-दूसरे को 'मिच्छामि दुक्कड़म' बोलते हैं। अगर यह सिर्फ एक औपचारिकता ही न हो तो इससे रिश्तों की मजबूती का इससे बढिया और कोई साधन है ही नहीं। जब हम मानसिक रूप से इस बात के लिए तैयार हों कि बिना किसी वजह के माफी मांग लेनी है कि शायद कोई गलती हुई हो, और हम सब इतने विनम्र हो जाएं तो सारे झगड़े ही खत्म। मिच्छामि दुक्कड़म प्राकृत भाषा का शब्द है। संस्कृत के एक वाक्यांश से यह बना है, जो है 'मिथ्या मे दुष्कृतम्' जिसका मतलब है कि यदि मैंने कोई दुष्कृत्य किया हो, कुछ भी बुरा किया है तो वह मिथ्या हो जाए, खत्म हो जाए, बीजरहित हो जाए, ताकि दोबारा कभी न हो। जब हम इतने विनम्र हो गए तो हम सच्चे अर्थों में आध्यात्मिक हो गए। जैन धर्म अहिंसा का धर्म है, और हम सब जानते हैं कि हिंसा कई तरह से हो सकती है, मसलन कायिक हिंसा, यानी, शारीरिक हिंसा, किसी को मारना या मार डालना, शारीरिक चोट पहुंचाना। दूसरा है वाचिक हिंसा, यानी, किसी का अपमान कर देना, किसी को ऐसा कुछ कह देना कि उसका दिल दुख जाए, वाणी से किसी को चोट पहुंचाना, किसी को गाली दे देना, लंगड़ा, लूला, अंधा, काना आदि कह देना, ये है वाचिक हिंसा, और हिंसा की तीसरी किस्म है मानसिक हिंसा। अगर हमने मन में ठान लिया है कि कोई दूसरा व्यक्ति, चाहे वह पति हो, पत्नी हो, बेटा या बेटी हो, अधीनस्थ कर्मचारी हो, नौकर-नौकरानी हो, और हम यह सोच लें कि वह हमारे हिसाब से ही जियेगा तो यह मानसिक हिंसा है। हम किसी दूसरे को बदलना चाहते हैं, यह मानसिक हिंसा है, और जब हमने हिंसा पूरी तरह से छोड़ दी तो हम आध्यात्मिक हो गए। जब हम विनम्र हो गए, अहिंसक हो गए, प्रेममय हो गए तो हम शुद्ध हो गए और हमने परमात्मा को पा लिया। फिर हमें कुछ और ढूंढने की जरूरत नहीं है, फिर हमने बड़ी से बड़ी तीर्थ यात्रा का, पूजा का फल पा लिया। फिर हम किसी पूजा स्थल के मोहताज नहीं रह गए, कोई और जप-तप इसके मुकाबले में छोटा ही है। जब हम प्रेममय हो गए, हमने प्रेम के अढ़ाई अक्षर जीवन में उतार लिए तो फिर संत कबीर की वाणी सच्ची हो गई। संत कबीर फरमाते हैं, 'मोको कहां ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना तीरथ में, ना मूरत में, ना एकांत निवास में। ना मंदिर में, ना मस्जिद में, ना काबे कैलास में। ना मैं जप में, ना मैं तप में, ना मैं व्रत उपवास में। ना मैं क्रिया कर्म में रहता, ना ही योग संन्यास में। नहीं प्राण में, नहीं पिंड में, ना ब्रह्मांड आकाश में। ना मैं त्रिकुटी भंवर में, सब स्वासों के स्वास में। खोजी होए, तुरत मिल जाऊं, एक पल की ही तलाश में। कहे कबीर सुनो भई साधो, मैं तो हूं विश्वास में।' यह सच है कि अध्यात्म की असली सीढ़ी है निश्छल प्रेम, हर किसी से प्रेम, बिना कारण, बिना आशा के हर किसी से प्रेम। मानवों से ही नहीं, पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों से भी प्रेम, जीवित लोगों से ही नहीं, जीवन रहित मानी जाने वाली चीजों से भी प्रेम। एक बार जब हम प्रेममय हो गए तो आध्यात्मिकता की गहराइयों में, या यूं कहिए कि ऊंचाइयों में जाने के काबिल हो जाते हैं। यह अध्यात्म की सबसे ऊंची पायदान है, और इसके बाद कल्याण ही कल्याण है, निर्वाण है, मोक्ष है, मुक्ति है। आध्यात्मिकता का अर्थ है कि हम सब के प्रति दया का भाव रखें, प्रेम का भाव रखें, जहां तक संभव हो, निस्वार्थ भाव से सहायता करें। हम खुद को बदलें, हमारे अंदर के परिवर्तन से ही सब कुछ बदलेगा। हमारा नजरिया बदलेगा तो हम बदलेंगे। हम बदलेंगे तो परिवार बदलेगा, समाज बदलेगा, देश बदलेगा, दुनिया बदलेगी। जब तक हम खुद नहीं बदलेंगी, हमारी दुनिया नहीं बदलेगी। हमारे संपर्क में आने वाले लोग हमारी दुनिया हैं। हम बदल जाएंगे तो शायद हम उन लोगों में बदलाव ला सकेंगे जो हमारे संपर्क में आते हैं। हम ही नहीं बदले तो बाकी सब बदल भी जाए तो भी हमारे लिए वह बदलाव अर्थहीन ही रहेगा। आध्यात्मिक हो जाएं तो पूरा ब्रह्मांड हमें परमात्मा की स्तुति करता हुआ नजर आता है। 'सहज संन्यास मिशन' की धारणा है कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कत्तव्य ही पूजा है और चढ़ावा चढ़ाने के लिए किसी पूजा स्थल पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मैं जो कुछ करूं, वह परमात्मा को अर्पण करके करूं। 'कर करनी, कर जोड़ कर' को इसी भाव में समझना चाहिए। कर करनी, यानी जो भी करें, कर जोड़ कर करें, हाथ जोड़ कर करें, परमात्मा को नमस्कार करके करें। संत रविदास जी ने क्या खूब ही कहा है कि 'मन चंगा, तो कठौती में गंगा', मन शुद्ध हो आपके बर्तन में पड़ा पानी भी साधारण नहीं रह जाता, वह गंगाजल जितना निर्मल और पवित्र हो जाता है। दिन भर काम करते हुए हम इधर-उधर जाते हैं, वही परमात्मा की परिक्रमा है, मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है। मैं ही परमात्मा हूं, और इस जगत का हर जीव-जंतु परमात्मा का ही अंश है। अब जब हर कोई परमात्मा का अंश है और मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है तो मैं झूठ कैसे बोल सकता हूं, किसी को धोखा कैसे दे सकता हूं, फरेब कैसे कर सकता हूं? यही निष्काम कर्म है, यही सहज संन्यास है। वस्तुतः निष्काम कर्म ही सहज संन्यास है। सहज संन्यास की खासियत ही यही है कि इसके लिए हमें अपना धर्म बदलने की आवश्यकता नहीं है। हम किसी भी धर्म, संप्रदाय, मत को मानते हों, हमारे इष्ट देव कोई भी हों, उसे बदलने की जरूरत नहीं है। बदलना है सिर्फ अपना नजरिया, अपना जीवन, अपना लाइफस्टाइल। इससे ही सब बदल जाएगा। सहज संन्यास मिशन के हम सब अनुयायियों का मानना है कि यदि हम जीवन का सम्मान करें, अपने मन को बुराइयों से दूर रखें, अपनी वाणी से किसी को चोट न पहुंचाएं, बुराइयों को दूर करने के लिए उचित प्रयत्न करें, अपने विचारों को अनियंत्रित न होने दें, सबकी भलाई के लिए काम करें, मन में भक्ति का भाव रखें, तो हमारे लिए अंतिम सत्य तक पहुंचना बहुत कठिन नहीं होगा और हमारा जीवन सरल हो जाएगा और फिर हमें परमात्मा की खोज के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा क्योंकि फिर हम खुद ब्रह्मस्वरूप हो जाएंगे।

आप का नजरिया

कौनसे 'वाले' मुख्यमंत्री

हिमाचल में चुनाव की मासूमियत में मुद्दों के जख्म धोए जा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के खाते में केंद्र सरकार का कत्तव्य और इधर हिमाचल की बेडियों में आर्थिक संसाधनों की किफायत में गारंटियों का मसौदा। नेता पूछ रहे हैं, क्या जनता भी पूछेगी। जो वंदेभारत से अंब-अंदौरा पहुंच रहे, उन्हें चुनाव बता रहा है कि हमीरपुर रेल के राग में विरह कितनी और विराग कितना। सवाल मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने उछाला है, तो विकास के धरती पुत्र अनुराग ठाकुर को स्पष्टीकरण देना पड़ेगा। क्या यही प्रश्न केंद्र में कांग्रेस के शिलालेख लिखते रहे आनंद शर्मा से पूछा जाएगा कि रेल की इबारतों में उनका योगदान कितना है। कहना न होगा कि रेल विस्तार की शून्यता में दक्षता ढूंढते-ढूंढते हमने ऊना रेल का सिंहासन बना लिया, लेकिन कांगड़ा घाटी रेल पर किससे पूछें। क्या शांता कुमार के बयानों की खाल हटा कर देखें कि 'टॉय ट्रेन' की पटरियां चौड़ी करने के लिए उनके प्रयत्नों का पतन क्यों हुआ। क्या किशन कपूर या इंदु गोस्वामी से पूछें कि जम्मू को निकली वंदेभारत कब हिमाचल के नाम पर पठानकोट में स्टॉप लगाएगी। एक नई रेल लाइन की पड़ताल में सारी राजनीति का केंद्र हमीरपुर या ऊना ही क्यों। कभी पवन बंसल ने कांग्रेस की सत्ता में रेल पर अपनी सरकार का मार्ग प्रशस्त करते हुए बजट भाषण के सुर हिमाचल से मिलाए थे। आश्चर्य यह कि तब पालमपुर और धर्मशाला के बीच रेल मार्ग का अकल्पनीय सपना उंडेल दिया गया, जबकि कांगड़ा में रेल सेवा के व्यावहारिक पक्ष को आज तक अनदेखा किया जा रहा है। हमने इन्हीं कालमों में हिमाचल की कनेक्टिविटी को लेकर रेल, वायु और सडक़ मार्गों के स्वाभाविक गलियारों के बारे में बार-बार स्पष्ट किया है। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल में रेल विस्तार पठानकोट से नहीं ऊना तक पहुंची ट्रेन के मार्फत होगा। हवाई सेवाओं का विस्तार कांगड़ा एयरपोर्ट के माध्यम से होगा, जबकि सडक़ मार्गों का केंद्र बिंदु हमीरपुर में स्थापित होगा। हमारा यह कथन साबित होगा बशर्ते ऊना से अंब-अंदौरा पहुंची ट्रेन आगे चलकर ज्वालाजी पहुंचे तथा प्रस्तावित कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार संभव हो। जाहिर तौर पर ऊना रेल परियोजना के लिए प्रेम कुमार धूमल के बाद अनुराग ठाकुर के प्रयास काफी हद तक प्रशंसनीय माने जाएंगे, लेकिन अंब-अंदौरा से आगे कांगड़ा के सांसदों को भी प्रयास करना चाहिए था, लेकिन यहां दिशाविहीन माहौल में न शांता सफल हुए और न ही किशन कपूर, बल्कि वर्तमान संसदीय चुनाव में न आनंद शर्मा के पास रेल के लिए कोई वक्तव्य है और न ही भाजपा के उम्मीदवार राजीव भारद्वाज के लिए कांगड़ा घाटी रेल का सपना कोई मायने रखता है। इस दिशा में मुख्यमंत्री सुक्खू ने कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में पर्यटन को नई आशा और कनेक्टिविटी को भरोसा दिलाया है। हिमाचल में चुनाव भले ही विकास पर नहीं लड़े जाते, लेकिन जनता जल व विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ सडक़ निर्माण को लेकर संवेदनशील रही है। यही वजह है कि हिमाचल में अगर शांता पानी वाले मुख्यमंत्री बने, तो प्रेम कुमार धूमल सडक़ वाले मुख्यमंत्री साबित हुए।

टल सकता है भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता, आम चुनाव की घोषणा के बाद बढ़ी आशंका

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा चार जुलाई को देश में आम चुनाव कराए जाने की अचानक घोषणा किए जाने के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) टलने की आशंका है।

ब्रिटेन में आम चुनाव से ठीक एक महीने पहले चार जून को भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होंगे। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों और रणनीतिक विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि परिणाम भले ही कुछ भी हो, द्विपक्षीय संबंधों में खास बदलाव नहीं होगा लेकिन जो एफटीए समझौता सुनक के नेतृत्व वाली 'कंजर्वेटिव पार्टी' की सरकार में होने की उम्मीद थी, उसके अब आम चुनाव की घोषणा के कारण टलने की आशंका है।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए को लेकर बातचीत जनवरी 2022 में शुरू हुई थी और इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाना है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच एक साल में करीब 38.1 अरब पाउंड का व्यापार होता है।

चुनाव पूर्व के अधिकतर सर्वेक्षणों में विपक्षी दल 'लेबर पार्टी' आगे दिख रही है। हालांकि 'लेबर पार्टी' ने भी इस समझौते को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है लेकिन इसकी समय सीमा को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता।

लंदन के थिंक टैंक 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज' (आईआईएसएस) में दक्षिण और मध्य एशियाई रक्षा, रणनीति और कूटनीति संबंधी मामलों के वरिष्ठ 'फेलो' राहुल रॉय चौधरी ने कहा, ''ऋषि सुनक ने चार जुलाई को चुनाव कराने की घोषणा करके सभी को हैरान कर दिया। इसके कारण कंजर्वेटिव सरकार द्वारा भारत के साथ बहुप्रतीक्षित एफटीए को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना खत्म हो गई है। ब्रिटेन के थिंक टैंक 'चैथम हाउस' में दक्षिण एशिया, एशिया-प्रशांत कार्यक्रम के वरिष्ठ शोध 'फेलो' डॉ. सी बाजपेयी ने कहा, ''ब्रिटेन में चुनाव के नतीजे कुछ भी हों, उसके भारत के साथ संबंधों में निरंतरता होनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

एक्स पर मंथली एक्टिव यूजर्स का आंकड़ा 60 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की ओर से शुक्रवार को कहा गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एक्स पर मंथली एक्टिव यूजर्स (एमएयू) का आंकड़ा 60 करोड़ पहुंच गया है।मस्क की ओर से एक्स (पूर्व ट्विटर) का अधिग्रहण 2022 में 44 अरब डॉलर में किया गया था। इसके बाद वे इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ एक सुपर ऐप बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर आप फिल्में एवं टीवी शो के साथ डिजिटल भुगतान भी कर सकते हैं। अरबपति टेक कारोबारी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, एक्स पर मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 60 करोड़ को पार कर गई है। इसमें से आधे के करीब लोग प्रतिदिन एक्स का उपयोग कर रहे हैं। मस्क की पोस्ट का जवाब देते हुए यूजर्स ने कहा कि एक्स शायद मौजूदा समय में दुनिया का सबसे अच्छा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। बता दें, मस्क लगातार एक्स में बदलाव कर रहे हैं और ऐप में कई नए फीचर जोड़े गए हैं। अधिग्रहण के बाद एक्स पर ब्लू टिक लेने के लिए सब्सक्रिप्शन अनिवार्य कर दिया गया है और इसके साथ ही संस्थाओं के वेरिफिकेशन के लिए गोल्डन टिक शुरू किया गया है। इसके अलावा एक्स पर वॉइस और वीडियो कॉलिंग फीचर भी जोड़ दिया गया है। इसके माध्यम से यूजर्स आसानी से वॉइस और वीडियो कॉलिंग की सुविधा का आनंद उठा सकते हैं। हाल ही में मस्क ने कहा था कि एक्स पर लाइव कंटेंट में सुपर चैट फीचर आने वाले हैं।

एनटीपीसी कोयला का और एसईसीएल करेगा बिजली का उत्पादन, ऊर्जा क्षेत्र को एक नई मजबूती मिलने के संकेत

कोरबा। ऊर्जा व कोयला क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों ने अपने कामकाज में बड़ा बदलाव किया है। देश में पावर सेक्टर की बड़ी कंपनी एनटीपीसी जहां अब कोयला उत्पादन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, तो वहीं कोयला उत्पादन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी कोल इंडिया ने बिजली उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा अपने सार्वजनिक उपक्रमों के वर्षों से चले आ रहे व्यवसाय में विविधीकरण किए जाने के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। कुछ सालों पहले तक यह कल्पना नहीं की जाती थी कि कभी एनटीपीसी कोयला, तो कोल इंडिया पावर सेक्टर के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं लेकिन ऊर्जा क्षेत्र की दोनों दिग्गज कंपनियां एनटीपीसी व एसईसीएल द्वारा एक-दूसरे के क्षेत्र में विस्तार किए जाने से ऊर्जा क्षेत्र को एक नई मजबूती मिलने के संकेत हैं। कोयला क्षेत्र में प्रवेश के मात्र 7 वर्ष में ही एनटीपीसी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 34.38 मिलियन टन प्रति वर्ष कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

अडानी की नेटवर्थ में 4.56 अरब डॉलर की तेजी आई

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार रेकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में इस साल

की सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली। इससे जहां भारतीय अरबपतियों की नेटवर्थ में उछाल आई, वहीं अमेरिकी बिलिनेयर्स को नुकसान उठाना पड़ा। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी की सभी लिस्टेड कंपनियों में तेजी रही। अडानी ग्रुप के शेयरों में आठ फीसदी तक तेजी देखने को मिली। इससे अडानी की नेटवर्थ में 4.56 अरब डॉलर की तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 109 अरब डॉलर पहुंच गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अब उनसे एक स्थान आगे हैं। अंबानी की नेटवर्थ में 2.07 अरब डॉलर की तेजी आई और उनकी नेटवर्थ 114 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस तरह अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में अब केवल पांच अरब डॉलर का अंतर रह गया है। सबसे ज्यादा तेजी अडानी ग्रुप की होल्डिंग कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में रही। कंपनी का शेयर 8.01 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। एनडीटीवी में 7.62 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 4.72 फीसदी, एसीसी में 2.86 फीसदी, अडानी पावर में 2.79 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 2.37 फीसदी, अंबूजा सीमेंट में 2.09 फीसदी, अडानी विल्मर में 1.85 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी 1.25 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 1.17 फीसदी तेजी रही। इस साल अडानी की नेटवर्थ में 24.8 अरब डॉलर की तेजी आई है जबकि अंबानी की नेटवर्थ में 17.6 अरब डॉलर उछली है।

सरकारी योजनाओं और एमएसपी बढ़ने से ऑटो सेक्टर मजबूत, पिछले साल सितंबर से अब तक रिकॉर्ड बिक्री

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)।

कोविड में ऑटो सेक्टर में सबसे अधिक गिरावट रही। लोगों ने अपनी नौकरियां खोईं, साथ ही सेविंग भी समाप्त हुईं। इससे ऑटो मार्केट पर बहुत बुरा असर पड़ा। हालांकि कोविड से उबरने के बाद अब ऑटो बाजार ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। कोविड के बाद थोड़ा समय लगा पर बाजार के दिन बदलने लगे। बाजार को सामान्य स्थिति में लाने में सरकार द्वारा पेश की गई योजनाओं और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान देते हुए कृषि उत्पादों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का बड़ा योगदान रहा। जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में पैसो का प्रवाह बढ़ा और लोगों की सेविंग बढ़ने लगी। इस कारण ऑटो सेक्टर विशेषकर दोपहिया सेगमेंट ने रफ्तार पकड़ी। ग्रामीण इलाकों में जहां ट्रांसपोर्टेशन की काफी समस्या होती है। इसलिए वहां दोपहिया वाहनों की मांग अच्छी रहती है। इसकी वजह से इस सेगमेंट में पिछले साल सितंबर महीने से मजबूत ग्रोथ देखने को मिली है।

रिकॉर्ड बिक्री की वजह

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि पिछले साल सितंबर महीने से अभी तक ऑटो सेक्टर ने मजबूत ग्रोथ के साथ रिकार्ड बिक्री देखी है। इसकी मुख्य वजह सरकार द्वारा एमएसपी और ग्रामीण इलाकों साथ ही शहरी क्षेत्रों के लिए विशेष स्कीम पेश करना रहा। इस वजह से उनके पास बचत शुरू हुई और ऑटो सेक्टर में अच्छी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। सालाना आधार पर 2024 अप्रैल में दो पहिया वाहनों की ग्रोथ 33 प्रतिशत रही। तीन पहिया की 9 प्रतिशत, यात्री वाहन की 16 प्रतिशत और कमर्शियल वाहनों की ग्रोथ 2 प्रतिशत देखी गई।

दोपहिया वाहनों में आगामी दिनों में रिकाई बिक्री रहेगी जारी

वे कहते हैं कि दोपहिया वाहनों की सबसे अधिक मांग ग्रामीण और छोटे शहरों से आती है। इन इलाकों में ट्रांसपोर्टेशन की परेशानी अधिक है, इसलिए दोपहिया वाहनों की बिक्री में लगातार वृद्धि हो रही है।अप्रैल में दोपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन 33 परसेंट बढ़कर 16,43,510 यूनिट हो गया, जबकि अप्रैल 2023 में यह 12,33,763 यूनिट था। मई में गर्मी अधिक पड़ने और शादी ब्याह के मर्हूत न होने की वजह से बिक्री में थोड़ी कम हो सकती है। लेकिन यह हर साल मई में होता है।

पैसेंजर व्हीकल में मॉडल्स की बेहतर उपलब्धता

पैसेंजर व्हीकल में सालाना आधार पर दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई, जिसे मॉडल्स की बेहतर उपलब्धता और अनुकूल बाजार भावनाओं (विशेष रूप से नवरात्रि और गुड़ी पड़वा जैसे त्यौहारों के आसपास) को समर्थन मिला। निर्माता कंपनियां अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए नए-नए फिचर के मॉडल्स पेश कर रहे हैं। ग्राहक भी पहले की तुलना नए फिचर अपडेग्रेशन और नए मॉडल्स को पसंद कर रहे हैं। इसलिए इस कैटेगरी में बिक्री बढ़ रही है और भविष्य में यह कैटेगरी वृद्धि दर्ज करेगी।

एसयूवी का चलन

कोविड से पहले और बाद में स्पोर्टस यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) को सबसे अधिक पसंद किया जाता रहा है। विशेषकर युवा और परिवार के लिए एक संपूर्ण कार है। सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर ग्राहक इसे खरीदना पसंद करते हैं। कंपनियां नए फीचर वाले मॉडल्स पेश कर रही हैं। फाडा के अनुसार एसयूवी का मार्केट हिस्सेदारी 50 प्रतिशत की है और यह कैटेगरी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

भारतीय ऑटो बाजार में कई विकल्प

उन्होंने बताया कि देश का ऑटो सेक्टर काफी तेजी से ग्रोथ कर रहा है। इसकी वजह यह है कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), पेट्रोल-डीजल सहित सीएनजी और हाइड्रोलिक कई विकल्प हैं। जहां ग्राहक अपनी सुविधा और आवश्यकतानुसार कार, बाइक, स्कूटर और वाहनों की खरीद रहे हैं। इसलिए ऑटो की रिकॉर्ड बिक्री का सफर आगे भी जारी रहेगा।

ईवी सेगमेंट को अभी भी सहयोग की दरकार

बीते कुछ सालों में भारतीय ग्राहकों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और कार की मांग में तेजी देखी जा रही है। इस क्रम में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर के साथ कार की बिक्री बढ़ी है। लेकिन फेम 2 के तहत सब्सिडी समाप्त करने के बाद इसमें बिक्री में गिरावट आई है। अप्रैल 2024 में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर 53.34 में गिरावट देखी गई। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट को देश में अभी भी सरकार के सहयोग की जरूरत है। फेम 2 के तहत सब्सिडी समाप्त करने के बाद इसमें बिक्री में गिरावट आई है। उन्होंने बताया कि सब्सिडी वापस लेने के बाद ईवी के दामों में वृद्धि हुई और बिक्री पर असर पड़ा। बावजूद इसके इस सेगमेंट को सहयोग देने के लिए सरकार ने इलेक्ट्रिक मोब्लिटी प्रमोश स्कीम चला रही है। यह 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2024 तक लागू रहेगी। इसके तहत दोपहिया वाहनों पर 22,500 से 10,000 रुपये और पैसेंजर वाहनों पर डेढ़ लाख रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर 5.4 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी रखता है। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर वाहन की मांग में इजाफा देखने को मिला है। सालाना आधार पर 56.43 प्रतिशत की बिक्री के साथ ही यह सेगमेंट 54.3 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी रखता है। वे कहते हैं यह अभी शुरुआत है इस सेगमेंट को बढ़ाने के लिए चुनावों के बाद फेम3 लाने की जरूरत है। इसे वर्ष 2026-27 तक सरकार की सहायता की जरूरत है।

गूगल पहली बार इस राज्य में शुरू करेगा पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन, सामने आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 24 मई।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि गूगल फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी करेगा। ऐसे में पहली बार तमिलनाडु में गूगल पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन किया जाएगा। राज्य सरकार ने गूगल के प्रबंधन के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध गूगल जल्द ही आधिकारिक तौर पर बातचीत करने के लिए अपने अधिकारियों को चेन्नई भेजेगा।

30 लाख नौकरियां पैदा होंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि चेन्नई के पास गूगल पिक्सल स्मार्टफोन की उत्पादन फैक्ट्री लगाने से राज्य के कई पेशेवर आईटी युवाओं को रोजगार मिल जाएगा। मीडिया में आई जानकारी में बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने 2030 तक एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य हासिल करने का टारगेट सेट किया है। इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए निवेशकों ने तमिलनाडु, मलेशिया, सिंगापुर, जापान, फ्रांस और अरब देश में बैठक आयोजित की। इस दौरान लगभग 9.61 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल हुआ। इससे तकरीबन 30 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

गूगल और फॉक्सकॉन मिलकर लगाएंगे फैक्ट्री

वहीं, राज्य उद्योग मंत्री टीआरबी राजा को मुख्यमंत्री की तरफ से कुछ दिशा-निर्देश मिले थे। मुख्यमंत्री की ओर से मिले दिशा-निर्देश में उद्योग मंत्री टीआरबी राजा को अमेरिकी यात्रा और वहां पर गूगल और फॉक्सकॉन के साथ आधिकारिक बातचीत के लिए क्या चर्चा करनी है, इस बारे में जानकारी दी गई थी। राज्य के मंत्री की बैठक का नतीजा ये रहा कि अब गूगल और फॉक्सकॉन साझेदारी में तमिलनाडु राज्य में पिक्सल फोन का उत्पादन शुरू करेंगे। इसके लिए गूगल ने राज्य सरकार को ऑफर दिया और गूगल पिक्सल फोन का उत्पादन शुरू करने के लिए तमिलनाडु में प्लांट लगाया जाएगा।

अदालत में इंफोसिस लिमिटेड की याचिका खारिज,टैंजेडको के आदेश को दी गई थी चुनौती

चेन्नई, 24 मई (एजेंसियां)।

मद्रास उच्च न्यायालय ने इंफोसिस लिमिटेड द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में तमिलनाडु उत्पादन और वितरण निगम (टैंजेडको) द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी गई थी। टैंजेडको ने इंफोसिस लिमिटेड को छह करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया था।

याचिका में क्या मांग की गई थी

न्यायमूर्ति जी के इलानथिरायन द्वारा इंफोसिस लिमिटेड द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया गया। याचिका में टैंजेडको को केवल औद्योगिक शुल्क वसूलने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। बता दें कि टैंजेडको ने एक आदेश पारित कर इंफोसिस को 6,72,95,384 रुपये का भुगतान करने को कहा था।

समझौते का अवलोकन करने के बाद अदालत ने क्या कहा

अदालत में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जी के इलानथिरायन ने कहा कि इंफोसिस लिमिटेड और टैंजेडको के बीच हुए समझौते के अवलोकन से कुछ बातें पता चली हैं। पता चला कि उस परिसर के लिए कोई किराया नहीं दिया जा रहा था, जो याचिकाकर्ता को दिया गया था। साथ ही बिजली और पानी का शुल्क भी नहीं दिया गया था। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि किराया, बिजली और पानी शुल्क का भुगतान नहीं करने के बाद भी याचिकाकर्ता ने अपने सेवा प्रदाताओं से लाइसेंस शुल्क एकत्र किया।

टाटा के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने पहली बार वेतन बढ़ाने का किया ऐलान

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)।

एयर इंडिया ने 2022 में टाटा समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद पहली बार गुरुवार को 31 दिसंबर, 2023 से पहले एयरलाइन में शामिल होने वाले अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की. एयरलाइन में ग्राउंड स्टाफ, केबिन क्रू और पायलट सहित लगभग 18,000 कर्मचारी हैं. एयर इंडिया के बयान में कहा गया, वित्तवर्ष 2023-2024 के दौरान विहान के टेक-ऑफ चरण के एक भाग के रूप में एयर इंडिया ने विकास और परिवर्तन के लिए मजबूत नींव रखते हुए महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किएज् अपनी यात्रा को सक्षम करने के लिए हमने अपने मानव संसाधन अभ्यास में पिछले साल दो महत्वपूर्ण बदलाव किए. मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ), रवींद्र कुमार जी.पी. ने एक पत्र में कहा है, हमने एक समकालीन वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया, राइज लॉन्च की और कर्मचारियों के लिए एक सरलीकृत, बाजार-प्रतिस्पर्धी और उत्पादकता-उन्मुख मुआवजा संरचना में बदलाव किया. पिछले वित्तीय वर्ष के लिए हमारी मूल्यांकन प्रक्रिया और मुआवजा योजना पूरी हो चुकी है. हमें 1 अप्रैल, 2024 से वार्षिक वेतन वृद्धि और कंपनी और व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर वित्तवर्ष 2023-24 के लिए प्रदर्शन बोनस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. पायलटों को प्रति माह 5,000 रुपये से 15,000 रुपये तक वेतन वृद्धि और जूनियर फर्स्ट अधिकारियों से लेकर वरिष्ठ कमांडरों के लिए 42,000 रुपये से 1.8 लाख रुपये प्रति वर्ष तक का बोनस मिलेगा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का 7,000 करोड़ का हाउसिंग प्रोजेक्ट आया संकट में

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का मुंबई में 7,000 करोड़ रुपये का रियल्टी प्रोजेक्ट खतरे में पड़ गया है। रक्षा मंत्रालय ने इस पर आपत्ति जताते हुए काम रोकने की मांग की है। मंत्रालय ने कहा है कि यह परियोजना केंद्रीय आयुध डिपो (सीओडी) के कांदिवली परिसर के बहुत करीब है। गोदरेज रिजर्व प्रोजेक्ट 18.6 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है। कंपनी की वित्त वर्ष 24 नियामक फाइलिंग के अनुसार उसने पहले ही लगभग 1.91 मिलियन वर्ग फीट पर प्रोजेक्ट लॉन्च कर दिया है और उसे 1.51 मिलियन वर्गफीट की बुकिंग के लिए 2,693 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। डिफेंस मिनिस्ट्री की यूनिट ने प्रोजेक्ट के खिलाफ काम रोकने का नोटिस मांग की है। उसने म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ ग्रेटर मुंबई के बिल्डिंग प्रपोजल डिपार्टमेंट को एक नोट भेजकर कहा है कि गोदरेज का प्लॉट उसके कांदिवली परिसर के 500 मीटर के भीतर स्थित है। इस बारे में गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रवक्ता ने कहा कि एक जिम्मेदार डेवलपर के रूप में, हमारी सभी परियोजनाएं संबंधित अधिकारियों से उचित और आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद शुरू होती हैं।

इस मामले में भी संबंधित अधिकारियों और रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण से सभी अपेक्षित मंजूरियां ली गई हैं, हमें किसी भी संबंधित अथॉरिटी से किसी भी नियम के उल्लंघन के बारे में कोई नोटिस नहीं मिला है। सीओडी ने केंद्र सरकार के मई 2011 के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा है कि किसी भी रक्षा प्रतिष्ठान के 100 मीटर के भीतर निर्माण गतिविधि की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के बाद रक्षा प्रतिष्ठान के 100-500 मीटर के दायरे में अधिकतम चार मंजिल तक के निर्माण की अनुमति है।

सोना 71,450, चांदी लगभग 90,600 रुपए

नई दिल्ली। सोने के वायदा भाव में शुक्रवार को भी गिरावट देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव में सुधार देखने को

मिला और शुक्रवार को इसके भाव तेजी के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 109 रुपये की गिरावट के साथ 71,468 रुपये के भाव पर खुलकर 126 रुपये की गिरावट के साथ 71,451 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 125 रुपये की तेजी के साथ 90,562 रुपये पर खुलकर 193 रुपये की तेजी के साथ 90,630 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,330.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,337.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.33 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.45 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की गिरावट के साथ 30.42 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

विदेश में ट्रेनिंग करेंगे लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु, खेल मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय शटलर लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु अपनी ओलंपिक तैयारियों के तहत क्रमशः फ्रांस और जर्मनी में प्रशिक्षण लेंगे। इसकी खेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। दरअसल, सेन ने फ्रांस के मार्सिले में 12 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के लिए वित्तीय सहायता मांगी थी। वह आठ-21 जुलाई तक अपने कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ द हाले डेस स्पोर्ट्स पार्सेमेन में प्रशिक्षण लेंगे। वहीं, सिंधु जर्मनी के सारब्रुकन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्सक्यूल में प्रशिक्षण लेंगी। पेरिस जाने से पहले वह अपने कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ एक महीने से अधिक समय तक वहां अभ्यास करेंगी। मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि, खेल मंत्रालय की लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत उनके (लक्ष्य-सिंधु) हवाई किराया, बोर्डिंग/आवास लागत, स्थानीय परिवहन शुल्क, वीजा शुल्क, शटलकॉक खर्चों के वित्तपोषण को मंजूरी दे दी गई। बैठक के दौरान खेल मंत्रालय ने टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला और तीरंदाज तिशा पुनिया के उपकरण खरीदने के समर्थन के प्रस्तावों और गोल्फर अदिति अशोक और तैराक आर्यन नेहरा के विभिन्न प्रतियोगिताओं में यात्रा के लिए सहायता के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी। इसमें आगे कहा गया है कि, टॉप्स उनके हवाई किराया, आवास लागत, स्थानीय परिवहन लागत और आर्यन के उपकरण और अदिति की कैडी फीस का वित्तपोषण करेगा। खेल मंत्रालय ने टेबल टेनिस खिलाड़ी हरमीत देसाई और महिलाओं की 4×400 रिले टीम को टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल करने और पहलवान निशा (68 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा) को कोर ग्रुप में पदोन्नत करने की भी मंजूरी दे दी। मंत्रालय ने लॉस एंजिल्स और ब्रिस्बेन में क्रमशः 2028 और 2032 ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगामी गोल्फर कार्तिक सिंह को टॉप्स डेवलपमेंट में शामिल किया।

न्यूज ब्रीफ

बचपन में पिता को खोने वाली 15 साल की प्रीतिस्मिता ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, 133 किलो वजन उठाकर जीता सोना

नई दिल्ली । ओडिशा के पिछड़े इलाके ढेंकनाल की 15 वर्षीय वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता भोई ने पेरू की राजधानी लीमा में इतिहास रच दिया। विश्व युवा वेटलिफ्टिंग बैंपियनशिप में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। प्रीतिस्मिता ने 40 किलो भारवर्ग में कुल 133 (57+76) किलो वजन उठाया। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 76 किलो वजन उठाकर 75 किलो का विश्व कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया। ओडिशा की ही ज्योशना साबर ने इसी भारवर्ग में कुल 125 किलो वजन के साथ रजत पदक जीता। विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली युवा मीराबाई चानू के बाद दूसरी और युवा वर्ग में विश्व कीर्तिमान बनाने वाली प्रीतिस्मिता देश की पहली वेटलिफ्टर हैं। चानू सीनियर वर्ग में क्लीन एंड जर्क का विश्व रिकॉर्ड बना चुकी हैं। बचपन में पिता को खोया, मां ने संघर्षों से पाला दो साल की उम्र में उठा पिता का साया, कोच ने स्कूल में दौड़ते देखा तो मां से गुहार लगा बनाया वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता सिर्फ दो साल की थीं, जब उनके सिर से पिता का साया उठ गया। मां के ऊपर मुसीबतों को पहाड़ टूट पड़ा। उन्होंने दोनों बेटियों को संघर्षों के साथ पिता बनकर पाला और ढेंकनाल के केंद्रीय विद्यालय में दाखिला कराया। यहीं कोच गोपाल कृष्ण दास ने दोनों बहनों को स्कूल मीट में दौड़ते देखा तो उन्हें वेटलिफ्टर बनाने का फैसला किया। दोनों ने ही चार वर्ष के अंदर परिणाम देने शुरू कर दिए हैं। बहन भी हैं राष्ट्रीय पदक विजेता गोपाल बताते हैं कि वह केंद्रीय विद्यालय की स्कूल मीट में गए थे। यहां दो बहनें बड़ी विदुस्मिता और छोटी प्रीतिस्मिता 100, 400 मी. दौड़ में पहले और दूसरे स्थान पर आ रहीं थीं। उन्हें लगा दोनों को लिफ्टर बनाया जा सकता है। तब उन्होंने उनकी मां जमुना देवी से बात की। वह तैयार नहीं हुई कि वजन उठाने वाले खेल में उनकी बेटियां आएं। काफी समझाने के बाद वह तैयार हो गईं। विदुस्मिता भी राष्ट्रीय यूथ वेटलिफ्टिंग, खेलो इंडिया में पदक जीत चुकी हैं। पहले दिन भारत के खाते में चार पदक लीमा (पेरू) में चल रही चैंपियनशिप के पहले दिन भारत को चार पदक मिले। 40 भारवर्ग में प्रीतिस्मिता और ज्योशना के अलावा 45 भारवर्ग में पायल ने 147 (65+82) किलो वजन उठाकर रजत जीता। लड़कों के 49 भारवर्ग में बाबूराम हेंब्रोम ने कुल 193 (86-107) किलो वजन के साथ कांस्य जीता।

फ्रेंच ओपन में खेलने उतरेंगे राफेल नडाल, एलेक्सजेंडर ज्वेरेव से होगा मुकाबला

पेरिस । स्पेन के राफेल नडाल ने आखिरकार वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में खेलने का फैसला किया है। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल का पहले दौर में सामना एलेक्सजेंडर

ज्वेरेव से होगा। इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ जारी किया गया जिसके अनुसार 14 बार फ्रेंच ओपन जीत चुके नडाल को पहले दौर में ही कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा। नडाल के खेलने को लेकर चल रहा था संशय नडाल इस बात को लेकर असमंजस में थे कि दो सत्रों से चोट के कारण प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के बाद रोलां गैरों में प्रतिस्पर्धा करेंगे या नहीं। कूल्हे की सर्जरी के कारण वह पिछले साल फ्रेंच ओपन में नहीं खेल पाए थे। इस महीने इटालियन ओपन में हार के बाद नडाल ने कहा कि उन्हें इस बारे में सोचने की जरूरत है कि पेरिस में खेलना है या नहीं। उन्होंने हालांकि लाल बजरी पर अभ्यास जारी रखा था और उनका नाम आधिकारिक तौर पर ब्रैकेट में था। नडाल को टूर्नामेंट में कोई वरीयता नहीं मिली है।

रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक के लिए बालाजी या भांबरी को बना सकते हैं जोड़ीदार

नई दिल्ली । आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना रोहन बोपन्ना एन श्रीराम बालाजी या युकी भांबरी के साथ जोड़ी बना सकते हैं। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के अनुसार विश्व युगल रैंकिंग में बोपन्ना शीर्ष दस में होने के कारण अपना जोड़ीदार स्वयं चुन सकते हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरूष युगल ड्रॉ में 32 टीमें होंगी जिसमें से एक देश अधिकतम दो टीमें रख सकता है। क्वालीफिकेशन मानदंडों के तहत शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ी अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं जो एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 300 के भीतर होना चाहिये। फ्रेंच ओपन के बाद 10 जून की रैंकिंग क्वालीफिकेशन के लिये मान्य होगी। एआईटीए सूत्रों के अनुसार बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिये उनके जोड़ीदार के तौर पर टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल करने के लिये एआईटीए को बालाजी और भांबरी का नाम भेजा है। एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने कहा ,'' आम तौर पर खिलाड़ी अपना जोड़ीदार खुद चुनता है। चयन समिति उससे विकल्प पूछेगी और उस पर बात की जायेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद फिर फाइनल में पहुंची राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराया

चेन्नई, 24 मई (एजेंसियां)।

हाइनरिक क्लासन (50), राहुल त्रिपाठी (37) और ट्रैविस हेड (34) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराकर फाइनल में पहुंच गई है।

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चौथे ओवर मे पैट कमिंस ने टॉम कोहलर कैडमोर (10) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यशस्वी जयसवाल और कप्तान संजू सैमसन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान आठवें ओवर में शाहबाज अहमद ने यशस्वी को समद के हाथों कैच आउट करा दिया। यशस्वी ने 21 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। इसके बाद तो हैदराबाद के गेंदबाजों ने कातिलाना प्रदर्शन करते हुए कप्तान संजू सैमसन (10), रियान पराग (6), रवि अश्विन (शून्य), शिमरॉन हेटमायर(4) और रोवमन पॉवेल (6) के विकेट चटकाते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली। ध्रुव जुरेल ने 35 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (56) रन पर नाबाद रहे। राजस्थान की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 139 रन ही बना सकी और 36 से मुकाबला से हार गई।

हैदराबाद की जीत में पैट कमिंस की कप्तानी काबिल ए तारीफ रहीं। उनका बीच के ओवरों में अभिषेक शर्मा और शाहबाज अहमद से गेंदबाजी कराना महत्वपूर्ण फैसला था। ओस का असर नहीं होने के कारण पिच काफी धीमी हो गई थी और गेंद स्पिन कर रही थी।

हैदराबाद की ओर से शाहबाज अहमद तीन विकेट लिये। अभिषेक शर्मा को दो विकेट मिले। पैट कमिंस और थंगारसु नटराजन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 176 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में राजस्थान रायल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर की आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा (12) का विकेट गवां दिया। उसके बाद पांचवें ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने राहुल त्रिपाठी को आउट कर हैदराबाद को दूसरा झटका दिया। राहुल त्रिपाठी ने 15 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (37) रन बनाये। 10वें ओवर में संदीप शर्मा ने ट्रैविस हेड को अश्विन के हाथों कैच आउट करा दिया। हेड ने 28 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (34) रन बनाये। एडन मारक्रम (1), नितीश कुमार रेड्डी (5), अब्दुल समद (शून्य) और शाहबाज अहमद (18) और और जयदेव उनादकट (5) रन बनाकर आउट हुये। हाइनरिक क्लासन ने 34 गेंदों में चार छक्के लगाते हुए सर्वाधिक (50) रन बनाये। कप्तान पैट कमिंस (5) रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 175 रन का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से ट्रेंट बोल्ट और आवेश खान ने तीन-तीन विकेट लिये। संदीप शर्मा को दो विकेट मिले।

पेरिस ओलंपिक में अब स्वर्ण विजेता एथलीटों को मिलेंगे 41.60 लाख रुपए

पेरिस, 24 मई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा। इसके अलावा रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीटों को ही शामिल किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एलएलपीपी होंगे...

उम्मीदवारों की संख्या 1,303 है। यानी, अनपढ़ से होते हुए 12वीं तक पढ़े प्रत्याशियों की तादाद 2430 है। स्नातक (बीए) तक पढ़े उम्मीदवारों की संख्या 1,502 है। पीएचडी करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 198 हैं।

एडीआर ने चुनाव लड़ रहे 8,360 उम्मीदवारों में से 8,337 की शैक्षणिक योग्यता का विश्लेषण करके यह रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट हर चरण में प्रत्याशियों की ओर से दायर की गई हलफनामे पर तैयार की गई है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं। छठा और सातवां चरण क्रमशः 25 मई और 1 जून को निर्धारित किया गया है। वोटों की गिनती 4 जून को होनी है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में कुल 62.2 फीसदी मतदान हुआ। ओड़ीशा की कंधमाल लोकसभा सीट के दो पोलिंग बूथों पर बृहस्पतिवार को दोबारा मतदान होगा। इससे कुल मतदान में आंकड़े बदल सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को अंतिम आंकड़ा जारी किया।आयोग के अनुसार, छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर हुए 4.69 करोड़ पुरुष, 4.26 करोड़ महिलाएं और 5409 तीसरे लिंग समेत कुल 8.95 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता थे। महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। 61.48 फीसदी पुरुषों और 63 फीसदी महिलाओं ने मतदान किया। बिहार और झारखंड में पुरुष व महिला मतदान के बीच अंतर सबसे अधिक रहा। बिहार में 52.42 फीसदी पुरुषों के मुकाबले 61.58 महिलाओं ने मतदान किया। इसी तरह झारखंड में 58.08 फीसदी पुरुषों के आगे 68.65 फीसदी महिलाओं ने वोट डाले। पश्चिम बंगाल में तृतीय लिंग श्रेणी में अधिकतम 38.22 फीसदी मतदान हुआ। 2019 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 64.16 फीसदी मतदान हुआ था। तब सात राज्यों की 51 सीटों पर मतदान हुआ।

पंजाब की...

यह हमारे गुरुओं की पवित्र भूमि है, लेकिन कांग्रेस ने पंजाब को कभी भी जमीन के टुकड़े से ज्यादा नहीं माना। कांग्रेस ने 1947 में अपने परिवार को सत्ता दिलाने के लिए पंजाब को बांट दिया। हमारा करतारपुर साहिब, देश की सीमा के ठीक बगल में है, लेकिन कांग्रेस ने उसे पाकिस्तान को सौंप दिया। मैंने तो कहा कि मैं होता तो करतारपुर साहब भारत से जाने नहीं देता। 1971 के युद्ध में समर्पण करने वाले एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों को तभी छोड़ता जब करतारपुर साहब हासिल कर लेता।

जालंधर में भी मोदी के निशाने पर कांग्रेस ही रही। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने चहेते इतिहासकारों से जो इतिहास की किताबें लिखवाईं, उसमें दो परिवारों का जिक्र रहा, एक अपने परिवार का और दूसरा मुगल परिवारों का। नतीजा यह हुआ कि देश की कितनी ही पीढ़ियां हमारे साहिबजादों के बलिदान से सही से परिचित ही नहीं हो पाईं। कांग्रेस को लगता था कि साहिबजादों की बात करेंगे तो वोटबैंक नाराज हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा, पहले देश में आतंकवाद का खतरा बढ़ता जा रहा था, आज मोदी सरकार ने आतंकवाद की कमर तोड़ दी है। पहले पाकिस्तान की हिम्मत बढ़ती जा रही थी, मोदी ने जब से घर में घुसकर मारा, तब से पाकिस्तान भी कुछ करने से पहले सौ बार सोचता है। आज देश भी समझ रहा है, जहां तक कांग्रेस है समस्याएं हैं और जहां भाजपा है समाधान है।प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले 10 साल में पहली बार देश ने एक नया दौर देखा है। कांग्रेस के समय में नई-नई समस्याएं पैदा होती थीं, मोदी ने पहली बार समस्याओं के हल निकाले हैं। कांग्रेस के समय, गरीबी का संकट गहराता जा रहा था, मोदी के समय में आज 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। कांग्रेस के समय, देश की अर्थव्यवस्था संकट में थी, आज पहली बार भारत, विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश में पांच चरण का मतदान हो चुका है। छठे चरण का मतदान भी कल होने जा रहा है। कल तक जो लोग भाजपा के खिलाफ गुब्बारा फुल रहे थे, उनका गुब्बारा भी फूट चुका है। अब कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को कोई वोट देना नहीं चाहता।पीएम ने कहा कि आज ड्रग्स डीलरों को पंजाब में फ्री लाइसेन्स मिला हुआ है। परिवार के परिवार बर्बाद हो रहे हैं। पंजाब के लोग भी समझ गए हैं, झाडू पार्टी वाले तो खुद नशे के होलसेल व्यापारी हैं। जिन्होंने इतना बड़ा शराब घोटाला किया हो, वो पंजाब में ड्रग्स की काली कमाई में डुबकी कैसे नहीं लगाएंगे? आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि इस पार्टी ने कांग्रेस से आपातकाल का पाठ भी अच्छे से सीख लिया है। ये कांग्रेस की फोटोकॉपी पार्टी, जो मीडिया हाउस इनकी धमकी के आगे नहीं झुक रहा, उन पर ये मुकदमे करवा रहे हैं। यही इनकी असलियत है। भाजपा, फ्रीडम ऑफ प्रेस के खिलाफ झाड़ू वालों की मनमानी नहीं चलने देगी।

तिहाड़ जेल ऑर्डर ...

सीएम को अपनी सरकार चलाने के लिए नए आदेश लेने के लिए तिहाड़ जेल जाना पड़ा। 1 जून के बाद भ्रष्टाचारी फिर जेल जाएंगे। क्या पंजाब सरकार फिर से जेल से काम करेगी? पीएम मोदी ने रैली के दौरान विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि पंजाब देश का सीमावर्ती राज्य है, हमें इसे दोबारा से संकट में नहीं जाने देना है। कांग्रेस ने दशकों तक यहां जो पाप किए, अब झाड़ू पार्टी कांग्रेस की उसी विष बेल को खाद पानी दे रही है। इन्होंने कहा था कि ये दो महीने में नशे का कारोबार बंद करेंगे। लेकिन आज पंजाब में ड्रग डीलर्स को फ्री लाइसेंस मिला हुआ है। पंजाब के लोग भी समझ गए हैं कि झाड़ू पार्टी वाले नशे के थोक व्यापारी हैं। जिन्होंने इतना बड़ा शराब घोटाला किया हो वे पंजाब की काली कमाई में डुबकी कैसे नहीं लगाएंगे?

हमें लंबे समय...

बाकी तो सब अदालत और कचहरी का काम है, उससे फर्क नहीं पड़ता।अजित डोभाल ने कहा कि सरकार ने पिछले 10 वर्ष में सीमा सुरक्षा पर बहुत अधिक ध्यान दिया है और इस अवधि में हमारी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति बहुत बढ़ी है। भारत तेजी से बदल रहा है और अगले दस वर्ष में हम दस हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। डोभाल ने इसे अहम उपलब्धि करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत के पास सबसे बड़े कार्यबलों में से एक होगा और यह उच्च प्रौद्योगिकी कृत्रिम मेधा, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग और रक्षा एवं सुरक्षा विनिर्माण के क्षेत्रों का गढ़ होगा।

अजित डोभाल ने कहा कि जो देश दूसरे देशों से हथियार मंगाता था, उसने 31 मार्च तक 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के हथियारों का निर्यात किया। यह सरकार की आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भर भारत की नीति के कारण एक बड़े निर्यातक के रूप में उभरा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि इस बदलते हुए भारत में कुछ हद तक समृद्धि सुरक्षा की गारंटी है और कई बड़े क्षेत्रों में संवेदनशीलता बढ़ाती है। ये सभी राष्ट्रीय शक्ति के घटक हैं या जिसे चीनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति कहते हैं। आपकी अर्थव्यवस्था, आपका भौगोलिक विस्तार, आपकी भू-रणनीतिक स्थिति, रक्षा बल, तकनीकी उपलब्धियां और भारत की व्यापक राष्ट्रीय शक्ति काफी अधिक होगी।

समारोह में 10 बहादुर सीमा प्रहरियों को उनकी बहादुरी के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। इनमें से सात वीरों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। उनके परिजनों को पदक देकर सम्मानित किया गया। उन सभी वीरों के समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए सभी अतिथियों ने अपना आभार और सम्मान प्रकट किया।

सीमा की सुरक्षा...

मिला दिया जाए तो अलग-अलग बल अपनी पहचान खो देंगे। डोभाल ने सीमा सुरक्षा एजेंसियों को सीमावर्ती लोगों से मित्रता करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को साथ लिए बिना सीमा की रक्षा नहीं की जा सकती। डोभाल ने कहा कि कम से कम अपनी तरफ से तो सीमा के लोगों से दोस्ती करो, उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि आप उन पर शासन करने या उन्हें विनियमित करने के लिए वहां हैं।

एनएसए डोभाल ने सीमा की सुरक्षा के लिए नवीनतम तकनीक अपनाने का भी आह्वान किया। डोभाल ने हमास द्वारा इजराइल पर किए गए रॉकेट और मिसाइल हमले का उदाहरण देते हुए कहा कि इजराइल पर सिलसिलेवार 1500 मिसाइलें लॉन्च की गईं। लगभग 99 प्रतिशत मिसाइलों को रोक दिया गया था। केवल 2-3 मिसाइलें ही मार करने में सक्षम थीं। यह प्रौद्योगिकी की शक्ति है। डोभाल ने कहा कि नवीनतम तकनीक ने इजराइल को इतने विनाशकारी आतंकी हमले से बचा लिया।

डोभाल ने कहा कि तकनीकी परिवर्तन आवश्यक है। हमारे सीमा रक्षकों को सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि सीमा का भारत की आंतरिक सुरक्षा और स्थिरता पर प्रभाव पड़ता है। डोभाल ने रणनीतिक सोच के लिए कमजोरियों को लेकर कहा कि हमें इमें इसका अनुमान लगाने की आवश्यकता है। सीमा की कमजोरी एक बड़ा मुद्दा है। हालांकि जहां तक इस मुद्दे पर काबू पाने का सवाल है, पिछले 10 साल में भारत ने बहुत कुछ हासिल किया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत की पूर्वी और पश्चिमी दोनों सीमाएं असुरक्षित रहेंगी तो इससे हमारी आंतरिक सुरक्षा प्रभावित होगी। डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री हर दिवाली सीमा सुरक्षा एजेंसियों के जवानों के साथ मनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने में भी व्यक्तिगत रुचि ली है कि सीमावर्ती राज्यों के सभी प्रमुख सीमा का दौरा किया करें। डोभाल ने अंतरराष्ट्रीय सीमा की पवित्रता के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के विभिन्न तैनाती परिदृश्यों को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करके राष्ट्र की संप्रभुता को बनाए रखने में बीएसएफ की असाधारण भूमिका पर प्रकाश डाला।इस अवसर बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने रणनीति, बुनियादी ढांचे, हथियार और प्रशिक्षण के मामले में खुद को तैयार करने में बल के निरंतर प्रयास पर जोर दिया। उन्होंने हाल ही में कांकेर में माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ को बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि फोर्स ने नक्सलियों को कई बड़े झटके दिए हैं। हाल ही में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान, बीएसएफ ने डीआरजी के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के कांकेर इलाके में 29 कट्टर माओवादियों को मार गिराने के साथ भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था। बीएसएफ महानिदेशक ने सद्भावना बनाने और सीमावर्ती निवासियों का विश्वास हासिल करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में एजेंसी द्वारा की गई विभिन्न पहलों का भी उल्लेख किया। इसमें चिकित्सा शिविर, शैक्षिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएं, सीमा चौकियों पर बच्चों के लिए साहसिक बूट शिविर आदि शामिल हैं।

मेनका से ...

इस लोकसभा चुनाव में कई ऐसी सीटें हैं जहां सबकी नजरें हैं। ऐसी ही एक सीट है राजधानी दिल्ली की उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट। वर्तमान में यहां से भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी सांसद हैं। इस बार भी भाजपा ने मनोज तिवारी को उत्तर पूर्वी दिल्ली से अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने उनके सामने जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को मैदान में उतारा है। पूर्वांचल और बिहार से आने वाले दो चर्चित चेहरों के यहां से उतरने के कारण मुकाबला दिलचस्प हो गया है। 2019 में भाजपा ने एक बार फिर दिल्ली की सभी सात सीटों पर जीत हासिल की। इनमें उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट की जीत भी शामिल रही। इस चुनाव में मुकाबला था भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बीच। नतीजे सामने आए तो उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर मनोज ने कांग्रेस की शीला दीक्षित को हरा दिया। 2019 में यहां 63.86 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भी इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। हरियाणा की करनाल सीट से भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को उतारा है। मार्च 2024 में नायब सिंह सैनी की ताजपोशी से पहले वह हरियाणा के मुख्यमंत्री थे। अब विधायकी से इस्तीफा देकर लोकसभा की जंग में उतरे हैं। उनके सामने युवा कांग्रेस प्रदेश के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा हैं। इसके अलावा जजपा ने देवेंद्र कादियान को मौका दिया है। बीते चुनाव में करनाल में भाजपा के संजय भाटिया ने जीत दर्ज की थी। 2019 में यहां 68.35 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई थी।इसी तरह कई अन्य मंत्रियों का भाग्य भी दांव पर लगा है। इनमें संबलपुर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, गुड़गांव से कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह, फरीदाबाद से ऊर्जा राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और बांकुरा से शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार शामिल हैं।मतदान के छठे चरण में यूपी की 14 लोकसभा सीटों पर चुनाव होगा, जिनमें 161 उम्मीदवार मैदान में है। हरियाणा में 10 सीटों पर मतदान होगा, जिनमें 223 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। बिहार की 8 सीटों पर मतदान होगा, जहां 86 प्रत्याशी मैदान में हैं। पश्चिम बंगाल की भी 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होगा, जहां 79 प्रत्याशी मैदान में हैं। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर 162 प्रत्याशी, ओड़ीशा की 6 सीटों पर 64 प्रत्याशी, झारखंड की 4 सीटों पर 93 प्रत्याशी, जम्मू-कश्मीर की 1 लोकसभा सीट के लिए 20 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जहां कल 25 मई को मतदान होना है। इस तरह कुल 58 लोकसभा सीटों पर कल 889 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होना है।

विमान में टर्बुलेंस से यात्रियों को दिमाग और रीढ़ में आई चोटें, 20 लोग अब भी आईसीयू में

सिंगापुर, 24 मई (एजेंसियां) ।

लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में खतरनाक टर्बुलेंस की वजह से कई यात्री गंभीर चोटों का शिकार हुए हैं। बताया गया है कि ज्यादातर घायलों को दिमाग और रीढ़ में चोटें आई हैं। थाईलैंड में विमान की आपात लैंडिंग के बाद जिन यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, उनमें से कई ने टर्बुलेंस की इस घटना का खौफनाक मंजर बयां किया। इस बीच बैंकॉक हॉस्पिटल के प्रमुख ने बताया कि जिन यात्रियों को अस्पताल लाया गया, उनमें से 20 को आईसीयू में रखा गया है। इनमें कई लोगों को सिर, दिमाग और रीढ़ की चोटें आई हैं। गौरतलब है कि 20 मई को लंदन (हीथ्रो) से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने वाली सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) की उड़ान एसक्यू 321 को प्रस्थान के लगभग 10 घंटे बाद 37,000 फीट की ऊंचाई पर इरावदी बेसिन पर अचानक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। हादसे में एक 73 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि 104 लोग बुरी तरह से घायल हो गए थे। बैंकॉक के समितिवेज श्रीनाकरिन अस्पताल के निदेश ने कहा कि उनका स्टाफ अभी छह लोगों के सिर और दिमाग पर चोट का इलाज कर रहा है। वहीं, 22 लोगों की रीढ़ और 13 लोगों की हड्डियों, मांसपेशियों और अन्य चोटों का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि विमान में टर्बुलेंस की वजह से इस तरह की चोटों का उनके अस्पताल में पहली बार इलाज हो रहा है। जिन लोगों को चोटें आई हैं, उनमें दो साल के बच्चे से लेकर 83 साल के बुजुर्ग तक शामिल हैं। यात्रियों ने बताया टर्बुलेंस का खौफनाक मंजर इस बीच टर्बुलेंस का शिकार हुई सिंगापुर एयरलाइन में सवार यात्रियों ने घटना के बारे में विस्तार से बताया है। एक यात्री ने कहा कि विमान के कुछ मिनटों के अंदर ही 6000 फीट तक नीचे जाने के बावजूद यात्रियों को सीट बेल्ट पहनने की बहुत थोड़ी चेतावनी दी गई। ब्रिटिश यात्री जॉश सिल्वरस्टोन ने अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद बताया- मैं पहले अचानक फर्श पर गिर पड़ा। मुझे समझ नहीं आया। लगा कि जैसे मेरा सिर कहीं लड़ गया है। विमान में सभी लोग चिल्ला रहे थे। लोग डरे हुए थे। मैंने विमान में चालू वाई-फाई को शुरू किया और मैं को मैसेज में कहा कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं।

न्यूज ब्रीफ

बाइक चलाने का शौक पड़ा चेक गणराज्य के राष्ट्रपति को महंगा, हादसे का हुए शिकार, अस्पताल में भर्ती

प्राग । चेक गणराज्य के राष्ट्रपति पेट्र पावेल एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। हालांकि, शुक्र रहा कि ज्यादा गंभीर चोटें नहीं आईं। उनके कार्यालय ने एक्स पर जानकारी दी कि पावेल को बाइक हादसे के बाद प्राग के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस अस्पताल में रहेंगे भर्ती राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि पेट्र पावेल की चोटें गंभीर नहीं हैं, लेकिन उन्हें देखभाल की जरूरत है। इसलिए वह प्राग के मिलिट्री विश्वविद्यालय अस्पताल में कुछ दिनों तक भर्ती रहेंगे। कार्यक्रमों पर असर 62 वर्षीय पावेल के प्रवक्ता विट कोलार ने एक टीवी चैनल को बताया, राष्ट्रपति अस्पताल में कई दिन रहेंगे। इसका उनके तय कार्यक्रमों पर असर पड़ सकता है। हालांकि, इसलिए हमारा मानना है कि इसका ज्यादा असर नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि पावेल अगले सप्ताह विदेश यात्रा के लिए फिट होंगे या नहीं। उसी को देखते हुए आगे के कार्यक्रम तय किए जाएंगे। जॉर्डन की यात्रा पर सवाल उठे पावेल के कार्यालय ने इससे पहले जानकारी दी थी कि राष्ट्रपति जॉर्डन जाएंगे, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि क्या अगले सप्ताह की यात्रा की योजना है। एक राजनयिक सूत्र के अनुसार, प्राग में एक अनौपचारिक बैठक में नाटो के विदेश मंत्रियों से पावेल के मिलने की भी उम्मीद है। बाइक चलाने का शौक एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति एक बंद रेसिंग सर्किट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। इसलिए पुलिस दुर्घटना की जांच नहीं कर रही है। बता दें, पूर्व नाटो जनरल पावेल एक मोटरसाइकिल चालक के रूप में अपने जुनून के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान में उनके पास बीएमडब्ल्यू आर 1200 जीएस है। पिछले साल बने थे राष्ट्रपति आपको बता दें कि पेट्र पावेल नाटो उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पावेल 1990 के दशक से 2018 तक सेना में रहे हैं। 61 वर्षीय सेवानिवृत्त जनरल पावेल ने पिछली साल पहली बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था। उन्हें 58 फीसदी से अधिक मत मिले थे। आपको बता दें कि आठ शुरुआती उम्मीदवारों में से किसी को भी दो सप्ताह पहले मतदान के पहले दौर में पूर्ण बहुमत नहीं मिला, पावेल और अरबपति कारोबारी आंद्रेज बाबिस के बीच दूसरे दौर के रन-ऑफ में चुनाव हुआ था। उन्होंने बाबिस को हरा दिया था। अमेरिका के करीबी हैं पावेल तत्कालीन राष्ट्रपति मिलोस जमैन ने चुनावों में अरबपति आंद्रेज बाबिस को समर्थन दिया था। जमैन चेक रिपब्लिक में लोकप्रिय वोट से चुने गए पहले राष्ट्रपति थे। जमैन बीजिंग और मास्को के साथ घनिष्ठ संबंधों के पक्षधर थे, वहीं पावेल अमेरिका के करीबी और नाटो के समर्थक हैं। संसद में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के प्रमुख और उद्योगपति बाबिस ने महंगाई को चुनावी मुद्दा बनाया था। उन्होंने चुनाव प्रचार में आशंका जताई थी कि यूक्रेन से युद्ध चेक गणराज्य में फैल सकता है और युक्रेन-रूस के बीच शांति वार्ता में मध्यस्थता के प्रयास करने की बात कही थी।

ताइवान को घेर कर चीन का सैन्याभ्यास दूसरे दिन भी जारी, अहम हिस्सों पर कब्जे की कर रहा तैयारी

बीजिंग, 24 मई (एजेंसियां) ।

चीन और ताइवान के बीच लंबे समय से संघर्ष जारी है। चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास के दूसरे दिन की शुरुआत की। इसका उद्देश्य ताइवान के प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जा करना है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने चीनी सैन्य अभ्यास पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम अपने देश की अखंडता और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। ताइवान ने भी अपनी वायुसेना, नौसेना और थलसेना को अलर्ट पर रखा है। गौरतलब है कि लाई चिंग-ते ने ताइवान के नए राष्ट्रपति के तौर पर कार्यभार संभाला था, जिससे चीन बौखलाया हुआ है।

सैन्याभ्यास का यह है उद्देश्य - मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के पूर्वी थिएटर कमांड ने कहा कि उसकी सेना ने 'ज्वाइंट स्वॉर्ड- 2024ए' अभ्यास जारी रखा। इसका उद्देश्य सत्ता पर कब्जा करना, संयुक्त हमले शुरू करना और प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जा करना है। साथ ही ताइवान की क्षमता का आकलन करना है। चीन ने सैन्य अभ्यास शुरू किया था। सैन्य युद्धाभ्यास को लेकर संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया। अमेरिका ताइवान का कट्टर सहयोगी और सैन्य समर्थक है। बता दें, चीन ने ताइवान को अपना अभिन्न क्षेत्र मानते हुए लाई को अलगाववादी करार दिया है। लाई ने अपने भाषण में बीजिंग के खतरों को रोकने का आह्वान किया। चीन ने इस भाषण की आलोचना की।

ताइवान के क्षेत्र में 49 विमान और 19 चीनी जहाज दिखे - ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने अपने क्षेत्र के पास चीनी सैन्य विमानों और जहाजों की उपस्थिति की सूचना दी। एमएनडी के अनुसार, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के कुल 49 विमान और 19 चीनी जहाज दिखे हैं। विमानों में एसयू-30, जे-16 और केजे-500 शामिल हैं। 35 चीनी विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिम वायु रक्षा क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए हैं। ताइवान की सेना इस पर बारीकी से नजर रख रही है।

ताइवान में नई सरकार बनने पर बौखलाया चीन - लाई चिंग-ते ने ताइवान के नए राष्ट्रपति के तौर पर कार्यभार संभाला। अपने शपथ समारोह में उन्होंने कहा था कि चीन को युद्ध की धमकी छोड़ देनी चाहिए। राष्ट्रपति लाई अपने भाषण में स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों पर जोर दिया था। उन्होंने बाहरी चुनौतियों और खतरों के खिलाफ ताइवान की रक्षा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा था कि हम स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा करेंगे। क्षेत्र में शांति और स्थिरता की रक्षा करना जारी रखेंगे। लाई के कार्यभार संभालने पर चीन ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। लाई को बधाई देने के लिए चीन ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की निंदा की। चीन ने ताईपे का समर्थन करने वाले एक अमेरिकी कांग्रेसी और अमेरिका के रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध भी लगाया।

चीन के सैन्य अभ्यास पर ताइवान के राष्ट्रपति बोले: 'नागरिकों की रक्षा मेरी जिम्मेदारी, चुनौती के सामने डटे हैं

ताइपे । चीन ने ताइवान के खिलाफ अपना व्यापक सैन्याभ्यास शुरू किया। चीनी दुस्साहस के जवाब में ताइवान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने और ताइवान की रक्षा करने की प्रतिज्ञा की। बता दें, चीन ने अपने सैन्याभ्यास को ज्वाइंट स्वॉर्ड- 2024ए नाम दिया है। इसका उद्देश्य ताइवान की सत्ता पर कब्जा करना, संयुक्त हमले शुरू करना और प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जा करना है। साथ ही ताइवान की क्षमता का आकलन करना है। मरीन कॉर्प्स की 66वीं ब्रिगेड का दौरा किया मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ के रूप में पहली बार चिंग-ते ने ताओयुआन में पदस्थ मरीन कॉर्प्स की 66वीं ब्रिगेड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरी जिम्मेदारी देश की रक्षा करना और सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। लाई ने कहा कि हम बाहरी चुनौतियों और खतरों के सामने डट के खड़े हैं। हम स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा करेंगे। हम क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की रक्षा करेंगे। हम सैन्य कर्मियों के साथ खड़े हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेंगे। सेना की क्षमता पर भरोसा जताया नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने सभी नागरिकों को आश्वासन दिया कि अपने पद पर मजबूती से डटे रहें। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेना की क्षमता पर भरोसा जताया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में सुधारों, रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और सैन्य कर्मियों की देखभाल सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। हालांकि, उन्होंने चीनी सेना के सैन्याभ्यास पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की। ताइवान में नई सरकार बनने पर बौखलाया चीन लाई चिंग-ते ने ताइवान के नए राष्ट्रपति के तौर पर कार्यभार संभाला। अपने शपथ समारोह में उन्होंने कहा था कि चीन को युद्ध की धमकी छोड़ देनी चाहिए। राष्ट्रपति लाई अपने भाषण में स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों पर जोर दिया था। उन्होंने बाहरी चुनौतियों और खतरों के खिलाफ ताइवान की रक्षा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

न्यूयॉर्क में हुआ भीषण सड़क हादसा, भारतीय छात्र की गई जान, दूतावास ने जताया दुख

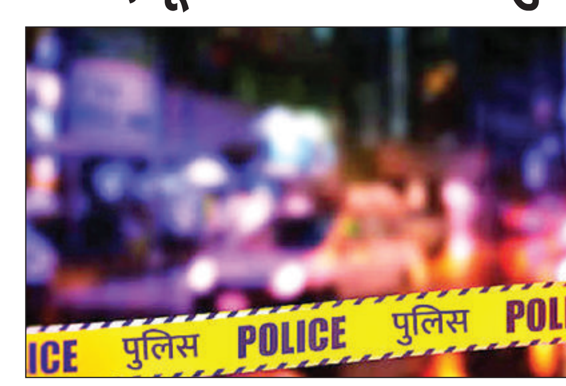

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका से आए दिन किसी न किसी भारतीय की मौत की खबर आती रहती है। अब एक और छात्र की मृत्यु की जानकारी सामने आई है। न्यूयॉर्क में बाइक दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की जान चली गई। यह जानकारी भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दी। बेलेम अच्युत द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क के छात्र थे। उनकी एक बाइक दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही बताया कि वे छात्र के परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। स्थानीय एजेंसियों के संपर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर कहा, एसयूएनवाई के एक छात्र बेलेम अच्युत के असामयिक निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए, वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वे शव को भारत वापस भेजने सहित सभी सहायता प्रदान करने के लिए परिवार और स्थानीय एजेंसियों के संपर्क में हैं। इससे पहले अप्रैल में मृत मिला था एक छात्र यह घटना अमेरिका में भारतीय मूल के छात्रों की मौत की बढ़ती घटनाओं के बीच हुई है। इससे पहले अप्रैल में अमेरिका के ओहायो राज्य में इस साल मार्च से लापता एक भारतीय छात्र मृत पाया गया था। इस घटना पर न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अफसोस जताया था। दूतावास ने कहा था कि मोहम्मद अब्दुल अरफत की मौत की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा था, यह जानकर दुख हुआ कि मोहम्मद अब्दुल अरफत, जिनके लिए तलाशी अभियान चल रहा था, ओहियो के क्लीवलैंड में मृत पाए गए। अरफत के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। वहीं, इस साल मई में भी एक ऐसी घटना सामने आई थी। अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में एक तेज रफ्तार कार के पलट जाने से हुए हादसे में तीन भारतीय मूल के छात्रों की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायल हुए थे। ये सभी पांचों छात्र अल्फारेटा हाई स्कूल और जॉर्जिया विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे। मृतकों की पहचान श्रेया अवसारला, अन्वी शर्मा और आर्यन जोशी के रूप में की हुई।

इमरान खान के पार्टी कार्यालय पर चला बुलडोजर भड़के पार्टी अध्यक्ष, बोले- गरिमा को किया अपवित्र

इस्लामाबाद, 24 मई ।

कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय सचिवालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद पार्टी के अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध इमरान खान पार्टी ने शुरू किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार राजनीतिक पार्टी कार्यालय के गरिमा का उल्लंघन कर रही है। बृहस्पतिवार को अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए सीडीए की अतिक्रमण विरोधी टीम ने अभियान चलाया। पीटीआई के मुख्यालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन के साथ अतिक्रमण विरोधी टीम ने पीटीआई मुख्यालय को सील कर दिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय सचिवालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने मौजूदा सरकार को खूब खरी-खोटी सुनाई। बता दें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी जेल में हैं। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली ने कहा कि सीडीए के पास इस ऑपरेशन का कोई परमिट नहीं था। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में कोई नोटिस तक नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि सरकार ने संसद के बाद सबसे प्रतिष्ठित परिसर होने के बावजूद एक राजनीतिक पार्टी कार्यालय की पवित्रता और नियमों का उल्लंघन किया है। पीटीआई अध्यक्ष ने दावा किया कि कोई अवैध निर्माण परिसर में नहीं था। लेकिन मान लेते हैं कि कोई अवैध निर्माण था, लेकिन सीडीए को ऑपरेशन से पहले सूचना भेजनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि देर रात पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के केंद्रीय कार्यालय पर हथियारबंद हमला और तोड़फोड़। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी पर जनादेश चोर सरकार ने रात के अंधेरे में किए हमले की कड़ी निंदा की।

पीएम मोदी ने भारत का रुतबा बढ़ाया, प्रवासियों को मिली नई पहचान, भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता का दावा

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां) ।

भंडारी का कहना है कि प्रवासी भारतीय अब जब भारत जाता है तो वह देश में जबरदस्त विकास और प्रगति देखता है। भारत में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है फिर चाहे वह बुनियादा ढांचा हो सड़के हों या फिर बुलेट ट्रेन। अमेरिका में भारतीय समुदाय के एक प्रतिष्ठित नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। जयपुर फुट यूएसए के प्रमुख प्रेम भंडारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया में भारत का रुतबा बढ़ाया है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को एक नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक भारतीय प्रवासी 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के उनके लक्ष्य में भागीदार बनने के लिए तैयार है। बता दें, भंडारी राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएएनए) के अध्यक्ष भी हैं। दुनिया भर में गंभीरता से लिया जा रहा है एक साक्षात्कार में भंडारी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2030 से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारतीय प्रवासियों को दुनिया भर में सम्मान से देखा जा रहा है। अब भारतीय समुदाय को दुनिया भर में गंभीरता से लिया जा रहा है फिर चाहे वह अमेरिका हो या फिर सऊदी अरब। इन सब का पूरा श्रेय सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अमेरिका के कैलिफोर्निया की तरह विकसित होगा भंडारी का कहना है कि प्रवासी भारतीय अब जब भारत जाता है तो वह देश में जबरदस्त विकास और प्रगति देखता है। भारत में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है फिर चाहे वह बुनियादा ढांचा हो सड़के हों या फिर बुलेट ट्रेन। मैं राजस्थान का रहने वाला हूं। मुझे विश्वास है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अमेरिका के कैलिफोर्निया की तरह विकसित होगा। मैंने कई देशों के प्रवासी भारतीयों से बात की है और सभी चाहते हैं पीएम मोदी एक बार फिर से चुने जाएं। मुझे विश्वास है कि वे सत्ता में एक बार फिर आएंगे। पीएम मोदी सबसे अधिक प्रवासी-हितैषी प्रधानमंत्री रहे हैं। राम मंदिर में कर चुके हैं दर्शन बता दें, भंडारी हाल ही में भारत आए थे। हर आम भारतीय की तरह वे भी अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर गए थे। उन्होंने वहां 500 किलो लड्डू चढ़ाए थे। लड्डू प्रसादम को फिर एक दर्जन से अधिक देशों में भेजा गया। प्रसाद को प्रवासी समुदाय के बीच वितरित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर दर्ज शिकायतों का भी हो रहा समाधान उन्होंने कहा कि भारत सरकार सोशल मीडिया पर दर्ज शिकायतों के आधार पर भी प्रवासी समुदाय के मुद्दों का समाधान कर रही है।

यूपी की ई-रिक्शा चालक आरती ने जीता ब्रिटेन का शाही पुरस्कार, किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की

लंदन। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले की आरती ने लंदन में प्रतिष्ठित अमल क्लूनी महिला सशक्तीकरण पुरस्कार जीता है। आरती को लंदन में प्रिंस ट्रस्ट ने यह पुरस्कार दिया गया। उन्होंने बकिंघम पैलेस में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। उन्हें सरकार की पिंक ई-रिक्शा पहल के साथ अपने काम के माध्यम से अन्य युवा लड़कियों को प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। आरती कहती हैं कि वह अन्य लड़कियों को प्रेरित करने में सक्षम होने पर गर्व करती हैं जो उनकी तरह चुनौतियों का सामना करती हैं। उन्होंने कहा, इस नई आजादी ने मुझे दुनिया को एक अलग रोशनी में देखने का अनुमति दी है। अब मैं न केवल अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम हूं, बल्कि अपनी बेटी के सपनों को भी पूरा करने में सक्षम हूं, जो पांच साल की है। आरती ने अपनी पहली लंदन यात्रा के दौरान बेटी के लिए कुछ केक और एक जोड़ी जूते खरीदे हैं। किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, यह अद्भुत अनुभव था। किंग से मिलकर बहुत अच्छा लगा और उन्होंने मरे परिवार को भी अपना नमस्ते भेजा है। मैंने बताया कि मुझे अपना ई-रिक्शा चलाना कितना पसंद है, जो प्रदूषण फैलाने वाले डीजल या पेट्रोल से नहीं चलता है। मैं हर रात अपने घर पर उसे चार्ज करती हूं। बकिंघम पैलेस में स्वागत समारोह के लिए आरती एक गुलाबी रिक्शा से पहुंची। इसे न केवल परिवहन के एक स्थायी साधन के रूप में प्रदर्शित किया गया, बल्कि एक विचार और अभियान के रूप में दिखाया गया।

एआई रोबोटिक सर्जरी से हकीकत बन सकता है सिर प्रत्यारोपण का सपना, ब्रेनब्रिज ने पेश की अवधारणा

न्यूयॉर्क, 24 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी स्टार्टअप ब्रेनब्रिज ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित रोबोटिक सर्जरी से सिर प्रत्यारोपण की अवधारणा पेश कर उम्मीदों के नए द्वार खोल दिए हैं। एडवांस न्यूरोसाइंस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र में काम कर रहे ब्रेनब्रिज ने इस तकनीक से जुड़ा वीडियो भी जारी किया है। इसमें दिखाया गया है कि ब्रेनब्रिज सिस्टम एक युवा और पूरी तरह से स्वस्थ शरीर वाले ब्रेन डेड व्यक्ति में बीमार वृद्ध व्यक्ति का सिर प्रत्यारोपित करता है।

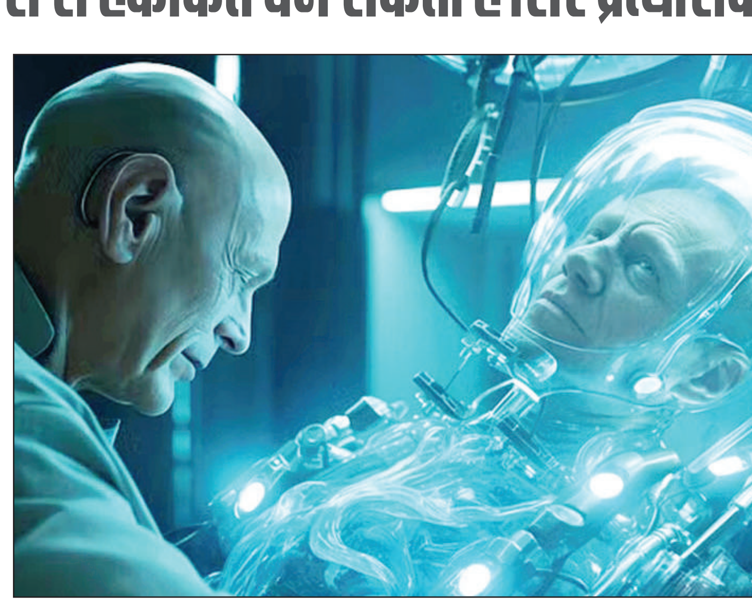

करीब आठ मिनट के इस वीडियो को हशिम अल गायली नाम के यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया है। यह चैनल विज्ञान और वैज्ञानिक अवधारणाओं के बारे में वीडियो पोस्ट करता है। इसके विवरण में कहा गया है कि ब्रेनब्रिज दुनिया की पहली सिर प्रत्यारोपण प्रणाली अवधारणा है, जो संपूर्ण सिर और चेहरे को एडवांस रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से प्रत्यारोपित करता है। स्टार्टअप का दावा है कि अगर वे इस संकल्पना को मूर्त रूप दे पाए तो इस अत्याधुनिक प्रणाली से स्टेज-4 कैंसर, लकवा, अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों से पीड़ित रोगियों को जिंदगी की नई उम्मीद मिल जाएगी। व्यक्ति का सिए नए धड़ पर लगाए जाने के कुछ ही सप्ताह के भीतर व्यक्ति सामान्य जीवन जी पाएगा। व्यक्ति के पास अपनी पुरानी यादें, आदतें और हर तरह के दिमागी कौशल ज्यों के त्यों रहेंगे। साथ ही उसे एक नया रोग मुक्त शरीर मिल जाएगा।

यह होगी सर्जरी की प्रक्रिया

सर्जरी की शुरुआत डोनर और रिसीवर दोनों को जनरल एनस्थीसिया देकर की जाएगी। इसके बाद दोनों शरीरों को ट्रेकियोटॉमी के जरिये यांत्रिक श्वसन की सुविधा दी जाएगी, ताकि सभी अंग सुचारू रहें। दोनों शरीरों में एक आर्टिफिशियल प्लाज्मा सोल्युशन डाला जाता है, ताकि रक्त के थक्के न जमें और पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती रहे। सर्जिकल आर्म के जरिये रिसीवर के सिर को डोनर की रीढ़ की हड्डी, अन्नप्रणाली, श्वासनली, तंत्रिकाओं, रक्त वाहिकाओं और ऊतको से जोड़ दिया जाएगा।

कटे हुए न्यूरॉन्स को दोबारा जोड़ने के लिए सभी जोड़ों पर पॉलीथीन ग्लाइकोल सॉल्युशन लगाया जाएगा। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी पर एक एपिड्यूरल इम्प्लांट लगाया जाएगा, जो प्रत्यारोपण के दौरान क्षतिग्रस्त न्यूरॉन्स की मरम्मत में मदद करेगा और मस्तिष्क व शरीर के समायोजन को बढ़ाएगा। सर्जरी के बाद करीब 4 सप्ताह तक शरीर को कोमा में रखा जाता है, ताकि सिर और शरीर आपस में जुड़ पाएं।

सैकड़ों वर्ष काम कर सकता है दिमाग

अगर इंसानी शरीर चलता रहे, तो दिमाग सैकड़ों वर्ष तक काम कर सकता है। ब्रेन ब्रिज की अवधारणा साकार हो पाई, तो इंसान कई बड़ी चुनौतियों पर विजय पा सकता है। गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रमों से लेकर चिकित्सकीय चुनौतियों के लिहाज से यह क्रांतिकारी बदलाव होगा। इसे इंसान के अमर होने के सपन से भी जोड़कर देखा जा सकता है। हालांकि, सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है। कुछ लोग इसे फंडिंग के लिए किया गया मजाक करार दे रहे हैं, तो कुछ कह रहे हैं कि यह इंसानों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने वाली अवधारणा है।

ज्येष्ठ का महीना, यहां देखें व्रत-त्यौहारों की पूरी लिस्ट

ज्येष्ठ माह हिंदू कैलेंडर का तीसरा महीना है और हर माह की ही तरह इस महीने की भी काफी महत्व है । ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है और इसका समापन ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल ज्येष्ठ माह 24 मई 2024 से लेकर 22 जून 2024 तक रहेगा।पूजा पाठ के लिहाज से ज्येष्ठ माह काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है । क्योंकि इस महीने में बहुत सारे व्रत और त्योहार आने वाले हैं जिनकी लिस्ट हम आपके लिए लेकर आए हैं । इन लिस्ट को देखकर आप अपने पूरे महीने की प्लानिंग कर सकते हैं।

ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले व्रत-त्यौहारों की पूरी लिस्ट

26 मई 2024 दिन रविवार - एकदंत संकष्टी चतुर्थी
30 मई 2024 दिन गुरुवार - कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
01 जून 2024 दिन शनिवार - हनुमान जयंती (तेलुगु)
02 जून 2024 दिन रविवार - अपरा एकादशी
04 जून 2024 दिन मंगलवार - मासिक शिवरात्रि, प्रदोष व्रत (कृष्ण)
06 जून 2024 दिन गुरुवार - ज्येष्ठ अमावस्या, वट सावित्री व्रत, शनि जयंती
10 जून 2024 दिन सोमवार - विनायक चतुर्थी
11 जून 2024 दिन मंगलवार - स्कंद षष्ठी
14 जून 2024 दिन शुक्रवार - धूमावती जयंती, मासिक दुर्गाष्टमी
15 जून 2024 दिन शनिवार - मिथुन संक्रांति, महेश नवमी
16 जून 2024 दिन रविवार - गंगा दशहरा
17 जून 2024 दिन सोमवार - गायत्री जयंती
18 जून 2024 दिन मंगलवार - निर्जला एकादशी
19 जून 2024 दिन बुधवार - प्रदोष व्रत (शुक्ल)
21 जून 2024 दिन शुक्रवार - वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा)
22 जून 2024 दिन शनिवार - ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत, कबीर दास जयंती

कल 5 राशिवालों के लिए खास, संकष्टी चतुर्थी पर खरीदेंगे नई प्रॉपर्टी

मिलेगी प्रमोशन की खुशखबरी!

26 मई रविवार के दिन एकदंत संकष्टी चतुर्थी है। यह दिन 5 राशि के जातकों के लिए शुभ साबित होने वाला है। मेष, वृषभ समेत 5 राशि के लोग प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं, वहीं कुछ लोगों को नौकरी में प्रमोशन की खुशखबरी मिल सकती है। कुछ राशि के जातकों को बिजनेस में उन्नति मिलने की संभावना है। उनके जीवन में कौन-कौन से सकारात्मक बदलाव होंगे और शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

एकदंत संकष्टी चतुर्थी पर 5 राशिवालों का चमकेगा भाग्य!

मेष :- 26 मई का दिन आपकी राशि के लोगों के लिए शुभ फलदायी हो सकता है। इस दिन आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। आप नई गाड़ी, मकान, दुकान, प्लॉट, फ्लैट आदि की खरीदारी कर सकते हैं। यह आपके सुख और सुविधाओं में वृद्धि करेगा।

व्यापारी वर्ग के लोग नए प्लान के साथ आगे बढ़ेंगे, जिससे उनको फायदा होगा। शिक्षा प्रतियोगिता से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। उस दिन निवेश या काम के सिलसले में आप ट्रैवेल कर सकते हैं, जो आपके लिए मुनाफा वाला हो सकता है।

वृषभ :- आपकी राशि के लोगों पर गणेश जी की कृपा होगी। आपको नौकरी में प्रमोशन या फिर सैलरी में वृद्धि की खुशखबरी मिल सकती है। इस दिन आप अपने परिवार के लिए नए गैजेट्स या कपड़ों की खरीदारी कर सकते हैं। यदि आपको कोई सलाह देता है तो उस पर विचार कर सकते हैं, वह आपके काम की बात हो सकती है।

मिथुन :- एकदंत संकष्टी चतुर्थी वाले दिन आपके मन में बिजनेस से जुड़े कुछ अच्छे विचार आ सकते हैं, जिसे लागू करने से आप मालामाल हो सकते हैं। आपको मुनाफा हो सकता है। विवाह में आ रही अड़चनें दूर हो सकती हैं। परिवार में खुशी का दिन होगा, बच्चों से आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या :- गणेश जी के आशीर्वाद से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्य स्थल पर आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है या आपको कोई नया काम मिल सकता है। इससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। घर का माहौल पार्टी वाला हो सकता है क्योंकि इस दिन परिवार के किसी सदस्य को करियर में बड़ा मुकाम हासिल हो सकता है।

वृश्चिक :- आपकी राशि के जातक भी इस दिन कोई नई संपत्ति या गैजेट खरीद सकते हैं। आपके लिए मकान, वाहन, कार, लैपटॉप आदि की खरीदारी का योग बना है। लव लाइफ के लिए समय अच्छा है। जो लोग विवाह करना चाहते हैं, उनको कोई नया प्रपोजल मिल सकता है। नौकरी पाने की दिशा में किया गया प्रयास सफल हो सकता है।

मेहंदीपुर बाला जी मंदिर जाने से पहले जान लें ये नियम

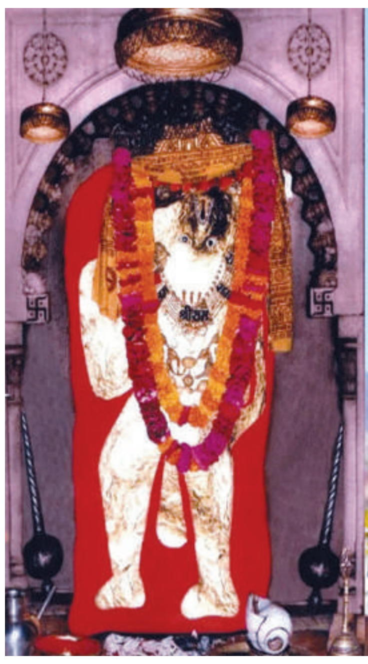

जानिए क्यों घर नहीं लाया जाता यहां का प्रसाद

हमारे देश में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जो अपने रहस्यों के लिए पूरे विश्व में जाने जाते हैं। यह मंदिर प्राचीन होने के साथ-साथ काफी फेमस भी हैं। ऐसा ही हनुमान जी को समर्पित एक मंदिर राजस्थान के सिकराय में मौजूद है। बता दें कि इस मंदिर को मेहंदीपुर बालाजी के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस मंदिर में दर्शन करने भर से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

आपको बता दें कि मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने और उसे खाने के अलावा घर लाने की मनाही होती है। मान्यता के मुताबिक मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के प्रसाद का सेवन करने या घर लाने से व्यक्ति पर नकारात्मक शक्तियां हावी हो जाती हैं। तो आइए जानते हैं कि बालाजी का प्रसाद घर क्यों नहीं लाना चाहिए।

क्यों नहीं लाया जाता प्रसाद

मान्यता के मुताबिक मेहंदीपुर बालाजी जी मंदिर के दर्शन और पूजा करने मात्र से व्यक्ति को भूत-प्रेत आदि बाधाओं से मुक्ति मिलती है। इस मंदिर से खाने-पीने की चीजों और प्रसाद को अपने घर नहीं लाना चाहिए। इससे व्यक्ति के ऊपर साया आ सकता है।

भूत-प्रेत से मिलती है मुक्ति

मेहंदीपुर बालाजी जी मंदिर में हनुमान जी को बालाजी के रूप में पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर में व्यक्ति को प्रेत-आत्मा से मुक्ति मिलती है। बालाजी का मंदिर दो पहाड़ियों के बीच स्थित है। इस मंदिर में बालाजी के साथ भैरव बाबा भी विराजमान हैं।

इन बातों का रखें खास ध्यान

अगर आप भी मेहंदीपुर मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको करीब एक सप्ताह पहले से नॉनवेज, लहसुन और शराब आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न होंगे। इसके साथ ही मंदिर में आरती के दौरान इधर-उधर या पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। बालाजी के दर्शन के बाद प्रभु श्रीराम और मां सीता के दर्शन जरूर करने चाहिए।

तुलसी की रोजाना सेवा करने से मिलते हैं कई लाभ

शास्त्रों में भी बताई गई है महिमा

तुलसी भगवान विष्णु को अति प्रिय मानी गई है, यही कारण है कि विष्णु जी की पूजा में तुलसी का मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है।ऐसे में रोजाना तुलसी की पूजा करने वाले साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना तुलसी की सेवा करने और उसमें जल देने वाले साधक को जीवन में क्या-क्या लाभ मिलते हैं। चलिए जानते हैं इस विषय में।

रोजाना करें ये काम

माना जाता है कि तुलसी माता की कृपा प्राप्ति के लिए रोजाना जल अर्पित करना चाहिए व शाम के समय उनके समक्ष घी का दीपक भी जरूर जलाना चाहिए। स्कन्द पुराण में वर्णन मिलता है कि जिस घर में हर दिन तुलसी की पूजा की जाती है, उस घर में यमदूत प्रवेश नहीं करते। कई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सुबह-सुबह तुलसी के दर्शन करने मात्र से सवा ग्राम सोने के दान बराबर फल मिलता है।

पुराणों में मिलती है महिमा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में इस बात का वर्णन मिलता है कि तुलसी के बिना भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी होती है। साथ ही इस पुराण में यह भी कहा गया है कि जो व्यक्ति मृत्यु के समय तुलसी के पत्ते सहित जल पीता है, उसे पापों से मुक्ति मिल जाती है। वहीं, गरुड़ पुराण के अनुसार, तुलसी का पौधा लगाने से और उसमें जल अर्पित करने से, ध्यान करने से यहां तक की केवल तुलसी के स्पर्श से पूर्व जन्म के पाप मिट जाते हैं।

इस बातों का रखें ध्यान

तुलसी में जल अर्पित करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी तुलसी में रविवार और एकादशी के दिन जल न दें। क्योंकि मान्यताओं के अनुसार एकादशी पर मां तुलसी भी निर्जला व्रत रखती हैं और न ही इन दिनों में तुलसी के पत्ते उतारने चाहिए।

इस समय न करें पैसों का लेन-देन

वरना फायदे की जगह हो जाएगा नुकसान

वास्तु शास्त्र, हिंदू धर्म के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण विज्ञानों में से एक माना गया है। मान्यताओं के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अपने घर और कार्यक्षेत्र में वास्तु नियमों का ध्यान रखता है, तो वह कई परेशानियों से बचा रह सकता है। इसी प्रकार वास्तु शास्त्र में लेनदेन से संबंधित भी कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखा जाए तो व्यक्ति को हानि नहीं झेलनी पड़ती।

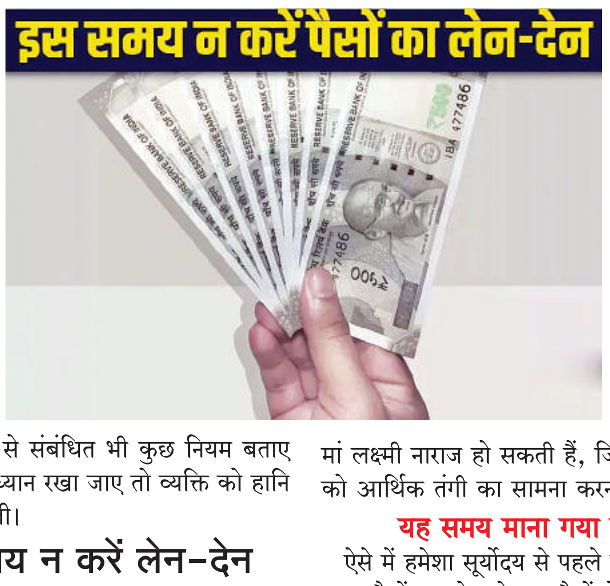

इस समय न करें लेन-देन

वास्तु शास्त्र की मानें तो संध्या के समय और सूर्योदय के बाद कभी भी पैसों का लेन-देन नहीं करना चाहिए। साथ ही इस समय में किसी को पैसे उधार नहीं देने चाहिए और न ही किसी से उधार लेना चाहिए। इसके साथ ही शास्त्रों में ब्रह्म मुहूर्त के समय भी पैसों का लेन-देन अच्छा नहीं माना जाता।

हो सकते हैं ये नुकसान

ऐसा माना जाता है कि ब्रह्म मुहूर्त और सूरज ढलने के बाद किए गए लेन-देन से व्यक्ति को आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है और उसके हाथ में कभी पैसा नहीं टिकता। क्योंकि यह समय मां लक्ष्मी के विचरण का समय माना गया है। ऐसे में इस समय किए गए लेन-देन से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं, जिस कारण व्यक्ति को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

यह समय माना गया है शुभ

ऐसे में हमेशा सूर्योदय से पहले या फिर सुबह के समय पैसों का लेन-देन या पैसों से जुड़े कार्य किए जा सकते हैं।

वहीं, हिंदू शास्त्रों में सूर्योदय के बाद का या फिर सूर्यास्त से ठीक पहले की अवधि को पैसों से जुड़े कार्य करने के लिए बेहतर माना गया है।

आराम के चक्कर में बिस्तर पर बैठकर खाते हैं खाना?

तुरंत बदल दें ऐसी 5 आदतें, कंगाल होने में नहीं लगेगी देर

आपने अक्सर देखा होगा की आराम के कारण कई लोग बिस्तर पर बैठकर ही खाना खाते हैं। इसके अलावा आराम के कारण कई सारी ऐसी आदतें बना लेते हैं। शास्त्रों की मानें तो ऐसी आदते आपकी कंगाली का बड़ा कारण बन सकती हैं। इन्हीं कुछ आदतों के कारण धन की देवी आपसे नाराज हो सकती हैं और घर में आर्थिक तंगी समेत कई परेशानी हमेशा बनी रहती है। आज हम आपको ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें तुरंत बदल लेना चाहिए वरना दरिद्र बनने में समय नहीं लगेगा। आइए जानते हैं।

1. बिस्तर पर खाना खान

शास्त्रों के अनुसार घर पर बिस्तर पर बैठकर खाना भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। इस आदत को तुरंत बदल लेना चाहिए वरना आपको वास्तु दोष के नकारात्मक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। इससे घर की सुख-शांति चली जाती है और अक्सर घर के सदस्यों में वाद विवाद होता रहता है। इसके अलावा मां अन्नपूर्णा नाराज हो सकती है और धन-धान्य की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

2. किचन में गंदे बर्तन छोड़ना

आपने कई लोग अक्सर देखा होगा कि रात में खाना खाने के बाद लोग बर्तन झूठे ही सिंक में छोड़ देते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस आदत के कारण आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। रात में खाना खाने के बाद बर्तनों को साफ करके ही रखना चाहिए, वरना मां अन्नपूर्णा की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

3. सूर्यास्त के बाद न करें लेन देन

सूरज छिपने के बाद धन का लेन देन करने से बचना चाहिए। इससे आपको जीवन में कर्ज का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही धन हानि होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।

4. रात में न धोएं कपड़े

कई लोग अक्सर कपड़ों को रात में धोते हैं। शास्त्रों के अनुसार रात में कपड़े धोना अशुभ होता है इससे घर में नेगेटिव एनर्जी बढ़ती है।

साथ ही घर की सुख-शांति चली जाती है जिससे लड़ाई-झगड़े की संभावना बढ़ जाती है।

5. रात में न लगाएं झाड़ू

धार्मिक शास्त्रों में झाड़ू को धन की देवी मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं। इससे घर में आर्थिक तंगी हो सकती है और दरिद्रता का वास हो सकता है। भूलकर भी सूर्यास्त या कहें रात में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए।

सजनी शिंदे का वायरल वीडियो किरदार की मासूमियत बरकरार रखना चाहती हूं : राधिका मदान

मिस्ट्री फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में मुख्य किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस राधिका मदान ने बताया कि किस तरह फिल्म ने उन्हें अपने अंदर झांकने पर मजबूर किया।

राधिका ने अपने किरदार सजनी से जुड़ी कुछ बातें शेयर की।उन्होंने कहा, सजनी के लिए मुझे वास्तव में दुख हो रहा है। लेकिन इसका उपाय सिर्फ यह है कि आप समाज के लिए अपनी चमक या अपनी मासूमियत को न खोएं। यह बहुत जरूरी है कि आप अपनी नजरों में सही रहें और अपने आप पर भरोसा रखें।राधिका ने कहा, किसी को बाहरी लोगों के अनुसार अपनी जिंदगी नहीं जीनी चाहिए।

इसलिए, मैं सजनी की चमक और मासूमियत को अपने अंदर बरकरार रखने की पूरी कोशिश करूंगी।फिल्म की शूटिंग से जुड़े एक किस्से को बताते हुए राधिका ने कहा, हर एक सीन ने हमें अपने अंदर झांकने पर मजबूर किया। सिर्फ मुझे ही नहीं, बल्कि निर्देशक, सेट पर मौजूद लोगों, को-एक्टर्स को भी.. मुझे लगता है कि हर सीन इंट्रोस्पेक्शन से भरा था। राधिका ने कहा, आप अपने बारे में नहीं, बल्कि अपने रोल के बारे में सोचते हैं, लेकिन यह फिल्म आपसे यह सवाल करने पर मजबूर करती है कि आप खुद को कैसे देखते हैं।

मिखिल मुसाले द्वारा निर्देशित यह फिल्म सजनी शिंदे (राधिका) की कहानी को उजागर करती है, जिसका जिंदगी एक वायरल वीडियो से पूरी तरह से तबाह हो जाती है।इसमें निम्रत कौर, भाग्यश्री, सुबोध भावे, सोहम मजूमदार और सुमीत व्यास भी हैं।फिल्म का प्रीमियर 25 मई को एंड एक्सप्लोर एचडी पर होगा।

प्रभुदेवा के साथ काम करेंगी काजोल

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री काजोल, प्रभुदेवा के साथ काम करती नजर आयेंगी।

तेलुगु फिल्म निर्माता चरण तेज उप्पलपति को उनके असाधारण सिनेमाई विजन के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। अब, हिंदी में अपने लंबे समय से प्रतीक्षित निर्देशन की शुरुआत करने के लिए वह तैयार हैं। चरण तेज उप्पलपति एक हाई-बजट एक्शन थ्रिलर पर काम करने में व्यस्त हैं। सितारों से सजी इस फिल्म में काजोल, प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जीशु सेन गुप्ता और आदित्य सील जैसे कलाकार शामिल हैं।

इस फिल्म की पटकथा निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना द्वारा लिखी गई है। प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश दृश्य सौंदर्यशास्त्र को तैयार करेंगे।एक्शन थ्रिलर इस फिल्म में फोटोग्राफी के निर्देशक के रूप में जीके विष्णु, संगीत निर्देशक हर्षवर्धन रामेश्वर और संपादक नवीन नूली शामिल हैं।

क्रिमिनल जस्टिस 4 का टीजर आउट

कोर्ट रूम में माधव मिश्रा बन पेचीदा केस सॉल्व करते नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी की मोस्ट पॉपुलर वेबसीरीज क्रिमिनल जस्टिसळ के 3 सीजन को काफी पसंद किया गया था. सीरीज के तीनों सीजम में पंकज त्रिपाठी ने वकील माधव मिश्रा के किरदार में खूब दिल जीता था. वहीं फैंस इस सीरीज के चौथे सीजन का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. ऐसे में फैंस की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ाते हुए मेकर्स ने क्रिमिनल जस्टिस 4ळ का टीजर जारी कर दिया है साथ ही इसकी रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है.ओटीटी दिग्गज डिज़्नी+हॉटस्टार ने शुक्रवार को क्राइम ड्रामा सीरीज़ क्रिमिनल जस्टिस के चौथे चैप्टर की अनाउंसमेंट की है. नई इंस्टॉलमेंट में अभिनेता पंकज त्रिपाठी एक बार फिर अपना आइकॉनिक माधव मिश्रा के किरदार में नजर आएंगें. प्लेटफॉर्म द्वारा जारी की गई सीरीज की पहली झलक में पंकज त्रिपाठी काला कोट पहने कोर्ट में नजर आते हैं. इसी दौरान पंकज कहते हैं अरे क्या.. शांत कोर्ट जारी है. जाइये.. इसके बाद पंकज कहते हैं जरा रुकिए हम जल्द आ रहे हैं वहां देखिए इत्मीनान से अब जाइये.इस टीजर को जारी करते हुए डिज़्नी+हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा है, कोर्ट जारी है, और नए सीजऩ की तैयारी भी, आ रहे हैं माधव मिश्रा, हॉटस्टार स्पेशल क्रिमिनल जस्टिस के नए सीजऩ के साथ!क्रिमिनल जस्टिस का पहला सीजन 2018 में आया था इसे 2008 में इसी नाम की ब्रिटिश टेलीविजन सीरीज से एडेप्ट किया गया था. इसके बाद दूसरा सीजऩ साल 2020 में आया था. इस सीजन का टाइटल क्रिमिनल जस्टिस: बिहाइंड क्ल-ोज़्ड डोर्स था. ये भी काफी हिट सीजन रहा था.इसके बाद तीसरा सीरीज का तीसा चैप्टर क्रिमिनल जस्टिस: अधूरा सचसाल 2022 में रहा था.

हर बार की तरह तीसरे सीजन ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थी. अब फैंस चौथे सीजन की रिलीज बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पंकज त्रिपाठी स्टारर क्रिमिनल जस्टिस का सीजन डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी. मेकर्स ने इसके रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी है. अनाउंसमेंट वीडियो में मेकर्स ने बताया है कि माधव मिश्रा जल्द ही वापसी करने वाले हैं।

सुपरस्टार सिंगर 3 में अथर्व ने जीता लोगों का दिल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित 'सुपरस्टार सिंगर 3' के युवा प्रतियोगी अर्थव ने लाजवाब पार्श्वगायन कर लोगों का दिल जीत लिया।

इस रविवार को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर, 'सुपरस्टार सिंगर 3' के युवा प्रतियोगी 'रफ़ी नाइट' एपिसोड में महान मोहम्मद रफ़ी को भावभीनी श्रद्धांजलि देंगे। प्रसिद्ध गीतकार और कवि मनोज मुंतशिर, प्रतिष्ठित अभिनेता रज़ा मुराद, और प्रख्यात गायक शब्बीर कुमार और विनीत सिंह शो की शोभा बढ़ाएंगे, और रफी जी और उनके प्रसिद्ध गानों के बारे में दिलचस्प बातें शेयर करेंगे। यह मंच टेलीविज़न अभिनेत्री सायली सालुंखे का भी स्वागत करेगा, जो चैनल के आगामी ड्रामा 'पुकार दिल से दिल तक' में वेदिका का किरदार निभाती नज़र आएंगी, जिसका प्रीमियर 27 मई को होगा और यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे प्रसारित होगा।

कैप्टन पवनदीप राजन की टीम के सदस्य, झारखंड के हज़ारीबाग़ के असाधारण रूप से प्रतिभाशाली 12 वर्षीय अथर्व बख्शी ने फ़िल्म 'हम दोनों' और 'हंसते ज़ख्म' से क्रमश: अभी ना जाओ छोड़ कर और तुम जो मिल गए हो पर अपनी दिलकश प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।मनोज मुंतशिर ने इस एक्ट की तारीफ करते हुए कहा, जब अथर्व गा रहे थे, तो मेरे पीछे के लोग एक-दूसरे से कह रहे थे कि 'वह नन्हा रफ़ी है।' इसलिए, मैं उनसे अपनी टिप्पणी उधार ले रहा हूं, आप वाकई नन्हें रफी हैं। आपने दो गाने गाए, दोनों ही महान संगीतकारों की रचनाएं थीं - एक जयदेव साहब की और दूसरी मदन मोहन साहब की। ये गाने आपके जन्म से बहुत पहले बनाए गए थे, ऐसा लगा जैसे आपने खुद जयदेव साहब या मदन मोहन साहब से उनके म्यूज़िक रूम में बैठकर सीखा है। आपने बहुत अच्छा गाया। आपको ढेरों शुभकामनाएं।

इस परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध होकर, सुपर जज नेहा कक्कड़ ने अथर्व की तारीफ करते हुए कहा, आप बहुत समर्पण से गाते हैं, और रफ़ी साहब के ये दो गाने बहुत अलग हैं। किसी गायक की पहचान ऐसी ही बहुमुखी प्रतिभा से होती है। एक ही मंच पर दो बिल्कुल अलग तरह के गाने परफॉर्म करना दिखाता है कि आप कितने अद्भुत और बहुमुखी कलाकार हैं। आज, मैं आपसे कुछ कहना चाहती हूं, अथर्व, बैठो ना दूर हमसे, देखो खफा ना हो, किस्मत से मिल गए हो, मिलके जुदा ना हो।

कैप्टन सलमान अली ने कहा, मैं उन्हें अथर्व जी कहकर बुलाऊंगा क्योंकि जब भी यह बच्चा गाता है, तो कुछ अद्भुत नज़ारा होता है। मैं हमेशा उन्हें बहुत सम्मान और सराहना की नज़रों से देखता हूं। कई गायक अच्छा परफॉर्म करते हैं, लेकिन किसी को इतने लगाव और इतनी खास सोच के साथ गाते देखना दुर्लभ है। अथर्व ने इतना अच्छा गाकर सम्मान हसिल किया है। आप लाजवाब हैं, मैं आपकी जितनी भी तारीफ करू, वह हमेशा कम ही होगी क्योंकि आप हर बार अनोखा परफॉर्म करते हैं। बहुत बढ़िया। बहुत प्रभावशाली। गायक शब्बीर कुमार ने अथर्व को मोहम्मद रफ़ी जी का एक सेल्फ-मेड स्केच भी उपहार में दिया। एक और मनमोहक में, पुकार दिल से दिल तक की सायली उर्फ वेदिका ने अथर्व और देवनश्रिया से उनके शो की लोरी गाने का विशेष अनुरोध किया, जिससे एक मां और उसकी दो बेटियों के बीच का मार्मिक बंधन जीवंत हो गया है।

पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी की पहली झलक आउट

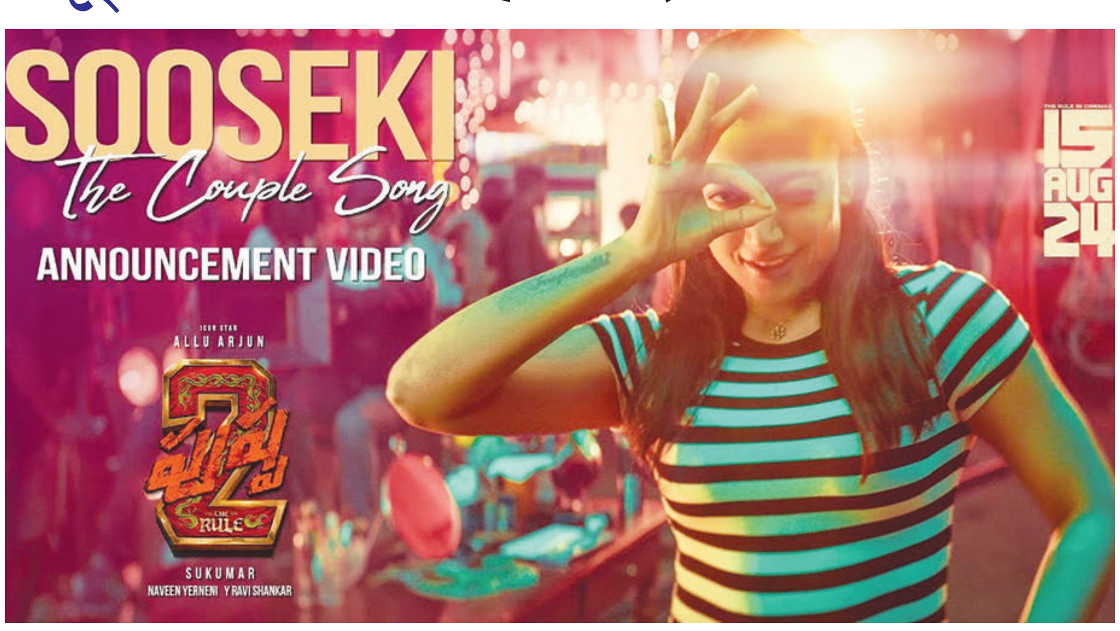

नए अंदाज में लौटेंगे सामी-श्रीवल्ली

अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी का आज 23 मई को एलान हो गया है. साथ ही इस गाने सूसेकी से अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर धमाल करने जा रही है. पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने सॉन्ग सूसेकी का एक प्रोमो जारी किया है और साथ ही बताया है कि यह गाना कब रिलीज होने जा रहा है. इससे पहले बीती 22 मई को पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी की जानकारी मेकर्स ने दी थी. अब फैंस के बीच पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने की डेट सामने आ गई है और अब फैंस को इस तारीख का इंतजार रहेगा.पुष्पा 2 द रूल का दूसरा गाना सूसेकी भी म्यूजिक कंपोजर देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है. पुष्पा के पहले पार्ट में भी डीसपी के अपने म्यूजिक से धमाका किया था फिल्म के गाने दुनियाभर में छाए थे. इसमें ऊं अंटावा, सामी-सामी और श्रीवल्ली खूब हिट हुए थे. अब देखना है फिल्म पुष्पा 2 द रूल के गानों को कितना प्यार मिलता है. सॉन्ग सूसेकी 29 मई को सुबह 11.07 बजे रिलीज होगा.हालांकि, पुष्पा 2 द रूल के पहले गाने पुष्पा-पुष्पा ने रिकॉर्ड तोड़ दिया और अब देखना है कि फिल्म का दूसरा गाना क्या कमाल करता है.

बता दें, सुकुमार के डायरेक्शन में बनी फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार अल्लू अर्जुन के फैंस को खूब है. फिल्म को रिलीज होने में अब ढाई महीने का ही समय बचा है. फिल्म आगामी 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

फ्रॉक स्टाइल ड्रेस में आमना ने शेयर की तस्वीरें

फोटोज ने इंटरनेट का पारा किया हाई

टीवी की जानी-मानी और खूबसूरत अभिनेत्री आमना शारीफ आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सक उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपने बोल्ड लुक्स से इंस्टाग्राम पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ाती हुई नजर आ रही हैं।फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस आमना शरीफ ने व्हाइट कलर का फ्रॉक स्टाइल ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट नजर आ रही हैं।इस फोटो में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर रिझा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस आमना शरीफ जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीर पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।आमना शरीफ सोशल मीडिया लवर हैं और साथ ही इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं।

हरियाणा में श्रद्धालुओं से भरा ट्रैवलर ट्रॉले से टकराया, सात की मौत, 20 घायल

पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जताया दुःख
पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने मृतकों के परिजनों और घायलों से अस्पताल में की मुलाकात

अंबाला, 24 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में गुरुवार-शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई। वहीं, करीब 20 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बताया जा रहा है कि ये लोग उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के रहने वाले हैं। सभी एक ट्रैवलर में सवार होकर जम्मू में माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान अंबाला-दिल्ली के मोहड़ा में हाईवे पर इनका वाहन एक ट्रॉले से टकरा गया। ट्रैवलर में बच्चे और महिलाएं भी सवार थीं। ट्रैवलर में कुल 26 श्रद्धालु थे। हादसा इतना भयानक था कि ट्रैवलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इससे ट्रैवलर सवार श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलने के बाद पड़ाव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ श्रद्धालु ट्रैवलर में ही फंस गए थे। इन्हें राहगीरों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल श्रद्धालुओं को अंबाला कैंट के सिविल अस्पताल में और शाहाबाद के आदेश मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहीं, शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है। इनमें 6 माह की बच्ची सहित पति-पत्नी शामिल हैं। सोनीपत के जखोली निवासी विनोद (52) की मौत हुई है। वहीं, यूपी के बुलंदशहर ककौड़ निवासी मनोज (42), गुड्डी, यूपी हसनपुर निवासी मेहर चंद, यूपी के ककौड़ निवासी सतबीर (46), 6 माह की दीप्ति की मौत हो गई है। एक अन्य व्यक्ति भी मृत मिला है।

मोहड़ा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौके पर जानकारी देते हुए घायल धीरज ने बताया कि वह 23 मई की शाम को वैष्णो देवी के लिए रवाना हुए थे और सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। जैसे ही वह मोहड़ा के पास पहुंचे तो अचानक ट्राले के आगे कोई वाहन आ गया था। जैसे ही ट्राले ने ब्रेक लगाई तो उनकी ट्रैवलर अनियंत्रित होकर उससे टकरा गई।

उधर, हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने संवेदना व्यक्त की है। पीएम ने एक्स पर लिखा, हरियाणा के अंबाला में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उन शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। वहीं, सीएम सैनी ने सोशल मीडिया पर लिखा, अंबाला में दर्दनाक सड़क हादसे में जिन परिवार जनों की मृत्यु हुई है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना हैं। घायलों का समुचित इलाज कराया जा रहा है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं घायलों को जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ हो। वहीं, हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज मृतकों के परिजनों और घायलों से सिविल अस्पताल और आदेश अस्पताल में जाकर मिले। उन्होंने सभी का हाल जाना और हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। उन्होंने घटना को लेकर मुख्यमंत्री से बात की।

स्कूली बच्चे मतदान कर सेल्फी करें अपलोड, जीतें इनाम

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने शुक्रवार कहा कि मतदान के दिन स्कूली बच्चे भी चुनाव का पर्व-देश का गर्व में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें, इसके लिए भी अनूठी पहल की गई है, जिसमें स्कूली बच्चों को नगद इनाम से पुरस्कृत किया जायेगा।

श्री अग्रवाल ने कहा कि इस पहल के तहत बच्चों द्वारा मतदान के दिन वोट करने के बाद परिवार के मतदाताओं की उंगली पर लगी नीली स्याही के साथ सेल्फी अपलोड करनी है।

जिला स्तर पर ड्रॉ के माध्यम से प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को क्रमशः 10 हजार रुपए, पांच हजार रुपए और ढाई हजार रुपए का नकद इनाम दिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत जिले के जिस स्कूल के विद्यार्थी सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करेंगे, उस स्कूल को भी 25 हजार रुपए का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा।

सेल्फी अपलोड करने के लिए सीईओ हरियाणा डाट जीओवी डाट इन पर एक लिंक विकसित किया गया है, जोकि मतदान के दिन यानी 25 मई को प्रातः सात बजे से सेल्फी अपलोड करने का लिंक स्कूली बच्चों के लिये खुल जायेगा और रात्रि आठ बजे तक सेल्फी अपलोड की जा सकेगी।उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाना है बल्कि स्कूली बच्चे, जो भावी मतदाता बनेंगे, उन्हें अभी से मतदान अधिकारों के प्रति सजग करना है। लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व होता है, इसलिये यह पहल शुरू की गयी है, ताकि हर मतदाता अपना वोट अवश्य दें।

सूदखोर से परेशान एक ही परिवार के छह लोगों ने काटी हाथ की नस

एक की मौत, तीन की हालत गंभीर

फरीदाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। सेक्टर 37 से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां सूदखोर से परेशान एक ही परिवार के छह लोगों ने हाथ की नस काट ली। सभी ने सामूहिक आत्महत्या करने की कोशिश की। इसमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि अन्य पांच घायल हैं। सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद के सेक्टर 37 स्थित मकान नंबर 406 में सूदखोर से परेशान एक ही परिवार के छह लोगों ने हाथ की नस काट ली। नस कटने से घर के मुखिया ने दम तोड़ दिया, जबकि पांच घायल हैं, तीन की हालत गंभीर बनी है। छोटे पोते ने समझदारी दिखाते हुए सिक्योरिटी गार्ड से घर का गेट को खुलवाया और परिवार को बचाया। सेक्टर के लोगों का कहना है कि अभी किसी की मौत नहीं हुई है। सभी का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। परिवार के मुखिया श्याम गोयल (70) की मौत हो गई है। जबकि साधना गोयल (67) अनिरुद्ध गोयल (45), निधि गोयल (42) धनंजय गोयल (19), हिमांक गोयल (15) घायल हैं। सभी लोगों के नस काटी है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है

कि परिवार ने जहरीला पदार्थ भी खाया था। रात 1:30 बजे पुलिस परिवार के छह लोगों को एशियन अस्पताल में लेकर पहुंची थी। 12 वर्षीय सबसे छोटा पोते ने नस नहीं काटी थी। उसी ने सुरक्षा गार्ड को बोला कि घर का गेट खोलो। घर का गेट खोलने के बाद सुरक्षा गार्ड ने पुलिस को सूचना देने के बाद सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। पांच में से तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी मिली है कि लोन की वसूली के लिए कुछ लोग देर रात करीब 11:45 के करीब घर आए थे, उनके गार्ड का अपहरण कर ले गए थे। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या की कोशिश की। परिवार का दिल्ली के चांदनी चौक में देसी घी का व्यापार है। पुलिस ने घर को सील कर दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

नेता कुर्सी पाने के लिये कुछ भी करने को तैयार हैं : खराड़ी

माउंट आबू, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा है कि वर्तमान में नेता कुर्सी पाने और सत्ता में आने के लिये कुछ भी करने को तैयार हैं।श्री खराड़ी शुक्रवार को राजस्थान में माउंट आबू के ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एवं रिट्रीट के शुभारंभ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। नई सामाजिक व्यवस्था के लिए दृष्टि और मूल्य- मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े संपादक और पत्रकार शिरकत करने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि नेताओं का नैतिक स्तर का गिरना चिंता का विषय है। हम उस महान संस्कृति से आते हैं, जहां भरत जैसे राजा हुए, जिन्होंने 14 बरस अपने बड़े भाई श्रीराम के पैरो की खड़ाऊ रखकर शासन चलाया। वर्तमान में लोग पैसे कमाने के लिये किसी भी स्तर पर जाने को तैयार हैं। फिर से राम राज्य आयेगा, इसे कोई रोक नहीं सकता है। इसमें मीडिया को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बी के शिवानी दीदी ने कहा कि हमें मिलकर राम राज्य लाना होगा। इसके लिये एक- एक को संकल्प करना होगा। हमारे संस्कारों से ही रामराज्य और रावण राज्य बनता है। संस्कारों से संसार बनता है। यदि हमारे संस्कार दिव्य, पवित्र होंगे तो रामराज्य आयेगा। हमें आग लगाने वाली नहीं आग बुझाने वाली चिड़िया बनना है। हमें समाज को नयी दिशा देने वाला पत्रकार बनना है। हमें अपने संस्कारों को दिव्य बनाकर स्वर्णिम संसार लाना है। इसमें हर एक को अपनी सहभागिता निभानी है।

समारोह में भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक और जाने माने मीडिया गुरु प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि आज नारद जयंती है। उन्हें हम प्रथम संचारक कहते हैं। संचारक कभी एक स्थान पर नहीं रहते। उनका काम है लोक मंगल। उन्हें सभी प्यार करते हैं। उनकी प्रामाणिक दृष्टि थी, ऐसी ही दृष्टि पत्रकार की होनी चाहिए। पत्रकारिता किसके लिए, कैसी होनी चाहिये, यह बात यहां ब्रह्माकुमारी में सिखाई जाती है। हमारा जो भी ज्ञान है वह विश्व को सुख देने के लिये है। हमे मीडिया का भारतीयकरण करना पड़ेगा। हमारा संचार संवाद का है। हमें दूसरों को दोष देना बंद करना होगा। खुद समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा।

केमिकल के दानों से भरे ट्रक में लगी आग
50 लाख का सामान जलकर खाक

टोंक, 24 मई (एजेंसियां)। जिले के निवाई क्षेत्र के बरथल तिराहे पर खड़े केमिकल से भरे ट्रक में दोपहर को अचानक आग लग गई। आग ने पास ही खड़े दूसरे ट्रक को भी अपनी चपेट में ले लिया। दूसरे ट्रक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रक को आगे ले जाकर आग बुझाई। आग की सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में ट्रक जलकर राख हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर ढाबे के बाहर प्लास्टिक के बारीक दानों से भरे खड़े ट्रक में आग लग गई। आग ने एक अन्य ट्रक को भी चपेट में ले लिया लेकिन समय रहते दूसरे ट्रक के चालक ने ट्रक को आगे ले जाकर ढाबे पर लगी पानी की मोटर चलाकर आग बुझाई, जबकि दूसरे ट्रक में भीषण आग लग गई।

आग के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया। सूचना पर बरौनी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को सुचारू करवाया। ट्रक ड्राइवर मोहम्मद हनीफ ने बताया कि ट्रक मुंबई से दिल्ली जा रहा था, ट्रक में प्लास्टिक के कट्टों में केमिकल लगे हुए बारीक प्लास्टिक के दाने थे, गर्मी के कारण इनमें आग लग गई, हालांकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

बीसलपुर बांध के वन क्षेत्र में वन्य जीवों की गणना जारी

काले हिरणों की संख्या में आई कमी

टोंक, 24 मई (एजेंसियां)। जिले में पूर्णिमा के मौके पर कल रात वन्य जीवों की गणना की गई। वॉटर हॉल पद्धति से जिले के 40 पाइंट्स पर वन्य जीवों की गणना की गई, जिसमें इस वर्ष पहली बार कैमरा ट्रैप का भी इस्तेमाल किया गया।

टोंक के कार्यालय उप वन संरक्षक मारिया शाइन ने बताया कि टोंक जिले के लिए वन्य जीव गणना खुशखबरी लेकर आई है, जहां बीसलपुर बांध के वन क्षेत्र में इंडियन फॉक्स, घड़ियाल, सांभर नजर आए। वन विभाग ने बताया कि आज टोंक शहर में 10, उनियारा में 10, देवली में 5, मालपुरा में 6, निवाई में 6 और सिरस में 3 वॉटर हॉल पाइंट पर वन्य जीवों की गणना की जा रही है। गणना के दौरान नगरफोर्ट के रानीपुरा इलाके में काले हिरणों की संख्या में काफी कमी नजर आई है। आज शाम तक गणना पूरी होने के बाद इस संख्या का तुलनात्मक अध्ययन करने के बाद ही सही स्थिति सामने आ सकेगी। इसके बाद ही कमी के कारणों की जांच की जाएगी।

चंद्रपाल सिंह को मरणोपरांत पुलिस पदक

भरतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 156 बटालियन में मुख्य आरक्षक रहे नदबई तहसील के गाँव नगला मिर्चुआ के चन्द्रपाल सिंह को उनके अदम्य साहस एवं साथियों के जीवन की रक्षा के लिये राष्ट्रपति द्वारा उन्हें मरणोपरांत पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

बीएसएफ के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को विज्ञान भवन, नयी दिल्ली में आयोजित बीएसएफ के अलंकरण समारोह में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल द्वारा शहीद चन्द्रपाल सिंह की वीरांगना कमलेश कुमारी एवं पुत्र पंकज कुमार को यह सम्मान प्रदान किया गया। बीएसएफ के सूत्रों ने बताया कि सात आठ अगस्त 2016 की मध्य रात्रि को कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर की भूरीवाला चौकी पर हुए हमले में उन्होंने आतंकवादियों का वीरता से मुकाबला किया और उनके मंसूबे नाकामयाब करके अपने कई साथियों की जान बचायी। इस दौरान गोलियां लगने से वह वीरगति को प्राप्त हुए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म-रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा।
अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 25 मई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 07:00 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रातः 10:36 तक
योग : सिद्ध प्रातः 10:05 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:17 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 10:36 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री नारद जयंती, गण्डमूल चालू है

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विदेश मंत्रालय ने पेनड्राइव प्रज्वल को कारण बताओ नोटिस जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय विदेश विभाग ने अश्लील वीडियो मामले में हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट और वीजा दोनों को रद्द करने की मांग करते हुए पत्र लिखे जाने के बाद विदेश विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कारण बताओ नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि आपने जल्द से जल्द कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं दिया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि आप कारण बताओ नोटिस का उचित जवाब नहीं देते हैं, तो आपकी यात्रा प्रतिबंधित कर दी जाएगी। ध्यान दें कि आगे के कानूनी विवादों के लिए आप जिम्मेदार होंगे। यदि वे कारण बताओ नोटिस का

जवाब नहीं देते हैं, तो वे कानून के घेरे में आ जायेंगे। यदि विदेशी मामलों का पासपोर्ट रद्द कर दिया जाता है, तो उन्हें बिना औपचारिकताओं के आत्मसमर्पण कर देना चाहिए या जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो पेज का पत्र लिखकर कहा कि प्रज्वल रेवन्ना पर लगे आरोप गंभीर हैं। नोटिस देने के बावजूद वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें विदेश से लाने के मद्देनजर उनका पासपोर्ट और राजनयिक वीजा रद्द करने का अनुरोध किया था। इसके बाद एसआईटी ने केंद्रीय विदेश विभाग के प्रमुख को पत्र लिखकर प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक वीजा रद्द करने की मांग की थी। एसआईटी उन्हें सुनवाई में पेश होने के लिए पहले ही तीन बार नोटिस जारी कर चुकी थी। अनुपस्थिति की पृष्ठभूमि में पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हासन का अश्लील वीडियो मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने एसआईटी जांच के आदेश दिए थे। जब उसे यकीन हो गया कि पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेगी तो वह बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विदेश भाग गया। तब से लेकर आज तक किसी को नहीं पता कि वह कहां हैं।

राजद ने पीएम पर कसा तंज, कहा–

प्रधानमंत्री हतास और निराश हो चुके हैं, अधिकारियों से कहा– डरिये मत

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कर्पूरी सभागार में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो0 मनोज कुमार झा ने संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में पांच चरणों के चुनाव के बाद बदलाव की ललक स्पष्ट रूप से दिख रही है। बच्चा–बच्चा, चप्पा–चप्पा यह कह रहा है कि नौकरी मतलब तेजस्वी, विकास मतलब तेजस्वी जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुद्दों से भटकाने के लिए अब टोटी, लोटा, भैंस, बिजली काटने और मंगलसूत्र छीनने की बात से आगे बढ़कर यह कहने लगे हैं कि उन्हें परमात्मा ने दूत के रूप में भेजा है।

इस तरह की बात करने वालो को घर के लोग भी पसंद नहीं करते हैं और कहते हैं कि अब इन्हें बेहतर चिकित्सा की आवश्यकता है।

मनोज कुमार झा ने पीएम नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री बार–बार बिहार आ रहे हैं। तेजस्वी यादव द्वारा जो कार्य किये गये हैं उसके कारण ही मजबूरन वह बिहार आ रहे हैं और लोगों को भ्रम में रखने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हतास और निराश हो चुके हैं,इसीलिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मनोज कुमार झा ने सारण चुनाव पर अधिकारियों से कहा कि डरिये मत और किसी के दबाव में काम मत करिये। जिस व्यक्ति की बात सुन रहे हैं वो व्यक्ति अर्श से फर्श पर जल्द ही आने वाला है। सभी अधिकारियों को भारत के संविधान पर विश्वास करके मजबूत संकल्पों के साथ बिना भेद–भाव के काम करना चाहिए। कोई भी अधिकारी संविधान के दायरे से बाहर जाकर अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है, तो उन्हें समझ लेना चाहिए कि संविधान को बचाने वाले इस तरह का प्रतिकार करेंगे। इन्होंने कहा कि सच तो यह है कि बिहार में तंत्र–मंत्र और षडयंत्र उनका है और शासन और प्रशासन भी उन्हीं का है। लेकिन भारत का संविधान सभी को बेहतर ढंग से काम करने का अधिकार देता है। अगर कोई गलत करेंगे तो उनपर निगाह है।

सिद्धरामैया ने पूछा कि क्या हासन के सांसद अपने परिवार को बताए बिना चले गए?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पूछा कि क्या हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने अपने परिवार के सदस्यों को सूचित किए बिना भारत छोड़ दिया था। मैसूरु में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधान मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। देवेगौड़ा ने अपने पोते को चेतावनी दी है कि वह वापस लौट आए और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दे अन्यथा उनको परिवार के सभी सदस्यों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा क्या उन्होंने (प्रज्वल) परिवार के सदस्यों को सूचित किए बिना देश छोड़ दिया? मुख्यमंत्री ने गौड़ा पर उनके पोते को भारत से बाहर भेजने की साजिश रचने और अब उन्हें वापस लौटने की चेतावनी देते हुए पत्र लिखने का आरोप लगाया। पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि प्रज्वल रेवन्ना कभी भी उनके संपर्क में नहीं थे, भले ही वह हासन का प्रतिनिधित्व करने वाले जद (एस) सांसद हैं। सिद्धरामैया ने कहा, पूर्व सीएम ने चुनाव प्रचार के दौरान यह दावा क्यों किया कि वह (प्रज्वल) उनके बेटे की तरह हैं। अगर कोई संपर्क न होता तो? कुमारस्वामी के इस आरोप पर कि एसआईटी जांच तार्किक अंत तक नहीं पहुंचती है, सिद्धरामैया ने कहा कि उन्हें विशेष जांच दल (एसआईटी) पर पूरा भरोसा है जो हासन सांसद के खिलाफ यौन शोषण के आरोप की जांच कर रहा है। मुझे नहीं पता कि जब कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे तो एसआईटी ने कितने मामलों की जांच की थी। मुझे एसआईटी पर भरोसा है।

गूगल द्वारा तमिलनाडु में प्लांट स्थापित करने के फैसले के बाद भाजपा ने सरकार की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को गूगल द्वारा तमिलनाडु में प्लांट स्थापित करने के फैसले के बाद राज्य सरकार के सुस्त रवैये की आलोचना की। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि गूगल तमिलनाडु में अरबों का निवेश करने के लिए तैयार है जहां वह स्मार्टफोन और ड्रोन का उत्पादन करेगा। कर्नाटक सुस्त, सोई हुई कांग्रेस सरकार का परिणाम भुगत रहा है जो पूरी तरह से अपना रास्ता खो चुकी है और दिशाहीन दिख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने कुशासन और गलत प्राथमिकताओं के कारण राज्य को आपदा की ओर ले जा रही है। विजयेंद्र ने कहा जहां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार भारत में निवेश आकर्षित करने में सफल रही है, वहीं कर्नाटक सरकार कर्नाटक को शीर्ष निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने और निवेशकों में विश्वास पैदा करने में बुरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि उसी सरकार ने कर्नाटक के किसानों को बर्बाद कर दिया क्योंकि वह गठबंधन सहयोगी द्रमुक के खिलाफ कावेरी जल में राज्य के हिस्से की रक्षा करने में असमर्थ थी। विजयेंद्र ने कहा कोई आश्चर्य नहीं, तमिलनाडु में अरबों डॉलर के निवेश के साथ भी यही प्रवृत्ति जारी है।

कोयला व्यवसायी के घर में लगी भीषण आग

सूचना के डेढ़ घंटे बाद पहुंची दमकल टीम

सुपौल (एजेंसियां)।

बिहार के सुपौल जिले के सिमराही नगर पंचायत स्थित वार्ड 4 में गुरुवार की देर रात अचानक आग लगने से एक ही परिवार के तीन घर जल गए। वहीं, इस दौरान फायर ब्रिगेड की बड़ी ला–परवाही सामने आई है। साथ ही प्रशासनिक सजगता को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, सिमराही वार्ड 4 निवासी कोयला कारोबारी रामप्रसाद साह के घर में गुरुवार की देर रात करीब 12 बजे अचानक आग लग गई। हालांकि अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं, स्थानीय लोगों का दावा है कि आग की लपटें उठने के

साथ ही रात 12:20 बजे कॉल कर दमकल को सूचना दी गई थी। साथ ही इस बीच स्थानीय लोग भी आग बुझाने में जुट गए थे। लोगों ने बताया कि कुछ देर में आग परिसर में रखे कोयले के ढेर में भी लग गई। उसके बाद तेज लपटों से लोगों में हड़कंप मच गया।

इधर, कोयला कारोबारी रामप्रसाद साह के बेटे उमेश साह ने बताया कि रात करीब 11:30 बजे परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। अचानक आग की लपटें उठने के बाद नींद खुली। आग लगने में दो लाख से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

स्थानीय लोगों का दावा है कि कई बार कॉल करने के बाद भी रात करीब 01:30 बजे दमकल की पहली गाड़ी प्रतापगंज से पहुंची। वहीं, इसके 15 मिनट बाद वीरपुर से दूसरी बड़ी गाड़ी और उसके 10 मिनट बाद तीसरी छोटी गाड़ी पहुंची। लोगों ने दावा किया कि रात 12:20 बजे से दमकल टीम के पहुंचने तक कई बार मोबाइल नंबर 7485805851 पर कॉल किया गया। लेकिन हर बार झूठ बोला जाता रहा। यहां तक कि दमकल की टीम ने कॉल पर डायल 112 की टीम द्वारा उन्हें वापस लौटाने की बात तक कह दी। दमकल की टीम जब तक घटनास्थल पर पहुंची, आग पर काबू पा लिया गया था। हालांकि, इसके बावजूद आग को पूरी तरह बुझाने के लिए दमकल की टीम को करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी।

इधर, प्रतापगंज थानाध्यक्ष प्रमोद झा ने बताया कि अग्निशमन गाड़ी का चालक छुट्टी पर था। बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था के तहत निजी ड्राइवर को दमकल गाड़ी के साथ घटनास्थल के लिए भेजा गया।

थानाध्यक्ष के अनुसार, पहले फोन पर आग लगने की सूचना दी गई और फिर कुछ देर बाद बताया गया कि आग बुझ गई है। इसी वजह से अग्निशमन टीम को पहुंचने में देरी हुई।

वहीं, जिला अग्निशमन पदाधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि सुपौल के अतिरिक्त उन्हें सहरसा और मधेपुरा जिले का भी प्रभार है। तीन जिलों का प्रभार होने की वजह से मामला उनके संज्ञान में नहीं है। लेकिन अगर टीम सूचना के बावजूद देर से पहुंची है तो यह गंभीर विषय है। इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वर्ण व्यवसायी से 14 लाख 24 हजार रुपए की ठगी

फेसबुक पर बिग विन एप से झांसा दिया ठग ने

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के दरभंगा के कमतौल थाना क्षेत्र के कुसुमपट्टी गांव निवासी स्वर्ण व्यवसायी बेचन कुमार साहू से 14 लाख 24 हजार नौ रुपये की ठगी कर ली गई है। साइबर ठग ने यह ठगी ऑनलाइन गेमिंग में बिग विन के नाम पर की। इस मामले को लेकर पीड़ित ने दरभंगा के साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित ने कहा कि उसने फेसबुक से बिग विन गेम डाउनलोड किया था। उस पर तीनपत्ती का गेम खेलना शुरू कर दिया था। इस खेल को खेलने के दौरान रिचार्ज का विकल्प आता था, जिसमें 20 से 50 हजार रुपये तक का विकल्प आता था। रिचार्ज करने के बाद कुछ रुपये भी मिला करते थे। कुछ दिनों बाद साइबर फ्रॉड ने बिग

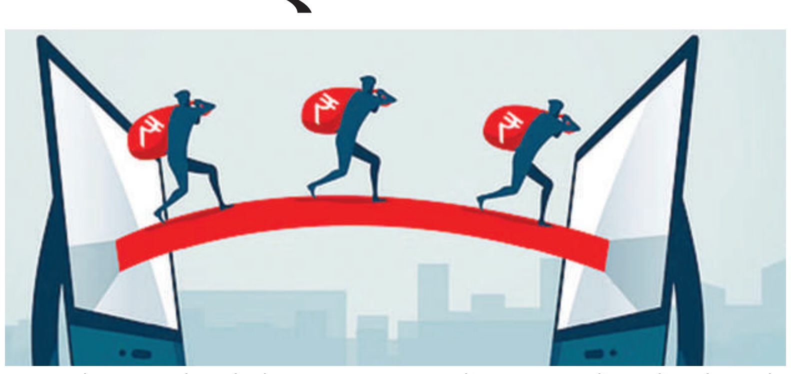

विन एप के माध्यम से रुपये लेना शुरू कर दिया।

पीड़ित ने बताया कि इस एप पर गेम मात्र 10 से 20 मिनट तक ही हुआ करता था। इस दौरान खेल में कुछ रुपये भी मिले। लेकिन इस बीच ठगी की रकम वापस देने से ज्यादा हो गई तो देने वाली रकम को कम करते हुए रिचार्ज की रकम को बढ़ा दिया। बातचीत करने कर साइबर ठग ने कहा कि ज्यादा राशि से रिचार्ज करने पर आने वाले समय में एक ही बार में लाखों रुपये आपके खाते में भेज दिए जाएंगे।

इस बीच लाखों रुपये कमाने की चाहत रखने वाले स्वर्ण व्यवसायी बेचन कुमार साहू 14 लाख 24 हजार नौ रुपये गंवा चुके थे। बेचन ने जब कंपनी वालों से अपनी कमाई के रुपये की मांग की तो ठग ने उनसे रकम रिलीज करने के नाम पर भी पैसे मांगना शुरू किया। इस पर पीड़ित को ठगी होने का अहसास हुआ।

सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर रास्ता भटका चुनावी सभा को संबोधित करने आ रहे थे बिहार

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के पूर्वी चंपारण में चुनावी सभा को संबोधित करने आ रहे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर रास्ता भटक गया। हालांकि कुछ देर बाद ही हेलीकॉप्टर को सही दिशा ले जाया गया। पायलट ने समय रहते से सबकुछ कंट्रोल में कर लिया। इस कारण सीएम योगी को पूर्वी चंपारण पहुंचने में डेढ़ घंटा लग गया। गुरुवार को चुनाव प्रचार थमने से कुछ देर पहले ही वह मंच पर पहुंचे और चुनावी सभा को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा कि आज मुझे सबसे पहले आपके बीच आना था, लेकिन मुझे हेलीकॉप्टर से दूसरी सीट पर ले जाया गया। वहां से अब आपके बीच आया हूं। दरअसल, सीएम योगी को

ओडिशा के पुरी व एक और क्षेत्र में रैली कर योगी को बिहार आना था। बिहार में पहले उन्हें पूर्वी चंपारण आना था। इसके बाद पश्चिम चंपारण में रैली कर अपना कार्यक्रम समाप्त करना था। दोनों जगह सारी तैयारी पहले ही पूरी हो चुकी थी। योगी को सुनने लोगों की भीड़ जुट गई। इसी हेलीकॉप्टर से रास्ता भटकने के कारण वह पहले पश्चिम चंपारण पहुंच गए। इस कारण पूर्वी चंपारण में डेढ़ घंटे देरी से उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि चंपारण की देवतुल्य जनता–जनार्दन का उत्साह बता रहा है कि मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। बिहार के चहुंमुखी विकास के लिए भाजपा–एनडीए आवश्यक है। चंपारण की राष्ट्रवादी जनता का एक ही उद्घोष है– फिर भाजपा, फिर मोदी सरकार! यहां का जन–उत्साह स्पष्ट कर रहा है कि यहां पुनः कमल ही खिलेगा। इतना ही नहीं सीएम योगी ने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू जी ने कहा है कि ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे देंगे। आपके आरक्षण में सेंध लगाने की तैयारी राजद और कांग्रेस, दोनों कर चुके हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी इनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com